राजस्व टीम ने अवैध कब्जा का कराया निस्तारण

गोण्डा। ग्राम राजापुर परगना व तहसील सदर गोण्डा की निवासिनी सुनीता पत्नी सन्तोष कुमार द्वारा अपने पति की भूमि पर दबंगों द्वारा किये जा रहे अवैध कब्जा सम्बन्धी शिकायत की गयी थी। शिकायतकर्ता के द्वारा की गई शिकायत के संबंध में संबंधित लेखपाल द्वारा स्थलीय अभिलेखीय जांच की गयी। जांच के दौरान शिकायतकर्ता के बयान में बताया गया कि यह मेरे पति द्वारा क्रय किए गए भूमि गाटा संख्या-123/0.692 हे भूमि पर अवैध रूप से अज्ञात व्यक्तियों द्वारा किया जा रहा था, जिसकी जानकारी मिलने पर शिकायतकर्ता द्वारा मौके पर जाकर रोका और वीडियो बनाने लगी, जिसके डर से अवैध अतिक्रमणकर्ता स्थल से भाग गये। इस मामले को लेकर राजस्व निरीक्षक व लेखपाल आदि टीम के साथ जाकर देखा गया तो मौके पर कोई अवैध कब्जा व निर्माण नहीं हो रहा है। स्थल पर अब कोई विवाद नहीं है।

देवीपाटन मण्डल का प्रथम हिन्दी दैनिक

त्रिगुट

नासिरा प्रेस

मालवीयनगर-गोण्डा

मो0-9236750993

हमारे यहां शादी कार्ड, मुण्डन कार्ड, हैण्डबिल, पोस्टर, स्टीकर आदि की छपाई उचित दर पर होती है।

एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें।

गोण्डा सोमवार 07 अगस्त 2023 वर्ष 38 अंक 344 रजि0 नं0 46071/85 (हिन्दी दैनिक समाचार पत्र) फोन/फैक्स-05262-230683 डाक पंजीयन संख्या-NP/GONDA-30/2003 पृष्ठ- 8 मूल्य 2.00 रुपये

प्रदेश सरकार राज्य से जुड़े जनकल्याण के सभी मुद्दों तथा विकास पर चर्चा के लिए तैयार-मुख्यमंत्री

विधान सभा अध्यक्ष ने मानसून सत्र के सुचारु संचालन के लिए सभी दलों से सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया

लखनऊ कार्यालय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना ने विधान सभा के मानसून सत्र के सुचारु संचालन के लिए सभी दलों से सहयोग प्रदान करने का अनुरोध किया। आज यहां विधान भवन में आहूत एक सर्वदलीय बैठक में उन्होंने कहा की सभी के सहयोग से ही सदन चलता है। तार्किक, तथ्यपरक एवं गुणवत्तापरक संवाद से जनसमस्याओं का सार्थक समाधान किया जा सकता है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री तथा नेता सदन योगी आदित्यनाथ जी ने सत्र के सुचारु संचालन में सत्ता पक्ष के पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि सदन जनाकांक्षाओं को रखने का महत्वपूर्ण माध्यम है। विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना के कार्यकाल में विगत सवा वर्षों से उत्तर प्रदेश विधानसभा नवाचार के लिए जानी जा रही है। इस दौरान उत्तर प्रदेश विधानसभा में जितनी समृद्ध चर्चाएं हुई हैं, वे देश भर की विधानसभाओं के लिए प्रेरणा बनी है। इसे देश ने सराहा है। सदन में एक दिन केवल महिला सदस्यों के लिए नियत किया गया। आज विधान भवन में डिजिटल कॉरिडोर का उद्घाटन किया गया है। इसके माध्यम से जनता को विधानसभा के इतिहास और वर्तमान में किए जा रहे जनहित के कार्यक्रमों, शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं को जानने का अवसर प्राप्त होगा। यह एक अच्छा प्रयास है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारे दल अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन हमारा दिल एक है, वह है उत्तर प्रदेश। राज्य सरकार प्रदेश से जुड़े जनकल्याण के सभी मुद्दों तथा विकास पर चर्चा के लिए तैयार है। संसदीय परंपराओं का पालन करते हुए सभी माननीय सदस्यों को अपने सुझावों एवं मुद्दों को सदन में रखना चाहिए। सदन को सार्थक चर्चा का मंच बनाएं, जिससे सदन की गरिमा में वृद्धि हो और देश में प्रदेश के परसेप्शन के प्रति अच्छा सन्देश जाए। सदन में जिन नए सदस्यों ने अभी अपनी बात नहीं रखी है, इस बार ऐसे सदस्यों को बोलने का अवसर प्राप्त होगा। यह एक सकारात्मक पहल है। प्रत्येक सदस्य के पास नई सोच होती है। जब वह अपनी बात विचारों के माध्यम से व्यक्त करते हैं, तो उससे हमें भावी योजना बनाने में मदद मिलती है।

मुख्यमंत्री जी ने सभी दलों के नेताओं से विधान मण्डल की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने में सहयोग देने का अनुरोध करते हुए कहा कि विगत कुछ समय से उत्तर प्रदेश विधान सभा जिस सकारात्मक चर्चा तथा रचनात्मकता के लिए जानी जा रही है, उस परम्परा को आगे बढ़ाने में सभी अपना योगदान देंगे। उन्होंने सभी को आश्वस्त किया कि सरकार सभी चर्चाओं में भाग लेते हुए सकारात्मक जवाब देगी तथा सुझावों के अनुरूप समाधान निकालने का प्रयास करेगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज 'उत्तर प्रदेश विधान सभा में अध्यक्ष श्री सतीश महाना का एक वर्ष' पुस्तक का विमोचन किया गया है। यह पुस्तक सभी सदस्यों, विधान सभाओं तथा पुस्तकालयों में भेजी जानी चाहिए, जिससे लोकतंत्र के लिए विधान मण्डल द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी सभी को हो सके। विधान भवन में विकसित किए गए डिजिटल कॉरिडोर के माध्यम से विद्यार्थियों को शोध के लिए समृद्ध सामग्री उपलब्ध होगी।

संसदीय कार्य मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश ऊंचाइयों को छू रहा है। विगत 06 वर्षों में प्रदेश ने हर क्षेत्र में प्रगति की है। पक्ष और विपक्ष के सहयोग से ही सदन को सुचारु रूप से चलाया जा सकता है।

बैठक में समाजवादी पार्टी के श्री मनोज कुमार पांडेय, अपना दल (सोनेलाल) के श्री राम निवास वर्मा, राष्ट्रीय लोकदल के श्री राजपाल सिंह बालियान, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के श्री ओम प्रकाश राजभर, निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल के श्री संजय कुमार निषाद, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना', जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के श्री रघुराज प्रताप सिंह 'राजाभैया' तथा बहुजन समाज पार्टी के श्री उमाशंकर सिंह ने अपने-अपने दलों की ओर से पूरा सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

कठेरिया पर फैसला कब करेंगे लोकसभा अध्यक्ष

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने सवाल ?किया है ?कि भाजपा सांसद कठे?रिया को लोकसभा अध्यक्ष कब ?निलं ?बित करेंगे। उन्होंने कहा कि इटावा से भाजपा सांसद रामशंकर कठेरिया को आगरा की एक एमपी/ एमएलए अदालत ने साल 2011 में एक निजी बिजली कंपनी के कर्मचारी के साथ मारपीट करने के मामले में दो साल की सजा सुनाई। इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा ?कि जब सांसद रामशंकर कठेरिया को सजा सुनाई गई है तो उनकी सदस्यता भी जाएगी ही। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को 24 घंटे के भीतर अयोग्य घोषित कर दिया गया था, जब सूरत की एक अदालत द्वारा मानहानि के एक मामले में दोषी ठहराया गया था। अब देखना यह होगा कि कठेरिया को सांसद की सदस्यता से अयोग्य किया जाता है या नहीं। दिग्विजय सिंह ने कहा कि अब देखते हैं लोकसभा अध्यक्ष कितनी निष्पक्षता से काम करते हैं। बता दें कि कठेरिया के खिलाफ 2011 में टॉरंट पावर कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मारपीट एवं बलवा करने का मामला दर्ज किया गया था। यूपी में उस समय मायावती के नेतृत्व में बहुजन समाज पार्टी की सरकार थी। सिंह ने कहा कि यह भी देखा जाएगा कि मोदी उपनाम मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दोषसिद्धि पर रोक लगाए जाने के बाद उनकी सदस्यता कब बहाल होती है।

अमृत भारत स्टेशन योजना को पीएम ने किया लांच, 508 स्टेशनों का होगा काया-कल्प

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना को लांच कर दिया है। उन्होंने देश के 508 रेलवे स्टेशनों का एक साथ काया-कल्प करने रविवार को आधारशिला रखी। इस योजना के लांच होने से देश में रेलवे स्टेशनों की तस्वीर बदल जाएगी। रेलवे स्टेशनों को स्मार्ट बनाने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार 6 अगस्त को देशभर में 508 रेलवे स्टेशनों के रिडेवलपमेंट की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अमृत भारत स्टेशन योजना को लॉन्च किया। एक साथ देशभर के 508 स्टेशनों के नवीनीकरण वाली इस योजना के लिए स्टेशनों पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसमें इलाके के केंद्रीय मंत्री, सांसद और विधायक भी मौजूद हैं। इन स्टेशनों पर इस भव्य कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया जा रहा है। स्टेशनों पर बड़ी-बड़ी स्क्रीन लगाकर रेलवे की पूरी योजना के बारे में लोगों को जानकारी दी जा रही है।

पीएम मोदी ने इस मौके पर कहा कि देश में आधुनिक ट्रेनों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। देश में रेलवे स्टेशनों पर बैठने के लिए अच्छी सीटें लग रही हैं। स्टेशनों पर अच्छे वेटिंग रूम बनाए जा रहे हैं। देश के हजारों रेलवे स्टेशनों पर मुफ्त वाई-फाई की सुविधा है। पीएम मोदी ने कहा कि देखा गया है कि इस मुफ्त इंटरनेट का बहुत से युवाओं ने लाभ उठाया है। इससे युवा अच्छी पढ़ाई करके काफी आगे बढ़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि अब ट्रेन से लेकर रेलवे स्टेशन तक लोगों को एक बेहतर और उम्दा से उम्दा एक्सपीरियंस देने की कोशिश की जा रही है। देश का लक्ष्य है कि रेलवे की यात्रा हर नागरिक और यात्री के लिए सुलभ, सुखद होने साथ-साथ यादगार भी हो।

पीएम मोदी ने कहा कि रेलवे को देश की लाइफलाइन है। शहरों की पहचान भी रेलवे स्टेशनों से जुड़ी होती है। शहरों की सारी गतिविधियां रेलवे स्टेशनों के आसपास ही होती है। ऐसे में जरूरी है कि रेलवे स्टेशनों को आधुनिक स्वरूप में ढाला जाए। जब देश में इतने सारे आधुनिक स्टेशन बनेंगे तो इससे एक नया माहौल भी बनेगा। जब विदेशी पर्यटक इन आधुनिक स्टेशनों से इन शहरों में पहुंचेगा तो उस शहर की तस्वीर उसकी नजरों में यादगार बनेगी। इससे आर्थिक गतिविधियों को भी रफ्तार मिलेगी। सरकार ने स्टेशनों को शहर और राज्यों की पहचान से जोड़ने के लिए वन स्टेशन वन प्रोडक्ट योजना भी शुरू की है। इससे इलाके के लोगों और कामगारों को फायदा होगा।

गोण्डा। वेंकटा चार्य क्लब का निरीक्षण कर पौध रोपण करती हुई जिलाधिकारी एवं संबंधित पदाधिकारीगण।

अयोध्या को विश्व स्तरीय स्थल बनाने के लिए अधिकारी समन्वय से कार्य करें-मुख्य सचिव

शहर के विकास के साथ-साथ मलिन बस्तियों के लिए ही विकास सम्बंधी कार्ययोजना बनाकर कार्य करें

डा0 नरेन्द्र बहादुर सिंह

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव अपने निर्धारित समय के अनुसार विगत दिवस अयोध्या आगमन हुआ तथा प्रातःकालीन अयोध्या के निर्माणाधीन विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण किया गया। तदोपरांत श्रीराम कथा संग्रहालय में अयोध्या विजन 2047 के कार्यो की समीक्षा की गयी। मुख्य सचिव ने कहा कि सभी अधिकारी अयोध्या को विश्व स्तरीय शहर बनाने के उद्देश्य से समन्वय से कार्य करें। मेरे द्वारा प्रत्येक माह इसकी समीक्षा की जायेगी। बैठक में उपस्थित शासन के प्रमुख सचिव एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को भी अपने-अपने विभाग के कार्यो को देखने का निर्देश दिया। मुख्य सचिव ने कहा कि अयोध्या के नगर के विकास के जो कार्य हो रही है उसके साथ साथ मलिन बस्तियों के विकास के लिए सूडा/डूडा कार्य योजना बनाकर नगर विकास के माध्यम से आवश्यक कार्यवाही करें। मुख्य सचिव के समक्ष बिन्दुवार प्रस्तुतीकरण आयुक्त अयोध्या श्री गौरव दयाल द्वारा किया गया। मुख्य सचिव द्वारा आज प्रातःकाल से विभिन्न योजनाओं का निरीक्षण किया गया। उसके सम्बंधित कार्यो का भी समीक्षा बैठक में उल्लेख किया गया।

समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव द्वारा प्राथमिकता तय करके निर्माण सम्बंधी कार्यो को बरसात के पूर्व पूरा करने के निर्देश दिये तथा कहा कि कार्यो के गुणवत्ता के साथ कोई समझौता न हों सभी कार्यो को तक पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने बताया कि जनपद अयोध्या में आज की समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव के समक्ष 98 क्रियात्मक परियोजनाओं जिसकी कुल लागत 21831 करोड़ है, जिसमें 31 कार्यकारी विभाग लगे है, समीक्षा बैठक में विवरण प्रस्तुत किया गया, जिसमें प्रथम चरण में रामपथ सहादतगंज से नयाघाट, भक्ति पथ श्रृगार हाट से जन्मभूमि तक, जन्मभूमि पथ बिड़ला धर्मशाला से जन्मभूमि तक आदि की समीक्षा की गयी तथा मौके पर उपस्थित अभियन्ताओं से सम्बंधित कार्य को समय से पूरा करने के निर्देश दिये गये। इसके अलावा नयाघाट से साकेत पेट्रोल पम्प के मार्ग को भी और बेहतर बनाने तथा आम श्रद्धालुओं के प्रयोग हेतु बनाने के निर्देश दिये गये। इसके अलावा अयोध्या बिल्हरिघाट मार्ग के चैड़ीकरण, अयोध्या बसखारी मार्ग, अयोध्या रायबरेली मार्ग, अयोध्या, सुल्तानपुर मार्ग आदि के बिन्दुओं पर गहन समीक्षा की गयी। अयोध्या विजन से सम्बंधित सभी कार्यो को गुणवत्ता के साथ समय से पूरा करने के निर्देश दिये गये। कतिपय विभागों द्वारा विभाग के अधिकारियों द्वारा अपने कार्य पूर्ण के समय सीमा को स्वयं बदल दिया जाता है इस ओर मुख्य सचिव का ध्यान अयोध्या आयुक्त द्वारा आकृष्ट किया गया। इस पर मुख्य सचिव ने प्रमुख सचिव की उपस्थिति में निर्देश दिया कि अपने हिसाब से अधिकारीगण समय सीमा परिवर्तन न करें और बेहतर ढंग से समन्वय के साथ कार्यो को पूरा करें। जो अयोध्या में अयोध्या कैंट से अयोध्या मुख्य मार्ग (रामपथ) से हनुमानगढ़ी होते हुये श्रीराम जन्मभूमि मंदिर तक मार्ग के चैड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य करने के निर्देश दिये गये। विभागवार समीक्षा में सम्बंधित विभाग के अधिकारी अपने अपने विभाग से सम्बंधित कार्यो को अद्यतन प्रगति से अवगत कराया। अयोध्या विजन के तहत चल रही परियोजनाओं का कार्य यथाशीघ्र पूरा किया जाय। परियोजनाओं में लोक निर्माण विभाग, रेलवे, ऊर्जा, परिवहन, चिकित्सा, शिक्षा, नगर विकास, पर्यटन, सिंचाई, सेतु निगम आदि विभागों की प्रमुख योजनाएं हैं। मुख्य सचिव ने अयोध्या को विश्वस्तरीय पर्यटन नगरी बनाए जाने तथा इसके धार्मिक एवं सांस्कृतिक के अनुरूप कार्य करें जिन कार्यो को पूरा होना है। मुख्य सचिव ने कहा कि जल्द ही बदलेगा अयोध्या का स्वरूप अयोध्या धाम अपने नाम के अनुकूल भव्यता एवं आकर्षण को बढ़ाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करें। अयोध्या धाम विश्वस्तरीय नगरी में होगा शुमार।

अयोध्या सनातन धर्म का होगा केंद्र बिंदु, अयोध्या में पर्यटन संस्कृति एवं धार्मिक रूप से सुनियोजित विकास का कार्य तेजगति से चल रहा है, चल रहे विकास कार्यो को और तेजी से पूरा करने के निर्देश दिये गये। अयोध्या में ही एनएच 27 बाईपास से निकलकर मोहबरा बाजार होते हुए टेढ़ी बाजार श्री राम जन्मभूमि तक फोरलेन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। अयोध्या सुल्तानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 330 से पुरुषोत्तम भगवान श्री राम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट तक फोरलेन का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। अयोध्या सहित अन्य सभी मार्गों के अयोध्या अकबरपुर-बसखारी मार्ग पर प्रस्तावित मया बाजार फोरलेन बाईपास, सोहावल से नवाबगंज होते हुए विक्रमजोत तक बाईपास/रिंगरोड, 84 कोसी परिक्रमा मार्ग का सुधार एवं विकास, एनएच 227 बी, पंचकोसी परिक्रमा मार्ग का विकास, स्मार्ट रोड धर्म पथ, परिक्रमा मार्ग का विकास, जनपद अयोध्या गुप्तार घाट तक तटबंध के निर्माण हरिश्चंद्र उदय रेस्टोरेशन कार्य पूर्ण हो चुका है। इसके अलावा वाराणसी लखनऊ रेल सेक्शन दर्शन नगर के पास फोरलेन रेल ऊपरीगामी क्षेत्र का, 14 कोसी परिक्रमा मार्ग पर सूर्य कुंड स्थित रेलवे समपार संख्या 105 पर 2 लेन उपरिगामी सेतु का कार्य, फतेहगंज समपार संख्या 118ए पर 2 लेन ऊपरीगामी सेतु, टेढ़ी बाजार चैराहा पूर्वी वाहन पार्किंग एवं दुकानों, निर्माण कार्य, कौसलेस कुंज में वाहन पार्किंग एवं दुकानों का निर्माण कार्य, कुंडों, घाटों सहित अन्य परियोजनाओं के निर्माण कार्य की समीक्षा की गई।

इस समीक्षा में आयुक्त द्वारा रामपथ, भूक्ति पथ, रामजन्मभूमि पथ, धर्मपथ के चैड़ीकरण एवं विस्तारीकरण, तीनों मार्गो के फसाड सौन्दर्यीकरण, बिल्हरघाट के बन्धा मार्ग के चैड़ीकरण, पंचकोसी परिक्रमा मार्ग, चैदहकोसी परिक्रमा मार्ग, सोहावल से नवाबगंज होते हुये विक्रमजोत तक बाईपास रिंग रोड निर्माण, 84 कोसी परिक्रमा मार्ग, ग्रीन फील्ड टाउनशिप योजना, मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, लम्बित परियोजनायें, अवध बस स्टैंड के निकट आश्रय गृह निर्माण योजना, अयोध्या के 33 पार्कों का कायाकल्प, मास्टर प्लान 2031 फेस-2, अटल आवासीय विद्यालय, जलकल अमानीगंज में वाहन पार्किंग, टेढ़ीबाजार चैराहा की वाहन पार्किंग, अयोध्या कलेक्टेऊ्ट के निकट स्मार्ट वाहन पार्किंग, स्थापित दुकानदारों के दुकान आवंटन, साकेत सदन, कौशलेश कुंज, नगर निगम के कार्यालय भवन, अयोध्या बाईपास का सौन्दर्यीकरण, अयोध्या सीवेट ट्रीटमेंट प्लांट, नाका रायबरेली कल्याण मण्डप का निर्माण, मुक्ति/बैकुण्ठ धाम, अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय, अयोध्या में खाद्य औषधि प्रयोगशाला तथा मण्डलीय कार्यालय के निर्माण कार्य आदि की गहन समीक्षा की गयी। मुख्य सचिव ने कहा कि मैं पुनः अगले माह आऊंगा आप लोग ऐसे कार्य करे कि अयोध्या का स्वरूप अगली बार अच्छे से अच्छा दिखे।

अन्त में मण्डलायुक्त श्री गौरव दयाल ने कहा कि जो महोदय के सुझाव प्राप्त हुये है उसको पूरी ईमानदारी से पूर्ण किया जायेगा तथा हम लोगों का सौभाग्य है कि मा0 मुख्य सचिव को जो मार्गदर्शन प्राप्त हुये है उनको और बेहतर ढंग से ईमानदारी से किया जायेगा।

इस बैठक में अपर मुख्य सचिव आवास श्री नितिन रमेश गोकर्ण, प्रमुख सचिव लोक निर्माण श्री अजय चैहान, प्रमुख सचिव नगर विकास श्री अमृत अभिजात, अपर पुलिस महानिदेशक जोन श्री पीयूष मोडिया, आवास आयुक्त श्री रणदीप प्रसाद, मण्डलायुक्त श्री गौरव दयाल, आईजी श्री प्रवीण कुमार, जिलाधिकारी श्री नितीश कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री राजकरन नैय्यर सहित अयोध्या विजन से जुड़े हुये विभागों के अधिकारी, अभियन्ता आदि उपस्थित थे।

इसके पूर्व मा0 मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र ने भ्रमण कार्यक्रम के दौरान प्रातःकाल गार्ड आफ ऑनर के उपरांत सरयू अतिथि गृह परिसर में अशोक के वृक्ष रोपित कर विभिन्न विकास कार्यो का स्थलीय निरीक्षण का शुभारम्भ किया। उन्होंने सर्वप्रथम रामकथा पार्क परिसर में प्रस्तावित होटल/गेस्ट हाउस निर्माण के लिए चयनित भूमि का स्थलीय निरीक्षण किया जहां उपस्थित सम्बंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। एल0एन0टी0 के अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि प्री कास्ट मैटेरियल से इस गेस्ट हाउस का निर्माण किया जायेगा। इसे 35 दिनों में ही पूर्ण कर लिया जायेगा। भारत में पहली बार इस प्रकार की विल्डिंग निर्माण की तकनीकी का प्रयोग किया जाना प्रस्तावित है, इसमें 5 स्टार की सुविधा उपलब्ध होगी। मुख्य सचिव ने अयोध्या विकास प्राधिकरण की कलर थीम पर ही निर्माण करने तथा अयोध्या थीम के अनुसार ब्रांडिंग करने के निर्देश दिये।

तदोपरांत चैधरी चरण सिंह घाट पर जेटी निर्माण एवं अयोध्या हाट निर्माण हेतु चयनित स्थलों का भौतिक निरीक्षण किया तथा उसमें उपलब्ध होने वाली सुविधाओं पुष्पक विमान क्रूज एवं हाउस वोट आदि की विशेषताओं के बारे में चयनित संस्था से जानकारी ली। इस दौरान यहां पर अयोध्या के गुप्तार घाट के समीप स्थित 70 एकड़ से अधिक क्षेत्रफल में फैले हुये आइलैंड पर राम चरित मानस के 07 कांडों की थीम पर आधारित विकसित किये जाने वाले राम चलित मानस टेण्ट सिटी में श्रद्धालुओं/पर्यटकों को उपलब्ध कराये जाने वाले सुविधाओं से अवगत हुये।

तत्पश्चात भारत एवं कोरिया के राजनायिक सम्बंधों पर विकसित किये गये क्वीन हो मेमोरियल पार्क का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इस पार्क की ऐतिहासिक विशेषताओं एवं पार्क सम्बंधी विस्तृत जानकारी को डिजिटलाइज्ड कर पार्क में क्यूआर कोड लगाये जाये जिससे पर्यटक अपने मोबाइल के माध्यम से इसके ऐतिहासिक महत्व की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकें तथा इसकी एक शार्ट फिल्म भी बनायी जाय व पार्क में कोरियन प्लांट भी रोपित करने के निर्देश दिये।

तदोपरांत मुख्य सचिव ने भजन संध्या स्थल का निरीक्षण कर वहां पर प्रस्तावित इवेंटस प्लानों की जानकारी ली तथा परिसर की सफाई कराने, रिटेनिंग वाल पर राम आधारित थीम पर पेटिंग कराने तथा परिसर में फूड कोर्ट संचालित करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आई0जी0 श्री प्रवीण कुमार व एसएसपी श्री राजकरण नैय्यर को अयोध्या धाम में सभी बैरीकेटिंग को अयोध्या थीम के अनुसार एकरूपता लाने के उद्देश्य से आकर्षक ढंग से पेटिंग कराने के निर्देश दिये। तदोपरांत मुख्य सचिव ने राम पथ, भक्ति पथ, जन्मभूमि पथ तथा प्रस्तावित सुग्रीव पथ (हनुमानगढ़ी से सुग्रीव किला के समीप जन्मभूमि पथ तक) का स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्य सचिव द्वारा श्री हनुमानगढ़ी एवं श्रीरामलला विराजमान मंदिर का भी दर्शन पूजन किया गया तथा श्रीराम मंदिर निर्माण परिसर में चल रहे निर्माण कार्यो की जानकारी ली। श्रीराम जन्मभूमि न्यास के सदस्यों एवं अभियन्ताओं के साथ ली गयी।

उन्होंने रामपथ के फेज-1 (नयाघाट से उदया चैराहा) के कार्य को 31 अक्टूबर 2023 तक पूर्ण करने के निर्देश दिये। इस हेतु पथ पर एक साथ कई जगहों पर कार्य किये जाये। जन्मभूमि पथ के किनारे के भवनों/दीवारों को आकर्षक भित्ति चित्र आदि माध्यमों से सजाने तथा वहां पर सिर्फ डिजिटल विज्ञापन की एलईडी ही लगाये जाने के निर्देश दिये। भक्ति पथ के निरीक्षण के समय उन्होंने सीवर लाइन/डक्टों की स्लेव पर कार्विंग करा दें, जो साकेत से सम्बंधित थीम पर आधारित हो तथा समस्त पथों पर स्टेट बेंचेज, पथों के किनारें स्टीट लाईटों के पोल की संरेक्षण में हों।

संक्षिप्त समाचार

नगरायुक्त मेरी बहन हैं और अपर नगरायुक्त मेरे भाई ......

सहारनपुर। नगर आयुक्त मेरी बड़ी बहन हैं और अपर नगर आयुक्त मेरे भाई। बाकी सब....(अपशब्द बोल)...। नशे की हालत में निगम के एक अधिकारी द्वारा बोले गए यह शब्द सुनकर हर कोई हैरान रह गया। मौका था निगम के ही एक अधिकारी के विदाई समारोह का। दरअसल, नगर निगम के एक अधिकारी की सेवानिवृत्ति पर एक होटल में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इसमें नगर आयुक्त को छोड़कर निगम के तमाम अधिकारी मौजूद थे। समारोह में निगम का एक अन्य अधिकारी पार्टी में पहुंचा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उक्त अधिकारी की नशे में हालत में थे। उसने कुछ ऐसे अपशब्द भी पार्टी में बोले, जिन्हें सुनकर हर कोई हैरान रह गया। अंत में उसने ऐसी बात बोली, जिसका चाहकर भी अधिकारी विरोध नहीं कर सके। उक्त अधिकारी का कहना था कि नगर आयुक्त उनकी बड़ी बहन और अपर नगर आयुक्त बड़े भाई हैं। ऐसे में बाकी सभी लोग के बाद उन्होंने अपशब्द बोले, । उनके इन शब्दों को सुनकर सब अधिकारी हक्के बक्के रह गए और एक-एक कर वहां से निकल गए।

रेलवे स्टेशन का 15.18 करोड़ रुपये की लागत से होगा पुनर्विकास

सहारनपुर। अंबाला रेल मंडल के सहारनपुर रेलवे स्टेशन का 15.18 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास होगा। इन कामों का छह अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वर्चुअल शिलान्यास करेंगे। रेलवे स्टेशन पर होने वाले कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेजी से जारी है। इसमें दो हजार लोग शामिल होंगे। अमृत भारत योजना में अंबाला रेल मंडल के सहारनपुर, चंडीगढ़, पटियाला, धूरी, कालका, संगरूर, सरहिंद, आनंदपुर साहिब, रूपनगर, नंगलडैम, साहिबजादा अजीत सिंह नगर (मोहाली), मलेरकोटला, अंबाला, अंब अंदौरा, यमुनानगर-जगाधरी और अबोहर रेलवे स्टेशन चिह्नित किए गए हैं। जिन पर विकास के लिए 899.06 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसमें रेलवे स्टेशन पर बेहतर प्रकाश व्यवस्था, उन्नत पार्किंग स्थान, दिव्यांगों के लिए अनुकूल बुनियादी ढांचा, हरित एवं नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग से पर्यावरण के अनुकूल भवन शामिल है। छह अगस्त को रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक व दो के पास कार्यक्रम किया जाएगा। आमंत्रित किए जाने वाले अतिथियों की सूची को अंतिम रूप दे दिया गया है। कार्यक्रम में गुरु तेग बहादुर स्कूल, आशा मॉडर्न इंटरनेशनल स्कूल, गुरुनानक गर्ल्स इंटर कॉलेज और सोफिया इंग्लिश मीडियम स्कूल से विद्यार्थी आएंगे। इनके अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और रेलवे के अधिकारी रहेंगे। अंबाला मंडल के डीसीएम पवनीश कट्टल को नोडल अधिकारी बनाया है।

बैंक में वारदात, पलक झपकते ही महिला ने थैले में कट लगाकर उड़ाए 25 हजार, सीसीटीवी कैमरे में कैद

सहारनपुर जनपद के बेहट में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की बेहट शाखा में कैश निकालने आए एक ग्राहक सेवा केंद्र संचालक के थैले से किसी महिला ने कट लगाकर 25 हजार रुपये साफ कर दिए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने बैंक शाखा की सीसीटीवी फुटेज खंगाली तो उसमें एक महिला घटना को अंजाम देती नजर आ रही है। कोतवाली क्षेत्र के गांव पठानपुरा मुस्तकहम निवासी मदनलाल पुत्र फूल सिंह अपने गांव में ही ग्राहक सेवा केंद्र चलाते हैं और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के बीसी भी हैं। मदनपाल तीन अगस्त को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की बेहट शाखा में कैश निकालने के लिए आया था। मदनपाल ने बताया कि उसने अपने अकाउंट से 3.37 लाख रुपये निकाले और कैश काउंटर पर थैले में रख लिए। उसके बाद उसने कैशियर से 800 रुपये पुराने नोट बदले। इसी दौरान उसके थैले से किसी महिला ने कट लगाकर 20 हजार व पांच हजार की दो गड्डी निकाल ली। बाद में उसने कैश की गिनती की, तो उसमें 25 हजार रुपये कम थे और थैले में कट लगा हुआ था। इसके बाद उसने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी। पीड़ित ने पुलिस और बैंक कर्मचारियों के साथ सीसीटीवी फुटेज देखी तो उसमें एक महिला रुपये निकालते हुए दिखाई दे रही है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर घटना की जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रही महिला की तलाश की जा रही है।

छात्र की बरामदगी की मांग को लेकर थाने पहुंचे ग्रामीण

सहारनपुर। गांव गांगनौली निवासी जसवीर के इंटर में पढ़ रहे बेटे आकाश धारीवाल के लापता हो जाने के बाद शुक्रवार को काफी संख्या में ग्रामीणों ने थाना प्रभारी से मिलकर जल्द से जल्द किशोर की बरामदगी की मांग की। परिजनों का कहना है कि उनका बेटा रेलवे रोड पर एक इंटर कॉलेज में 12वीं में पढ़ता है जो बुधवार को विद्यालय आया था, लेकिन संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। इसकी उन्होंने थाने में तहरीर दी थी, लेकिन दो दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस कुछ नहीं कर रही है। उन्होंने पुलिस पर लापरवाही करने का आरोप लगाया है। उधर, थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवेश कुमार का कहना है कि उन्होंने किशोर की तलाश को पुलिस टीम गठित की है। कस्बे के सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। एसओजी टीम की भी मदद ली जा रही है। जल्द ही किशोर को बरामद कर लिया जाएगा।

राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाना लोकतंत्र व न्याय की जीत-साबरी

सहारनपुर। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के पूर्व सदस्य जावेद साबरी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाकर भारतीय लोकतंत्र और न्याय पालिका में लोगों की आस्था को बढ़ावा दिया है। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के पूर्व सदस्य जावेद साबरी ने जारी बयान में कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाना सत्य व न्याय की जीत है, क्योंकि राहुल गांधी लगातार भाजपा की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करने का काम कर रहे थे जिस कारण भारतीय जनता पार्टी ने एक षड्यंत्र के तहत राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराकर उनके द्वारा उठाई जा रही दलितों व अल्पसंख्यकों की आवाज को दबाने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले से साबित हो गया है कि देश संविधान से चलता है तथा सुप्रीम कोर्ट द्वारा भी संविधान के आलोक में राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाने का ऐतिहासिक निर्णय दिया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से जनता में लोकतंत्र व न्याय पालिका की विश्वसनीयता में वृद्धि हुई है।

बिना अनुमति पेड़ काटाने पर सभासद के ऊपर केस

सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत डुमरियागंज के आजाद नगर वार्ड में सरकारी रास्ते की जमीन पर लगे पुराने खड़े हरे पेड़ को काटने के मामले में ईओ की तहरीर पर पुलिस ने सभासद के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के दिए तहरीर में ईओ ने बताया कि सभासद सुबराती ने अपने अन्य सहयोगियों के साथ पुराने हरे पेड़ का बिना अनुमति के कटवा दिया। पेड़ काटे जाने की सूचना पर नगर पंचायत कर्मचारी को मौके पर भेजा गया, बावजूद इसके पेड़ को काट दिया गया। नगर पंचायत की जमीन पर लगे पेड़ को काटा जाना सरकारी संपत्ति का नुकसान है। इस संबंध में एसओ मुकेश राय ने बताया कि मिली तहरीर के आधार पर उक्त मामले में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अब बिना जांच के कोई नहीं पार कर सकता बॉर्डर

सिद्धार्थनगर। पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर प्रकरण में आशंका है कि वह पोखरा से बुटवल पहुंची होगी और स्पेशल बस से खुनुवां बॉर्डर होते हुए भारतीय सीमा में प्रवेश की होगी। जानकारों का कहना है कि बॉर्डर पर सघन जांच हुई होती तो भारत की सरहद में घुसने से पहले ही सीमा हैदर पुलिस के हत्थे चढ़ गई होती। इधर, नेपाल बॉर्डर के सभी चेकपोस्ट पर सख्ती बढ़ा दी गई है। पहले सिर्फ सामान की जांच होती थी, लेकिन अब बॉर्डर पर आने-जाने वाले लोगों के पहचान पत्रों से जांच की जा रही है। इससे बॉर्डर चेकपोस्ट पर जांच कराने वालों की लंबी लाइन लग रही है। बता दें भारत नेपाल की 68 किमी सीमा खुली है।

पूर्व विधायक सहित अन्य नेताओं को जान से मारने की धमकी

सिद्धार्थनगर। आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी के पदाधिकारियों ने पुलिस को तहरीर देकर अज्ञात व्यक्ति पर पार्टी के पूर्व विधायक चौधरी अमर सिंह समेत अन्य नेताओं को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। उनकी तहरीर पर पुलिस ने केस दर्जकर छानबीन शुरू कर दी है। भीम आर्मी के रमेश धुरिया, आजाद समाज पार्टी के मोहम्मद यूनुस, जितेंद्र राणा, शिव कुमार आदि ने बताया कि बृहस्पतिवार रात अज्ञात व्यक्ति द्वारा मोबाइल से पूर्व विधायक व आजाद समाज पार्टी के लोकसभा प्रभारी चौधरी अमर सिंह एवं कई पार्टी अन्य पदाधिकारियों को अपशब्द कहने के साथ-साथ जान से मारने की धमकी दी गई। शिकायतकर्ताओं ने अज्ञात व्यक्ति के नंबर की सर्विलांस पर लगाकर उसकी शिनाख्त कर कार्रवाई की मांग की है। डुमरियागंज थानाध्यक्ष मुकेश राय ने बताया कि तहरीर मिली है, अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध जान से मारने की धमकी का केस दर्ज कर उसकी शिनाख्त के लिए नंबर को ट्रेस किया जा रहा है, जल्द ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होगा।

संभल के मदरसे में पढ़ा चुका है संदिग्ध आतंकी शाहरुख

संभल। यूपी एटीएस द्वारा गिरफ्तार किया गया मुरादाबाद निवासी हिजबुल मुजाहिदीन का संदिग्ध आतंकी अहमद रजा उर्फ शाहरुख संभल में रहते हुए एक मदरसे में पढ़ाता था। वह किस मदरसे में पढ़ाता था, इसकी अभी तस्दीक नहीं हो सकी है। उसके शादी संभल में रहते हुए करने की भी जानकारी सामने आ रही है। हालांकि स्थानीय खुफिया एजेंसी ऐसी जानकारी नहीं होने की बात कह रही है। संभल आतंकी कनेक्शन से जुड़ा होने को लेकर 1998 के बाद से चर्चा में आया था। देश की तमाम खुफिया एजेंसियां छानबीन करने आती रही हैं, जो युवक संभल से लापता हुआ उनकी तलाश में दिल्ली की क्राइम ब्रांच और देश की अन्य खुफिया एजेंसियां अब भी जुटी हैं। वर्ष 2016 में अमेरिका की ओर से विश्व के आतंकियों की सूची जारी की गई थी। इस सूची में संभल के दीपा सराय निवासी मौलाना आसिम उमर उर्फ शन्नू का नाम शामिल था। यह आतंकी विश्व की सूची में दसवें नंबर पर था। इसके बाद देश की खुफिया एजेंसियां सतर्क हुई थीं। मौलाना आसिम उमर उर्फ शन्नू आतंकी संगठन अलकायदा का दक्षिण एशिया प्रमुख था। यह संभल से 1998 के बाद ही लापता हुआ था। पढ़ाई सहारनपुर से की थी।

अमेरिका और अफगानिस्तान सेना के संयुक्त हमले में सितंबर 2019 को मारा गया था। इसकी सूचना स्थानीय और देश की खुफिया एजेंसियों द्वारा परिजनों को दी गई थी। उस समय परिजनों ने मौत पर अफसोस नहीं होने की बात कही थी। परिजन आतंकी मौलाना आसिम उमर उर्फ शन्नू से कानूनी तरीके से भी रिश्ता खत्म कर चुके थे। अब हिजबुल मुजाहिदीन का संदिग्ध आतंकी अहमद रजा उर्फ शाहरुख का कनेक्शन संभल से होने की बात सामने आने पर फिर से संभल चर्चा में आ गया है।

एक घंटा पहले कर दी छुट्टी, 10 में सिर्फ एक शिक्षक मिले मौजूद

शाहजहांपुर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान की टीम ने शुक्रवार को ददरौल ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय सिमरिया सहसपुर का निरीक्षण किया। विद्यालय में की खामियां मिलीं। विद्यालय बंद होने का समय अपराह्न दो बजे है, लेकिन सभी बच्चों को एक बजे ही छुट्टी दे दी गई। विद्यालय में कुल दस शिक्षक कार्यरत हैं, इनमें से मात्र एक शिक्षक नीरज शुक्ला ही उपस्थित मिले। सभी शिक्षक हस्ताक्षर करके विद्यालय से जा चुके थे।

विद्यालय से वापस जा रहे बच्चों और आसपास के ग्रामीणों से पूछताछ करने पर पता चला कि ज्यादातर शिक्षक विद्यालय में देर से आते हैं। विद्यालय बंद होने के पहले ही चले जाते हैं। प्रभारी प्राचार्य बीएल मौर्य ने कहा कि विद्यालय के शिक्षकों की उदासीनता के कारण निपुण लक्ष्य प्रभावित हो रहा है। शिक्षकों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए बीएसए को पत्र लिख दिया गया है। निरीक्षण टीम में डायट प्रवक्ता टीआर गंगवार, डॉ. राकेश कुमार पटेल, जमाल अख्तर आदि मौजूद रहे।

लिफ्ट देकर कार में लूटपाट करने वाले फर्रुखाबाद के गैंग का खुलासा

शाहजहांपुर। नेशनल हाईवे पर रिलायंस थर्मल पॉवर के पास लिफ्ट देकर बुजुर्ग दंपती से लूटपाट करने वाले गिरोह के सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सेहरामऊ दक्षिणी पुलिस व एसओजी ने पुलिस मुठभेड़ में फर्रुखाबाद के कादरी गेट थाने के हिस्ट्रीशीटर समेत पांच आरोपियों को पकड़ा है। उनके पास से गहने व दो कारें बरामद की हैं।

लुटेरों ने निगोही और मिर्जापुर में भी लूट की घटना करना स्वीकार किया है। 13 जुलाई की सुबह करीब साढ़े नौ बजे आरसी मिशन थाना क्षेत्र के गांव दनियापुर निवासी रामकृपाल पत्नी कमला देवी के इलाज के लिए शाहजहांपुर जा रहे थे। रौसर चौराहे के पास वाहन के इंतजार में खड़े दंपती को लिफ्ट देने के बहाने कार में बैठा लिया था। लुटेरों ने चलती कार में उनसे नकदी, जेवर लूटने के बाद सेहरामऊ दक्षिणी थाना क्षेत्र के बालाजी मंदिर के पास उतारकर भाग गए थे। मामले में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद एसओजी समेत चार टीमों को खुलासे के लिए लगाया गया था। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर हरदोई मार्ग पर बंद पेट्रोल पंप के पास घेराबंदी की। मुठभेड़ के दौरान पांच बदमाशों को सुबह करीब चार बजे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उनके पास से नकदी, आभूषण व लूट में प्रयुक्त कार समेत एक अन्य कार भी बरामद की है। पुलिस लाइन में पत्रकारों से एसपी अशोक मीणा ने बताया कि पुलिस ने फर्रुखाबाद निवासी गैंग का खुलासा किया है। गैंग का सरगना पंकज गिहार उर्फ राजा निवासी मोहल्ला लाल दरवाजा थाना कादरी गेट हिस्ट्रीशीटर है। इसके अलावा थाना राजेपुर के गांव बिरसिंहपुर निवासी अंकित, सीमांत चौहान निवासी दीन दयाल बाग मसैनी थाना कोतवाली, अंकित चौहान उर्फ सानू निवासी दुर्गा कालोनी मोहल्ला भोलेपुर थाना कोतवाली फतेहगढ़ व सर्वेश कुमार निवासी बिर्रावाग कादरी गेट को गिरफ्तार किया। आरोपी पंकज पर कन्नौज, कानपुर देहात, फतेहगढ़, हरदोई आदि में आठ मुकदमे दर्ज हैं।

कार का बदल देते थे नंबर, मुख्य रास्तों का नहीं करते थे प्रयोग

फर्रुखाबाद के गैंग के पास दो कारें हैं, जिनके जरिए दूर-दूर जाकर स्थान बदलकर लूट व चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। रास्ते में सीधे-सादे लोगों को निशाना बनाते हैं। एक व्यक्ति गाड़ी खड़ी कर सवारी के इंतजार में खड़े लोगों को गंतव्य तक छोड़ने का झांसा देकर बैठा था।

फिर चलती गाड़ी में लूट की घटना को अंजाम देता था। घटना के बाद गाड़ी से उसकी सही नंबर प्लेट उतारकर उस पर फर्जी प्लेट लगाकर सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से बचने के लिए साइड के रास्तों से होते हुए अपने गंतव्य तक पहुंच जाते थे।

अगवा बच्चे की तलाश में स्टेशन पर सक्रिय फोन नंबरों को सर्विलांस पर लगाया

संभल। रेलवे स्टेशन से अगवा हुए बालक 48 घंटे बाद भी कोई सुराग नहीं लगा है। जीआरपी सर्विलांस टीम ने स्टेशन से घटना के समय सक्रिय फोन नंबरों को सर्विलांस पर लगाया है। इसके अलावा जीआरपी बदायूं में बालक व अपहरणकर्ता के सबूत तलाश में जुटी है। अपहरणकर्ता की स्थिति को देखकर मानव तस्करी की बात से इंकार नहीं किया जा सकता है। चंदौसी में रेलवे स्टेशन पर टिकट खिड़की के पास से बुधवार की रात करीब नौ बजे तीन वर्ष बालक विष्णु को अगवा कर लिया गया था। बालक एक युवक के साथ जाता दिखाई दिया था। तभी से जीआरपी बालक व आरोपी अपहरणकर्ता की तलाश में जुटी है, पर उसका कोई सुराग नहीं लगा है। शुक्रवार को मुरादाबाद जीआरपी सर्विलांस की टीम चंदौसी रेलवे स्टेशन पहुंची। टीम ने सर्विलांस के जरिए घटना के समय के चंदौसी स्टेशन पर सक्रिय मोबाइल नंबरों को सर्विलांस पर लगाया गया है। साथ ही सीसीटीवी फुटेज को चैक किया। टीम स्टेशन के आसपास की लोकेशन भी देखी है। मोबाइल टॉवर के जरिए चंदौसी स्टेशन क्षेत्र में सक्रिय मोबाइल नंबरों को उठाकर सर्विलांस टीम लौट गई। इनमें संदिग्ध नंबरों की जांच की जाएगी तथा उनकी कॉल हिस्ट्री देखी जाएगी। ऐसे में जीआरपी व सर्विलांस टीम ने कुछ संदिग्ध लोगों को उठाकर पूछताछ भी कर सकती है।

जीआरपी लगातार बालक को तलाश का प्रयास कर रही है। शुक्रवार को भी टीम जिला बदायूं गई, वहां अगवा बालक के थाना उधैती क्षेत्र के गांव रोहानी पहुंची। अन्य कई स्थानों पर जाकर लोगों से पूछताछ की। बालक व अपहरणकर्ता का कोई सुराग नहीं लगा है। जहां भी जाती है, बालक विष्णु व अपहरणकर्ता का सीसीटीवी फुटेज से लिया गया फोटो दिखाकर पहचान कराने का प्रयास कर रही है। बंदायूं, संभल, बहजोई, मुरादाबाद के बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, मुख्य चौराहों पर बीड़ी पान के खोखो पर आरोपी अपहरणकर्ता का फोटो दिखा कर बालक के बारे में पूछ रही है। पर अभी तक बालक या अपहरणकर्ता का कोई पता नहीं लगा है। फिरौती से जीआरपी, रंजिश से परिजनों का इंकार, मानव तस्करी की आशंका

रेलवे स्टेशन से अगवा हुए तीन साल के बालक का अपहरण फिरौती के लिए नहीं किया गया, और न ही कोई फोन,पत्र अन्य सूचना मिली है। वही परिजनों से किसी भी तरह की रंजिश या विवाद से इंकार किया है। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि कही बालक को मानव तस्करी के लिए तो अगवा नहीं किया गया!

बुधवार की रात जिला बदायूं के थाना उधैती के गांव रोहानी निवासी प्रमोद के तीन साल के बेटे विष्णु को अगवा कर लिया है। प्रमोद मेहनत मजदूरी करके परिवार को पाल रहा है। ऐसे में व्यक्ति के बच्चे का अपहरण फिरौती के लिए होना मुश्किल है। वही जीआरपी बालक के पिता प्रमोद, मां सपना, बालक के चाचा व अन्य परिजनों से बातचीत कर चुकी है। पर किसी ने भी रंजिश, विवाद व अन्य बात से इंकार किया है। बालक को अगवा करने के ये दो कारण नहीं हो सकते। ऐसे में आशंका मानव तस्करी की बनती है। बच्चों को अगवा कर भिखावृत्ति कराने सहित अन्य कामों में लगाया जाता है। सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दिया अपहरणकर्ता की हालत भी ज्यादा बेहतर दिखाई नहीं दे रही है। गले में गमछा और पैरों में हवाई चप्पल पहने हुए हैं। ये सभी बातें मानव तस्करी की आशंका जता रही हैं। हालांकि जीआरपी फिरौती से इंकार कर रही है। इसके अलावा रंजिश, किसी परिचित के होने की आशंका सहित अन्य बिंदुओं पर जांच कर रही है।

अधिशासी अधिकारी तिलहर को कूड़ा कलेक्शन की जानकारी नहीं

शाहजहांपुर। एमआरएफ सेंटर तिलहर, कटरा व खुदागंज में कूड़ा कलेक्शन के संबंध में आरआई के जानकारी उपलब्ध न कराने पर डीएम ने अधिशासी अधिकारी तिलहर से जवाबतलब किया है। साथ ही विभिन्न विभागों को दिए पौधरोपण के लक्ष्य के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पौधरोपण के बाद जियो टैगिंग अवश्य कराएं।

डीएम की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिला पर्यावरण समिति एवं गंगा समिति की समीक्षा बैठक हुई। डीएम ने गंगा किनारे स्थित सभी 12 गांवों में व्यवस्थाएं पूरी करने के डीपीआरओ घनश्याम सागर को निर्देश दिए। इस दौरान नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा ने उपहार उपवन के बारे में बताया कि लोग विशेष अवसर पर पौधरोपण कर सकते हैं और पौधे के पास अपनी नेमप्लेट भी लगवा सकते हैं। डीएम ने ठोस अपशिष्ट, प्लास्टिक वेस्ट, ई-वेस्ट का निस्तारण एवं जैव चिकित्सा वेस्ट के निस्तारण की समीक्षा की। डीएम ने ग्रामों में गठित समितियों को और अधिक सक्रिय किए जाने के निर्देश दिए।

गांव दलेलापुर के पास खड़े ट्रक में पिकअप टकराई

शाहजहाँपुर। गांव दलेलापुर के पास तेज रफ्तार पिकअप खड़े ट्रक में पीछे से टकरा गई। हादसे में पिकअप में बैठे पीलीभीत के थाना घुंघचहाई के गांव सिमरिया निवासी बालकराम गंभीर रूप से घायल हो गए। समय से इलाज न मिल पाने के कारण उनकी मौत हो गई। बालकराम (55) बंडा के गांव शिवपुरी खंजी में अपनी बहन के घर आए थे। शुक्रवार को वह बंडा से एक गैस कंपनी के पिकअप वाहन पर बैठकर पुवायां आ रहे थे। रास्ते में बंडा क्षेत्र के गांव दलेलापुर के पास पिकअप सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में पीछे से जा टकराई। हादसे में बालकराम गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद पिकअप का चालक वाहन मौके पर ही छोड़कर भाग निकला। हाईवे सेवा की एंबुलेंस से बालकराम को पुवायां सीएचसी ले जाया गया। सीएचसी से उनको राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था, जहां कुछ देर बाद उनकी मौत हो गई।

जानकारी पाकर बालकराम के भाई गोकरनलाल और कई रिश्तेदार पुवायां सीएचसी पहुंचे। सूचना पर पुवायां पुलिस भी सीएचसी पहुंच गई। घटनास्थल बंडा का होने के कारण बंडा पुलिस को सूचना दी गई। बंडा पुलिस ने बालकराम के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। गोकरनलाल ने बताया कि उनके भाई की शादी नहीं हुई थी। वह अक्सर रिश्तेदारी में घूमने चले जाते थे। बंडा से बालकराम पुवायां क्यों जा रहे थे, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है।

108 सेवा पर दो बार किया फोन, नहीं आई एंबुलेंस

गंभीर रूप ले घायल बालकराम को हाईवे की एंबुलेंस सेवा से दोपहर एक बजे पुवायां सीएचसी लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनको 1.35 बजे रेफर कर दिया गया। बालकराम के भाई गोकरनलाल ने 1.38 बजे 108 नंबर पर कॉल कर भाई को शाहजहांपुर ले जाने के लिए एंबुलेंस भिजवाने का अनुरोध किया। एंबुलेंस न आने पर उन्होंने 1.58 पर फिर से 108 नंबर पर कॉल कर भाई की हालत अत्यंत गंभीर बताते हुए एंबुलेंस जल्द भिजवाने की मांग की।

गोकरनलाल का आरोप है कि उनको कोई जवाब नहीं दिया गया।

डसने के बाद फन फैला कर बैठ गया सांप, आधे घंटे तक किसान को झोपड़ी से निकलने न दिया, मौत

शाहजहाँपुर। शाहजहांपुर के मिर्जापुर में सर्पदंश का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। एक किसान को सांप ने डस लिया। इसके बाद करीब आधे घंटे तक झोपड़ी के दरवाजे पर बैठा रहा, जिससे किसान तुरंत घर नहीं पहुंच सका। सांप के जाने के बाद किसान घर पहुंचा। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। शाहजहांपुर जिले में सर्पदंश के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। मिर्जापुर थाने के बहेरिया गांव निवासी किसान रामभजन (65) को सांप ने डस लिया। सांप डसने के बाद आधे घंटे तक तख्त के पास बैठा रहा। उसके जाने के बाद रामभजन घर गए। फर्रुखाबाद के जिला अस्पताल में उनकी मौत हो गई। शुक्रवार को रामभजन अपने खेत में झोपड़ी में लेटे थे। तभी छप्पर से सांप गिरा और उनके दायें हाथ में डस लिया। सांप के काटने पर रामभजन ने जोर से हाथ को झटका। इसके बाद सांप झोपड़ी के गेट पर फन फैला कर बैठ गया। 30 मिनट तक सांप बैठा रहा। उसके हटने के बाद रामभजन घर गए। उन्होंने परिवार के लोगों को बताया।

परिजन आनन-फानन उन्हें लेकर फर्रुखाबाद के जिला अस्पताल पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। किसान की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। ग्रामीणों का कहना था कि सांप के डसने के बाद रामभजन अगर तुरंत ही घर पहुंच जाते तो शायद उनकी जान बच सकती थी।

बारिश में बढ़ी सर्पदंश की घटनाएं

बारिश का मौसम में सर्पदंश की घटना बढ़ी हैं। जिले में सर्पदंश से कई लोगों की जान जा चुकी है। कई लोग झाड़ फूंक में लगे रहते हैं। जबकि जिला अस्पताल, सीएचसी और पीएचसी पर एंटी स्नेक बाइट इंजेक्शन उपलब्ध रहते हैं। अगर लोगों को समय से उपचार मिल जाए तो उनकी जान बच सकती है।

पीड़ित को तुरंत ले जाएं अस्पताल

चिकित्सकों के मुताबिक कि जहरीले सांप के काटने से काटने वाली जगह पर दर्द, अकड़न, एलर्जी, जलन, लाल होना, त्वचा के रंग में बदलाव, दस्त, बुखार, पेट दर्द, मांसपेशियों की कमजोरी, प्यास लगना, लो बीपी आदि लक्षण होते हैं। सांप के काटने पर झाड़ फूंक के चक्कर में बिल्कुल न पड़े, नहीं तो मरीज की जान जा सकती है। सांप काटने पर तुरंत पीड़ित को इमरजेंसी ट्रीटमेंट के लिए अस्पताल ले जाएं।

एसडीएम ने की बाल विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा

सहारनपुर। उपजिलाधिकारी दीपक कुमार ने बाल विकास की कन्वर्जन समिति एवं स्वास्थ्य विभाग की तहसील स्तरीय टास्क फोर्स समेत संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने बाल विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा भी की। शुक्रवार को तहसील सभागार में आयोजित बैठक में एसडीएम दीपक कुमार ने बाल विकास विभाग की कन्वर्जन समिति द्वारा चिह्नित किए गए कुपोषित बच्चों को स्वस्थ बनाने के लिए किए गए कार्यों की समीक्षा की। स्वास्थ्य विभाग की तहसील स्तरीय टास्क फोर्स के डॉ. विजेंद्र सिंह ने उपजिलाधिकारी को जानकारी देते हुए बताया कि 7 से 12 अगस्त तक मिशन इंद्रधनुष अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत जिन बच्चों का टीकाकरण नहीं हुआ है या जिनका छूट गया है। ऐसे बच्चों का टीकाकरण कराया जाएगा। एसडीएम ने साढ़ौली कदीम एवं मुजफ्फराबाद ब्लॉकों के खंड विकास अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। इस दौरान नायब तहसीलदार अनिल कुमार, सीडीपीओ मुजफ्फराबाद संयोगिता यादव, सीडीपीओ साढ़ौली कदीम पुष्पा चौधरी, आपूर्ति निरीक्षक डॉ. दीपंकर शर्मा, बीएमसी गीता राय व तराना,गायत्री राणा, नीलम रानी आदि मौजूद रही।

दोस्त की गोली मारकर हत्या करने के दोषी को उम्रकैद

संतकबीरनगर। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एफटीसी प्रथम महेंद्र कुमार सिंह ने प्रेम-प्रसंग में दोस्त की गोली मार कर हत्या करने के दोषी युवक को अजीवन करावास की सजा सुनाई। साथ ही दस हजार रुपये अर्थ दंड से दंडित किया। अर्थ दंड अदा न करने पर एक वर्ष की अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी अभिमन्यु पाल ने बताया कि महुली क्षेत्र के रेवटा निवासी पीड़ित पिता राम नरायन राय ने थाना बखिर में 11 दिसंबर 2019 को तहरीर दी। जिसमें कहा कि दस दिसंबर को शाम लगभग छह बजे उसका इकलौता पुत्र पवन राय गांव के ही अपने मित्र रुपेश के साथ घर से नाथनगर के विकास के घर जाने की बात बता कर निकला था। रात लगभग 10 बजे करीब काली जगदीशपुर चौकी इंचार्ज का फोन उसके पास आया कि आप के पुत्र की हालत अत्यंत नाजुक है। वह गम्भीर हालत में बखिरा के अमरडोभा के पश्चिम नहर के पुलिया पर मिला है। यह सुनकर वह घबरा गए और अपने शुभचिंतकों के साथ मौके पर पहुंचे। वहां पर उसके पुत्र की मृत्यु हो चुकी थी। मौके पर उसके पुत्र की बाइक तथा मोबाइल नहीं थी। न ही वहां पर उसका मित्र रुपेश ही मिला। तहरीर के आधार पर थाना बखिरा में हत्या का केस दर्ज हुआ। विवेचक ने विवेचना के बाद हत्या के साथ आर्म्स एक्ट में आरोप पत्र आरोपी रुपेश राय के विरुद्ध दाखिल किया। कोर्ट में 11 गवाहों की गवाही के साथ 17 दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किया गया। बचाव पक्ष ने एक गवाह की गवाही दी। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी ने कहा कि गम्भीर प्रकृति का है। अभियुक्त ने पवन को कट्टे से गोली मारकर उसकी हत्या करने का जघन्य अपराध किया है जो सामाजिक अपराध है। कोर्ट ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य का अवलोकन करने और पक्षों को सुनने के बाद माना कि उपरोक्त संपूर्ण विवेचना के आधार पर दस दिसंबर 2019 को आरोपी रुपेश राय के जरिये प्रेम प्रसंग की रंजिश के करण अवैध असलहे से पवन राय की गोली मार कर हत्या कर दी। कोर्ट ने दोष सिद्ध होने पर दोषी रुपेश राय को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

मारपीट कर गर्भवती को घर से निकालने का आरोप

-न्याय के लिए एक माह से थाने का चक्कर काट रही पीड़िता और उसकी मां

संत कबीर नगर। क्षेत्र के मुंडेरा राय गांव निवासी गर्भवती को ससुराल वालों ने मारपीट कर घर से निकाल दिया। बेटी का कसूर जानने के लिए जब उसकी मां मुंडेरा राय पहुंची तो उसे भी आरोपियों ने मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। न्याय के लिए मां-बेटी एक माह से थाने का चक्कर काट रही हैं, लेकिन पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

नेहा पत्नी राहुल का आरोप है कि उसकी शादी हुए सात वर्ष से अधिक का समय व्यतीत हो गया। शादी के समय मां-बाप ने अपनी हैसियत के मुताबिक दान-दहेज दिया था, लेकिन ससुराली एक लाख रुपये दहेज की मांग कर रहे हैं। इतनी बड़ी रकम देने में असमर्थता जताने पर 9 जुलाई को ससुराल के लोगों ने उन्हें मारपीट कर घर से निकाल दिया। वह रोते-बिलखते मायके पहुंची तो बेटी का कसूर जानने के लिए उसकी मां बेटी की ससुराल गई। ससुराल के लोगों ने उसे भी मारा-पीटा। तभी से मां-बेटी थाने का चक्कर काट रही है, लेकिन पुलिस उनकी बातों को सुनने को तैयार नहीं है। पीड़िता ने शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाई।

आई फ्लू का प्रकोप, तीन गुना बढ़ी आई ड्रॉप की खपत

सीतापुर। जिले में आई फ्लू के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। चाहे बच्चे हों या फिर बुजुर्ग हर वर्ग इसकी चपेट में आ रहा है। जिला अस्पताल व आंख अस्पताल में आई फ्लू से पीड़ित मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। इसका असर दवा बाजार में दिखने लगा है। आई ड्रॉप की मांग अचानक बढ़ी है। इससे मेडिकल की दुकानों पर आंखों की दवाएं कम पड़ने लगी हैं। इसका फायदा उठाकर कुछ दवा विक्रेता कई जरूरी आई ड्रॉप को निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर बेच रहे हैं। आई फ्लू यानी वायरल कंजंक्टिवाइटिस की चपेट में इन दिनों हर उम्र के लोग आ रहे हैं। सरकारी और निजी अस्पतालों में इन दिनों आई फ्लू के मरीजों की संख्या में खासा इजाफा देखा जा रहा है। पिछले एक सप्ताह से आई फ्लू का संक्रमण तेजी से फैला है। यह बीमारी संक्रमण से फैलती है। किसी आई फ्लू से ग्रसित मरीज के संपर्क में आने से स्वस्थ व्यक्ति में बीमारी फैल रही है। हालात यह हैं, कि एक ही परिवार के कई सदस्य आई फ्लू की चपेट में आ रहे हैं। मरीजों की संख्या बढ़ी तो बाजार में आई ड्रॉप की खपत बढ़ना भी लाजिमी है। मांग बढ़ने से बाजार में आंखों की दवाएं कम होने लगी हैं। इसका फायदा कुछ दवा विक्रेता उठा रहे हैं। यह विक्रेता निर्धारित मूल्य से डेढ़ से दो गुना कीमत पर दवाएं बेच रहे हैं। इसके बाद भी औषधि प्रशासन विभाग की ओर से अभी तक मेडिकल स्टोरों की जांच तक नहीं की जा रही है। लिहाजा, जरूरतमंद लोग महंगी आई ड्रॉप खरीदने को मजबूर हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

-आंखों को बार-बार हाथ से न छुएं।

-घर आने पर साबुन से हाथ साफ करें।

-आंख से पानी आ रहा है तो रुमाल का इस्तेमाल करें।

-बिना चिकित्सक की सलाह के किसी ड्रॉप का प्रयोग न करें।

- आई फ्लू से ग्रसित व स्वस्थ व्यक्ति भी चश्मे का प्रयोग करें।

- आई फ्लू से ग्रसित व्यक्ति से संभव हो सके तो दूरी बना रखें।

बाजार में इन आई ड्रॉप की कमी

डेक्सिन, सिपलॉक्स, सिपलॉक्स-डी, महाफ्लाक्स, माक्सीसिप, ओफ्लेकैम-डी, क्लोम्फेनिकॉल एप्ली कैप आइंटमेंट, न्यूजेन, माइसिन

चिकित्सक की सलाह पर लें दवा

चिकित्सक सुमित शुक्ला ने बताया कि इस समय एंटीबायोटिक ड्राप्स जैसे सिपरोफ्लाक्सासिन, मॉक्सीफ्लाक्सासिन, टोब्रामाइसिन, नारफ्लाक्सासिन आदि व एंटी एलर्जिक ड्रॉप्स जैसे मेथाइल सेल्युलोज, नेफाजोलीन, फेनाइलफ्रीन ड्राप्स लेना ज्यादा सुरक्षित है। लेकिन परेशानी होने पर आंखों का परीक्षण कराने के बाद चिकित्सक की सलाह पर ही दवा लें। यह संक्रमण की बीमारी है। इससे बचाव के लिए सावधानी बरतना जरूरी है।

अचानक खपत बढ़ने से कम पड़ीं दवाएं

आई फ्लू फैलने के कारण आई ड्रॉप्स की बिक्री में 300 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है। जिस कारण प्रमुख आई ड्राप्स जैसे डेक्सिन, सिपलॉक्स इत्यादि की कमी हो गई है। अचानक खपत बढ़ने से कंपनियों की ओर से मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं हो पा रही है।

जितेंद्र बाजपेई, अध्यक्ष, सीतापुर केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन

स्वास्थ्य विभाग ने चलाया फॉगिंग अभियान

देवबंद। बारिश के कारण जलभराव को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने कमर कस ली है। संक्रामक बीमारियों के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा फॉगिंग कराई जा रही है। सीएचसी के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय कुमार त्यागी ने बताया कि जलभराव के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में मच्छरों का प्रकोप एकाएक बढ़ गया है। जिससे लोग वायरल फीवर, टाइफाइड, आई फ्लू, उलटी दस्त आदि जलजनित बीमारियों की चपेट में आने लगे हैं। इसी के मद्देनजर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा फॉगिंग कराई जा रही है।

डॉ. त्यागी ने बताया कि आई फ्लू से घबराने की जरूरत नहीं है। इस बीमारी का संक्रमण तीन से चार दिन में समाप्त हो जाता है। इसलिए आई फ्लू से पीड़ित व्यक्ति दिन में तीन-चार बार अपनी आंखों को साफ पानी से धोकर उसे तौलिये से अच्छी तरह साफ करने के बाद दवा डाले। आंखों को बार-बार हाथों से न छुएं। स्वस्थ व्यक्ति से आई फ्लू पीड़ित व्यक्ति से दूरी बनाकर रखे, क्योंकि यह लगने वाली बीमारी है।

छेड़खानी के विरोध में हुए पथराव से गांव में तनाव, पुलिस बल तैनात

संभल। थाना बनियाठेर क्षेत्र के गांव में छेड़खानी के विरोध में मारपीट व पथराव के मामले में पुलिस ने चौथे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। चार नामजद आरोपी अभी फरार हैं। मामला दो समुदायों के बीच होने के कारण गांव में तनाव की स्थिति है। पुलिस की तैनाती की गई। किशोरी की मां ने सुरक्षा को लेकर खतरा बताया है। उन्होंने बताया कि आरोपियों की भीड़ एकत्र हो गई थी। घर में घुसकर जान बचाई थी। बनियाठेर क्षेत्र के गांव में किशोरी से छेड़खानी का विरोध करने पर आरोपियों ने एकत्र होकर किशोरी व उसके परिजनों के साथ मारपीट कर पथराव किया था। पुलिस ने किशोरी के भाई की तहरीर पर आरोपी पक्ष के आठ लोगों के नामजद रिपोर्ट दर्ज की थी। तीन आरोपी बुधवार को ही गिरफ्तार कर लिए गए थे। पीड़िता व आरोपियों का घर एक ही गली में आसपास ही हैं। तनाव व विवाद को देखते हुए बुधवार से ही पीड़िता के घर के पास एक दरोगा, दो सिपाही की ड्यूटी लगा दी गई थी। बृहस्पतिवार को पुलिस ने नामजद चौथे आरोपी इलियास निवासी गांव सिद्धपुर थाना बिल्सी जिला बदायूं को जीरो प्वाइंट चंदौसी तिराहे से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने बुधवार को हिरासत में लिए गए आरोपी असगर उर्फ छोटे, इकबाल, गुड्डू की गिरफ्तारी भी चंदौसी तिराहे से ही दिखाई है। चारो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। वहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। इसके अलावा चार अन्य आरोपी अभी आरोपी फरार चल रहे हैं।

घर में छुपकर बचाई थी जान, जमा हो गई थी भीड़

बनियाठेर क्षेत्र के गांव निवासी पीड़िता किशोरी की मां का आरोप लगाया है कि उनके बेटे ने बेटी के साथ हो रही छेड़खानी का विरोध किया था। विरोध के चलते ही आरोपी भीड़ के साथ एकत्र हो गए। उनके साथ मारपीट कर पथराव किया था। उस दौरान घर में छुपकर जान बचाई थी। पहले दो सिपाही बाइक पर आए थे। उनके सामने ही आरोपी मारने लगे और पथराव भी किया। अपनी सुरक्षा को लेकर डर है। ऐसे में बेटियां का घर से बाहर जाना मुश्किल हो जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

बरेली डिपो की बस में चालक व परिचालक को पाइप से पीटा

शाहजहाँपुर। बरेली डिपो की रोडवेज बस में यात्री और परिचालक में मारपीट हो गई। बैग का टिकट बनाने को लेकर नाराज यात्री ने अपने गांव में साथियों को बुलाकर चालक और परिचालक की पिटाई कर दी। दोनों को काफी चोटें आईं हैं। मामले की थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। दिल्ली से रोडवेज की बस में क्षेत्र के गांव चौरसिया निवासी ऋषभ कुमार अपनी बहन के साथ सवार हुआ था। परिचालक प्रमोद कुमार निवासी गांव मिसडा थाना जलालाबाद ने ऋषभ व उसकी बहन का टिकट बनाया। उसके बैगों का किराया लेते हुए टिकट बनाकर थमा दिया। ऋषभ सामान का किराया देने को तैयार नहीं था। इसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया। परिचालक प्रमोद कुमार के अनुसार, शुक्रवार की सुबह गांव चौरसिया के सामने बस से उतरने से पहले ही ऋषभ ने अपने साथियों को बुला लिया। सामान उतारने के बाद लोहे के पाइप से चालक और परिचालक को काफी पीटा गया। बताया जा रहा है कि मारपीट में परिचालक का हाथ टूट गया। चालक की पीठ में भी चोटें आई हैं। पीड़ित ने घटना की तहरीर दी है। थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जाएगी।

आई फ्लू मरीजों के लिए अलग होगा पर्चा काउंटर व ओपीडी

सीतापुर। ओपीडी व पर्चा काउंटर पर आई फ्लू संक्रमित मरीजों की अलग से लाइन लगेगी। ओपीडी में पहले इन मरीजों को देखा जाएगा। दवा भी पहले दी जाएगी। ताकि संक्रमण अन्य मरीजों में न फैल सके। जिला अस्पताल के नेत्र रोग विभाग में अचानक मरीजों की संख्या बढ़ गई है। दो सप्ताह पहले नेत्र रोग विभाग की ओपीडी में 35 से 40 मरीज आते थे। अब इनकी संख्या 300 के पार हो गई है। शुक्रवार को विभाग की ओपीडी में 320 मरीज इलाज कराने पहुंचे। इन मरीजों में अधिकतर आई फ्लू से ग्रसित थे। बढ़ते हुए संक्रमण को देखते हुए अब इन मरीजों को अलग कक्ष में देखा जाएगा। पर्चा काउंटर पर भी अन्य मरीजों की अपेक्षा पहले इनका पर्चा बनेगा। सीएमएस डॉ. आरके सिंह ने बताया आई फ्लू की पर्याप्त दवाएं अस्पताल में मौजूद हैं। इन मरीजों का प्राथमिकता से इलाज किया जाएगा। जिला अस्पताल में पार्किंग व्यवस्था लड़खड़ा गई है। परिसर में बेतरतीब खड़ी गाड़ियों के कारण जाम लग जाता है। कई बार एंबुलेंस तक फंस जाती है। शुक्रवार दोपहर परिसर में वाहन तितर-बितर खड़े थे। इससे लोगों का निकलना मुश्किल था।

बीएसए, सीवीओ व डीपीओ को 40 कर्मियों पर कार्रवाई के आदेश

रायबरेली। जिले के सभी 18 ब्लॉकों के 54 कार्यालयों में बीते दो अगस्त को दफ्तर से गैरहाजिर मिले 40 कर्मियों के मामले में डीएम ने अफसरों को मातहतों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए हैं। शुक्रवार को डीएम ने बीएसए, सीवीओ और डीपीओ को पत्र जारी कर कार्रवाई करते हुए तीन दिन में जवाब देने के आदेश दिए। डीडीओ अरुण कुमार के निरीक्षण में जगतपुर ब्लॉक में निरीक्षण के दौरान पशु चिकित्सालय में चिकित्सक डॉ. दिलीप कुमार गैरहाजिर मिले थे। कई कर्मचारी भी कार्यालय में नहीं मिले थे। ऊंचाहार में जिला पूर्ति अधिकारी विमल शुक्ला के निरीक्षण में दिन के 12 बजे पशु चिकित्सालय में ताला लटका मिला था। पूरा का पूरा स्टाफ गैरहाजिर था। सीडीपीओ सत्यजीत, खंड शिक्षा अधिकारी अरविंद कुमार सहित अन्य लोग गैरहाजिर मिले थे। इसी तरह पीडी राजेश कुमार मिश्रा, जिला कार्यक्रम अधिकारी शरद त्रिपाठी, जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ. वैभव त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारियों ने अलग-अलग ब्लॉकों का निरीक्षण किया था। जिले भर में 40 अधिकारी और कर्मचारी गैरहाजिर मिले थे। मामले में डीएम माला श्रीवास्तव ने बीएसए, सीवीओ और डीपीओ को पत्र जारी करके संबंधितों पर कार्रवाई करते हुए जवाब देने के आदेश दिए हैं।

कम लोड पर अब नहीं खर्च कर सकेंगे ज्यादा बिजली

रायबरेली। शहर में बिजली उपभोक्ता स्वीकृत भार से अधिक बिजली खर्च कर रहे हैं। कोई दो किलोवाट कनेक्शन लेकर तीन किलो, तो कोई चार किलोवाट बिजली खर्च कर रहा है। कई उपभोक्ता कम लोड पर एसी का मजा ले रहे हैं। पिछले तीन महीने से अधिक बिजली खर्च करने वाले 2036 उपभोक्ता चिह्नित किए गए हैं। इन उपभोक्ताओं को नोटिस भेजकर लोड बढ़वाने का निर्देश दिया गया है। यदि कोई लोड नहीं बढ़वाता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शहर के उपखंड मधुबन के अंतर्गत 20 हजार से ज्यादा उपभोक्ता हैं। पिछले दिनों गर्मी और उमस के चलते उपभोक्ताओं ने खूब बिजली खर्च की। यही वजह है कि बिजली की मांग में इजाफा हुआ। उपखंड अधिकारी मधुबन सौरभ जायसवाल ने बताया कि पिछले तीन महीने में उपभोक्ताओं के यहां बिजली खूब खर्च की गई। 2036 उपभोक्ताओं के यहां लगे मीटर में अधिक लोड पाया गया। इन उपभोक्ताओं को नोटिस भेजकर लोड बढ़वाने के निर्देश दिए गए हैं। यदि स्वयं उपभोक्ता लोड नहीं बढ़वाते हैं, तो नियमानुसार कनेक्शन काटने के साथ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि किसी परेशानी से बचने के लिए उपभोक्ता स्वयं लोड बढ़वा लें, ताकि उनके खिलाफ कोई कार्रवाई न की जाए

खुली क्रॉसिंग से ट्रेन गुजरने के मामले में जांच के आदेश

ऊंचाहार (रायबरेली)। क्रॉसिंग के दोनों गेट खुले होने के बाद भी ट्रेन के फर्राटा भरते हुए गुजर जाने के मामले में जांच के आदेश हुए हैं। जांच की जिम्मेदारी परिचालन से जुड़े अफसरों को सौंपी गई है। कार्रवाई इंजीनियरिंग विभाग से होनी है। जांच रिपोर्ट के बाद दोषी पर कार्रवाई होगी। कार्रवाई की तलवार गेटमैन समेत कई लोगों पर लटकती नजर आ रही है। सोशल मीडिया पर बृहस्पतिवार को एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें देखा गया कि रेलवे क्रॉसिंग का गेट खुला हुआ है और ट्रेन पूरी रफ्तार से गुजर रही है। यह वीडियो सूची-खरौली मार्ग पर क्रॉसिंग संख्या 7-सी का बताया गया, जो ऊंचाहार-रायबरेली रेल खंड के रामचंद्रपुर के निकट स्थित है। घटना बीते शुक्रवार की बताई जा रही है, लेकिन मामला छिपा रहा। जब वीडियो वायरल हुआ तो हड़कंप मच गया। वीडियो वायरल होने के बाद घटना की खबर को प्रमुखता से प्रकाशित की गई, जिससे अधिकारी भी हरकत में आ गए हैं। इस लापरवाही के चलते बड़ा हादसा हो सकता था। अब घटना उजागर होने के बाद अब हर कोई खुद को बचाने में जुट गया है। गेट कैसे खुला रह गया और गाड़ी क्यों निकल गई, इस बारे में बारीकी से जांच कराने के आदेश हो गए हैं। घटना वाला गेट इंजीनियरिंग विभाग के अंतर्गत आता है, जिससे कार्रवाई भी इंजीनियरिंग वाले करेंगे।

मनरेगा- गुणवत्ता की जांच हुए बगैर करोड़ों का हो गया भुगतान

प्रतापगढ़। मनरेगा में अनियमित भुगतान नहीं थम रहा है। बृहस्पतिवार को मंगरौरा, बेलखरनाथधाम, पट्टी और आसपुर देवसरा ब्लॉकों में करोड़ों रुपये का भुगतान कर दिया गया है. मगर अधिकारी अपनी कमी को छिपाने के लिए यह नहीं बता रहे हैं कि किस ब्लॉक में कितना भुगतान किया गया है। मनरेगा में घटिया सामग्री लगाकर अव्वल दर्जे का भुगतान लेने वाले प्रधानों और कर्मचारियों पर शिकंजा कसने के लिए शासन ने एक अगस्त को पत्र जारी करके कहा है कि मनरेगा सामग्री भुगतान के पहले निर्माण कार्य में प्रयुक्त सामग्री की इंजीनियरिंग कॉलेज से जांच का प्रमाणपत्र होने पर ही भुगतान किया जाएगा। शासन से बजट आते ही मंगरौरा, बेलखरनाथधाम, पट्टी और आसपुर देवसरा ब्लॉकों में बगैर जांच रिपोर्ट के ही भुगतान कर लिया गया है। जिले के अफसर व्हाट्सऐप ग्रुप में भुगतान करने के लिए मना करते रहे, मगर खंड विकास अधिकारियों ने अपना काम कर लिया। आश्चर्य की बात यह है कि अफसर शुक्रवार को यह बताने में फेल रहे कि जिले में बृहस्पतिवार को कितने करोड़ का भुगतान किया गया है।

रेलवे ट्रैक के बगल झाड़ी में मिला रेलयात्री का शव, जेब से दो ट्रेन टिकट और मोबाइल बरामद

प्रयागराज। मोबाइल के जरिए फोन करके परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। पुलिस के अनुसार परिजनों ने मोबाइल की पहचान इफ्तिखार अहमद निवासी ग्राम खादरा थाना कुशेश्वर दरभंगा बिहार बताया। फिलहाल पुलिस कुछ भी बोलने से कतरा रही है। हंडिया थाना क्षेत्र के जबराडीह गांव के सामने शुक्रवार को सुबह रेलवे ट्रैक के बगल झाड़ी में एक शव मिलने से ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सुबह बस्ती के लोग उधर से गुजर रहे थे कि झाड़ी में एक शव दिखने पर इसकी सूचना पुलिस को दी गई। तलाशी के दौरान जेब से सामान्य श्रेणी के दो रेलवे टिकट तथा एक मोबाइल मिला। रेलवे टिकट दरभंगा से शिवाजी टर्मिनस मुंबई के लिए जारी किया गया था। मोबाइल के जरिए फोन करके परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। पुलिस के अनुसार परिजनों ने मोबाइल की पहचान इफ्तिखार अहमद निवासी ग्राम खादरा थाना कुशेश्वर दरभंगा बिहार बताया।

संपत्ति के विवाद में बेटे ने पिता को उतारा मौत के घाट, लकड़ी से सिर पर वार करने के बाद गला भी रेता

प्रयागराज। अतरसुइया के रहने वाले हंसराजसिंह (65) बिजली विभाग से सेवानिवृत्त हुए थे। उनके दो बेटे धीरेंद्र और देवेंद्र हैं। बड़े बेटे धीरेंद्र से उनका मकान के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। गुरुवार की रात में कहासुनी के बाद मारपीट होने लगी। अतरसुइया थाना क्षेत्र के मीरापुर काली मंदिर के पास बेटे ने संपत्ति विवाद में पिता की जान ले ली। विवाद के दौरान पिता के सिर पर वजनी लकड़ी से प्रहार कर दिया। पिता के जमीन पर गिरने के बाद चाकू से गले पर हमला कर दिया। इससे उनकी मौके पर मौत हो गई। घटना से परिवार में चीख पुकार मच गई। पुलिस ने आरोपी बेटे को हिरासत में ले लिया। विवाद का कारण संपत्ति का विवाद बताया जा रहा है। अतरसुइया के रहने वाले हंसराजसिंह (65) बिजली विभाग से सेवानिवृत्त हुए थे। उनके दो बेटे धीरेंद्र और देवेंद्र हैं। बड़े बेटे धीरेंद्र से उनका मकान के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। गुरुवार की रात में कहासुनी के बाद मारपीट होने लगी। इसी दौरान धीरेंद्र ने पिता के सिर पर लकड़ी के पाये से हमला कर दिया। पिता के जमीन पर गिरने के बाद उसने चाकू से गले पर वार कर दिया। इससे उनकी मौके पर ही जान चली गई।

आरोपी बेटे को पुलिस ने किया गिरफ्तार

घटना से परिवार में कोहराम मच गया। शोरगुल सुनकर पड़ोसी भी पहुंच गए। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया। हंसराज को स्वरूपरानी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि आरोपी ने मां और छोटे भाई पर भी हमले का प्रयास किया, लेकिन दोनों ने घर में भागकर अपनी जान बचाई। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने बताया कि पिता उसको हिस्सा नहीं देना चाहते थे। कई बार कहने के बाद भी वह बंटवारे के लिए तैयार नहीं थे।

आम लोगों को राहत देने के लिए मुंडेरा मंडी में स्टॉल खोलकर 75 रुपये किलो की दर से टमाटर बेचे जाने का प्रावधान किया गया है, लेकिन मुंडेरा मंडी में यह अब यह स्टॉल नहीं खुल रहा है। इस वजह से लोगों को वहां से बैरंग ही लौटना पड़ रहा है। मंडी सचिव कृष्णमोहन शर्मा का कहना है कि स्टॉल लगातार खोला जा रहा है लेकिन बुधवार को खराब मौसम की वजह से मंडी में टमाटर नहीं आया। इस वजह से आज स्टॉल बंद रहा।

श्रद्धालुओं से भरा डाला पलटा, 10 जख्मी

सीतापुर। श्रद्धालुओं से भरा एक डाला मिश्रिख में अनियंत्रित होकर पलट गया। डाले में 25 लोग सवार थे। इसमें से 10 लोग जख्मी हो गए। बाराबंकी जिले के थाना कोठी के हिम्मतपुर गांव से गुरुवार शाम 25 लोग डाले में बैठकर नैमिष दर्शन के लिए आए थे। दोपहर लौटते समय खरगापुर मोड पर अचानक कुत्ता आ जाने के कारण डाला अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक भाया (53), सोनू कुमार (27), प्रतिमा पटेल (20), उमा देवी (35), विजयलक्ष्मी (50), राजकुमारी (30), शिव देवी (25), सुनीता देवी (30), पूजा (25), राजीव कुमार (25), योगेंद्र (35) घायल हो गए।

चोरी के आरोप में दरिंदगी की हदें पार, पिलाया पेशाब

सिद्धार्थनगर। एएसपी सिद्धार्थ ने कहा कि पथरा पुलिस को तहरीर मिल चुकी है। छह लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटना में शामिल लोगों पर कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। सिद्धार्थनगर जिले के पथरा थाना क्षेत्र एक गांव में दो नाबालिग बालकों से दरिंदगी का मामला सामने आया है। मुर्गी की दुकान में घुसने पर उसके मालिक और अन्य लोगों ने दरिंदगी की हदें पार कर दी। पहले दोनों को पेशाब पिलाया, फिर पेट्रोल का इंजेक्शन लगाया। इसके बाद गुप्तांग में हरी मिर्ची डाल दिया। वह चीखते चिल्लाते रहे। लेकिन दरिंदगी करने वालों को जरा सा भी दया नहीं आई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो पुलिस हरकत में आ गई। पीड़ित पक्ष की ओर से मिले तहरीर के आधार पर कुकर्म सहित अन्य धारा में केस दर्ज करके पुलिस ने छह आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। मामले की छानबीन चल रही है। पथरा क्षेत्र के कोनकटी चौराहे पर एक पोल्ट्री फार्म संचालक ने पैसा व मुर्गा चोरी के आरोप में दो नाबालिग बच्चों के साथ मानवता की सभी हदें पार कर दी। बच्चों को बांधकर पहले पीटा गया फिर पेशाब पिलाकर उनके गुप्तांग में मिर्ची डालकर पेट्रोल का इंजेक्शन लगा दिया। घटना शुक्रवार की बताई जा रही है, जिसका वीडियो शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने पूछताछ के लिए घटना में शामिल कुछ लोगों को उठाया है। एएसपी सिद्धार्थ ने भी घटनास्थल का जायजा लेते हुए पीड़ितों से मुलाकात की। एएसपी सिद्धार्थ ने कहा कि पथरा पुलिस को तहरीर मिल चुकी है।

ज्ञानवापी को सील करने, गैर हिंदुओं का प्रवेश रोकने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई आठ अगस्त को

प्रयागराज। इस जनहित याचिका में कहा गया है कि श्रृंगार गौरी केस में जब तक वाराणसी जिला अदालत का फैसला नहीं आ जाता तब तक परिसर में गैर हिंदुओं का प्रवेश प्रतिबंधित किया जाए और ज्ञानवापी परिसर में मिले हिंदू प्रतीक चिन्हों को संरक्षित रखने का आदेश दिया जाए। वाराणसी स्थित ज्ञानवापी परिसर को सील करने और गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग वाली जनहित याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट आठ अगस्त को सुनवाई करेगा। हाईकोर्ट में यह याचिका राखी सिंह व अन्य की तरफ से बुधवार को दाखिल की गई थी। इस पर मुख्य न्यायमूर्ति प्रीतिंकर दिवाकर और न्यायमूर्ति आशुतोष श्रीवास्तव की खंडपीठ सुनवाई करेगी। इस जनहित याचिका में कहा गया है कि श्रृंगार गौरी केस में जब तक वाराणसी जिला अदालत का फैसला नहीं आ जाता तब तक परिसर में गैर हिंदुओं का प्रवेश प्रतिबंधित किया जाए और ज्ञानवापी परिसर में मिले हिंदू प्रतीक चिन्हों को संरक्षित रखने का आदेश दिया जाए। कोर्ट से यह भी मांग की गई है कि इस तरह की व्यवस्था की जाए जिससे ज्ञानवापी में एएसआई सर्वेक्षण का काम प्रभावित न हो। याचियों ने अपनी जनहित याचिका को अपने अधिवक्ता के माध्यम से इलाहाबाद हाईकोर्ट की रजिस्ट्री विभाग के जरिए दाखिल किया है। इसमें कहा गया था कि वाराणसी में श्री आदि विश्वेश्वर मंदिर (वर्तमान ज्ञानवापी परिसर) के सदियों पुराने अवशेषों को बचाना है। दावा किया गया है कि विवादित स्थल (सेटलमेंट प्लॉट नंबर 9130 वार्ड और दशाश्वमेघ वाराणसी) पर एक भव्य मंदिर हुआ करता था, जहां भगवान शिव ने स्वयं ज्योतिर्लिंग की स्थापना की थी।

1669 में औरंगजेब ने नष्ट कराया था मंदिर

सन 1669 में मुस्लिम शासक औरंगजेब ने इस मंदिर को नष्ट कर दिया। कहा गया है कि उक्त मंदिर को नष्ट करने के बाद मुसलमानों ने अनधिकृत रूप से मंदिर परिसर में अतिक्रमण किया और एक संरचना बनाई जो कि कथित ज्ञानवापी मस्जिद हैं। याचिका में यह भी कहा गया है कि मूल ज्योतिर्लिंग अनधिकृत रूप से बनाई गई इस संरचना के नीचे स्थित है। हिंदू भक्तों को पुराने मंदिर परिसर के भीतर शिवलिंग के दर्शन की अनुमति नहीं दी जा रही है। यदि कोई व्यक्ति या लोग जबरन और कानून के अधिकार के बिना उस संपत्ति के भीतर या किसी विशेष स्थान पर नमाज पढ़ते हैं, तो उसे मस्जिद नहीं कहा जा सकता है। इसके अलावा याचिका में ज्ञानवापी परिसर के अंदर कुछ सबूतों, दीवारों पर चिह्नों / प्रतीकों और खंभों का हवाला देते हुए तर्क दिया गया है कि ये पुराने हिंदू मंदिर का हिस्सा हैं और वर्तमान संरचना मस्जिद के चबूतरे और आधार पर खड़ी है।

गैरहाजिर मिले 17 शिक्षक-शिक्षामित्र व अनुदेशक

सीतापुर। जिलाधिकारी के निर्देश पर शुक्रवार को 20 अफसरों ने कसमंडा ब्लॉक के परिषदीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान शिक्षकों की गैरहाजिरी की पोल खुल गई। अफसरों ने 50 से अधिक विद्यालयों को देखा। जिसमें 17 शिक्षक/शिक्षामित्र/अनुदेशक गैरहाजिर मिले। बीएसए ने इन सभी का एक दिन का वेतन व मानदेय रोक दिया है। सीडीओ अक्षत वर्मा की अध्यक्षता में बनी कमेटी ने शुक्रवार को विद्यालयों में नौनिहालों को मिल रहीं सुविधाएं व शिक्षकों की हाजिरी परखी। इसके लिए जिला स्तर पर 20 अफसरों की ड्यूटी लगाई गई थी। इन अफसरों को विकासखंड के 50 से अधिक विद्यालयों में चेकिंग करना था। निरीक्षण में प्राथमिक विद्यालय सुल्तानपुर की शिक्षामित्र दीपशिखा व प्राथमिक विद्यालय चौडिया नवीन की फूल कुमारी गैर हाजिर मिलीं। उच्च प्राथमिक विद्यालय सरौंरा कला की अनुदेशक आरती मिश्रा, उच्च प्राथमिक विद्यालय कमलापुर की अनीता वर्मा व संदीप कुमार गैरहाजिर मिले। प्राथमिक विद्यालय चौड़िया नवीन के सहायक अध्यापक अर्चना सिंह, प्राथमिक विद्यालय चौड़िया नवीन उमा यादव, दीप्ती श्रीवास्तव उच्च प्राथमिक विद्यालय बलोईयां व कविता जयंत अनुपस्थित मिले।

इसके अलावा आठ बजे के बाद आठ शिक्षकों ने अवकाश का ऑनलाइन आवेदन किया। इस पर इनका यह आवेदन निरस्त करते हुए गैर हाजिर कर दिया गया है। बीएसए अखिलेश प्रताप सिंह ने बताया कि गैर हाजिर स्टॉफ का एक दिन का वेतन व मानदेय रोक दिया गया है।

प्रयागराज में सेब से महंगा हो गया टमाटर, 10 से 15 रुपये प्रति पीस बेच रहे दुकानदार

प्रयागराज। टमाटर जून से ही इतराया हुआ है। अगस्त की शुरुआत के बाद तो कीमतें आम ही नहीं बल्कि खास लोगों की पहुंच से भी बाहर निकलती दिख रही हैं। ससे आम आदमी परेशान है। लोगों का कहना है कि टमाटर क्या सभी तरह की हरी सब्जियों के दाम इन दिनों बढ़े हुए हैं। महंगाई डायन को इस समय शायद टमाटर ही सबसे ज्यादा पसंद आ रहा है। बीते 2 महीनों से टमाटर की कीमतों में जबर्दस्त उछाल आया है। शायद इसी वजह से प्रयागराज में पहली बार तमाम जगह लोग टमाटर किलो, आधा किलो में नहीं अब प्रति पीस के हिसाब से खरीदने को मजबूर हो रहे हैं। वर्तमान में टमाटर के मुकाबले सेब कहीं ज्यादा सस्ता है। शहर की अलग-अलग सब्जी मंडियों में टमाटर जहां 200 से 240 रुपये किलो में बिक रहा है तो वहीं हिमाचली सेब का दाम 150 से 180 रुपये किलो है। टमाटर जून से ही इतराया हुआ है। अगस्त की शुरुआत के बाद तो कीमतें आम ही नहीं बल्कि खास लोगों की पहुंच से भी बाहर निकलती दिख रही हैं। ससे आम आदमी परेशान है। लोगों का कहना है कि टमाटर क्या सभी तरह की हरी सब्जियों के दाम इन दिनों बढ़े हुए हैं। टमाटर के बढ़ते दाम की वजह से कुछ जगह उसकी बिक्री प्रति पीस हो रही है। छोटा टमाटर दस रुपये तो उससे कुछ बड़ा टमाटर 15 रुपये प्रति पीस दुकानदार बेच रहे हैं।

मुट्ठीगंज में सब्जी बेचने वाले फुटकर विक्रेता दीपक कुशवाहा ने बताया कि थोक में ही टमाटर का दाम 150 रुपये किलो से ज्यादा का है। उधर मुंडेरा फल सब्जी व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सतीश कुशवाहा का कहना है कि इन दिनों बाहर से आने वाले टमाटर की आवक भी कम हो गई है। इसकी वजह देश के तमाम हिस्सों में हो रही बारिश ही है। सतीश ने बताया कि अभी माह भर यही स्थिति रह सकती है। हिम्मतगंज की उर्वशी भरद्वाज ने बताया कि टमाटर इतना महंगा पहले उन्होंने कभी नहीं देखा। मजबूरी में अब पीस के हिसाब से टमाटर खरीदना पड़ रहा है। सोहबतियाबाग की मंजुला ने बताया कि टमाटर का प्रयोग तकरीबन हर सब्जी में होता है। अगर न डाले तो स्वाद अच्छा नहीं आता। आजाद नगर की स्नेहलता श्रीवास्तव ने बताया कि सरकार बताए आखिर टमाटर का दाम कब कम होगा। उन्होंने बताया कि मजबूरी में अब पीस के हिसाब से टमाटर खरीदना पड़ रहा है।

हाईवे पर अनियंत्रित डंपर ने दो कार में मारी टक्कर

प्रतापगढ़। नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के पृथ्वीगंज बाजार व रानीगंज के राजापुर गांव के पास शुक्रवार की देर शाम लखनऊ से वाराणसी की ओर जा रहे अनियंत्रित डंपर ने दो कार में टक्कर मार दी। यूपी 112 को सूचना देकर बताया गया कि डंपर का चालक नशे की हालत में लग रहा। मामले को संज्ञान में लेकर रानीगंज पुलिस तहसील के पास लखनऊ- वाराणसी राजमार्ग पर बैरियर लगाकर दो ट्रक रोक लिए। स्थानीय बाजार से पहले दुर्गागंज बाजार से होकर प्रयागराज- अयोध्या राजमार्ग को जोड़ने वाली लिंक रोड पर चालक डंपर लेकर भाग निकला। पीछा करते हुए रानीगंज पुलिस नरसिंहगढ़ गांव के पास चालक व डंपर को पकड़ा। डंपर की टक्कर से किसी के घायल होने की जानकारी से पुलिस ने इन्कार किया। रानीगंज एसओ सर्वेश ने बताया कि चालक व डंपर को कोतवाली लाया गया है। पूछताछ के बाद केस दर्ज कर उसे जेल भेजा जाएगा।

घटना स्थल से लालूपट्टी तक मची रही चीख पुकार, बिलखते रहे परिजन

प्रतापगढ़। श्रद्धालुओं से भरा लोडर के पलटने के बाद घटनास्थल भेभौरा से लालूपट्टी और ट्रामा सेंटर तक चीख-पुकार मची रही। श्रद्धालु लहूलुहान होकर कराह रहे थे। ग्रामीणों ने मदद को हाथ बढ़ाए। लोगों को उठाए जाने के दौरान पुलिस आ गई। एंबुलेंस नहीं पहुंची तो सूचना पर पहुंची पुलिस ने पलटे लोडर को सीधा कराया। इसी लोडर से घायलों को ट्रामा सेंटर पहुंचाया। इसके बाद पहुंची तीन एंबुलेंस से अन्य घायलों को ले जाया गया। दो श्रद्धालुओं की मौत और उन्नीस के घायल होने से घटना स्थल से लेकर श्रद्धालुओं के गांव लालूपट्टी तक चीखपुकार मच गई। हादसे के बाद मौके पर पड़े लहूलुहान श्रद्धालु कराह रहे थे। सबसे पहले मौके पर दरोगा राजेश कुमार पहुंचे। घायलों को अस्पताल ले जाने की व्यवस्था नहीं देख पलटे पड़े लोडर की मदद से दरोगा ने गंभीर रूप से घायलों को ट्रामा सेंटर पहुंचाया। इसके बाद तीन एंबुलेंस पहुंची और घायलों को ले जाया गया। घटनास्थल पर आधे घंटे तक कराहते हुए लोग तड़पते रहे। इसके बाद ट्रामा सेंटर में चीखपुकार के बीच घायलों और मृतकों के परिजन एक-दूसरे की हालत देखकर बिलखते रहे। कोमल व सीमा के शव के पास परिजन दहाड़े मारकर रो रहे थे। परिजनों को अपने घायल होने से अधिक दर्द दोनों युवतियों की मौत का था। पुलिस व स्वास्थ्य कर्मियों ने परिजनों को ढांढस बंधाया। श्रद्धालुओं के गांव जब हादसे की खबर पहुंची तो वहां से भी लोग हड़बड़ी में लालगंज ट्रामा सेंटर जाने को भागे। घरों में महिलाएं रोने लगीं। पड़ोसी घायलों के घर पहुंच गए। रो रहे लोगों को अगल बगल वालों ने संभाला। रोने बिलखने लगे।

महिला ने प्रधान पर लगाया छेड़खानी का आरोप

सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने प्रधान पर छेड़खानी का आरोप लगाया है। उसने थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। वही प्रधान ने कहा कि रंजिशवश महिला आरोप लगा रही है। क्षेत्र के एक गांव निवासी एक महिला ने शोहरतगढ़ थाने पर तहरीर देकर बताया कि बीते मंगलवार शाम सात बजे वह खेत की तरफ गई थी। तभी वहां ग्राम प्रधान भी पहुंच गया। वह मेरे साथ अश्लील हरकत करने लगा। और मुझसे छेड़खानी करने की कोशिश भी करने लगा। किसी तरह से अपना बचाव करके घर चली आई और घटना के बारे में कुछ लोगो को जानकारी दी। उसने आरोप लगाया कि आए दिन ग्राम प्रधान लड़कियों व असहाय महिलाओं से छेड़खानी करता रहता है। इस संबंध थानाध्यक्ष पंकज पांडेय ने बताया कि मामले की जानकारी है। जिसकी जांच की जा रही है।

अवैध निर्माण रोकवाने पर की शिकायत वही ग्राम प्रधान ने लगाए गए आरोप को खारिज करते हुए कहा कि जो महिला छेड़खानी का आरोप लगा रही है। वह बीते रविवार को घर के बगल से निकलने वाली आरसीसी रोड पर अवैध निर्माण करते हुए सीढ़ी बना रही थी। गांव के लोगों से इसकी जानकारी होने पर मौके पर पहुंचकर निर्माण रोकवा दिया। इसके बाद महिला ने उस पर छेड़खानी करने का तहरीर थाने पर दिया है। महिला जिस तारीख में छेड़खानी का आरोप लगा रही है, उस दिन नेपाल गया था।

हेडमास्टरों को मिली नवोदय परीक्षा का फार्म भराने की जिम्मेदारी

प्रतापगढ़। जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा छह में दाखिले के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षा में आवेदन कम होने से प्रधानाध्यापकों को रजिस्ट्रेशन कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। खंड शिक्षा अधिकारियों ने प्राइमरी स्कूलों के कक्षा पांच में पढ़ने वाले बच्चों का फार्म भरवाने को कहा है। जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय में दाखिले के लिए 80 सीटें हैं। प्रतिवर्ष होने वाली परीक्षा में बड़ी संख्या में बच्चों को बाहर कर दिया जाता है। इससे इस वर्ष आवेदन करने वालों की संख्या घट गई है। अफसरों ने इसका विकल्प तलाशते हुए प्राइमरी स्कूल के प्रधानाध्यापकों से आवेदन कराने को कहा है। प्रधानाध्यापकों के पास बच्चों का डाटा है, उससे फार्म भर सकते हैं।

प्रयागराज-अतीक के वकील विजय को कस्टडी रिमांड पर ले सकती है पुलिस, बेनामी संपत्तियों के बारे हो सकती है पूछताछ

प्रयागराज। अतीक के वकील विजय मिश्र को 29 जुलाई को लखनऊ के एक होटल से पकड़ा गया था। पुलिस के मुताबिक वहां अशरफ की पत्नी जैनब और उसके भाई सद्दाम को भी आना था। गिरफ्तारी के बाद विजय को जेल भेज दिया गया। करोड़ों की जमीन की डीलिंग के मामले में पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि विजय ही इस समय अतीक गिरोह की बेनामी और बेशकीमती संपत्तियों की डीलिंग करा रहा है। अतीक के वकील विजय मिश्र को पुलिस कस्टडी रिमांड पर ले सकती है। इसके लिए विचार-विमर्श किया जा रहा है। विजय मिश्र को उमेश हत्याकांड में पुलिस ने लखनऊ से गिरफ्तार किया था। अतीक की 12 करोड़ की जमीन के सौदे के लिए विजय लखनऊ गया था। पुलिस का कहना है कि विजय से शाइस्ता और जैनब के बारे में काफी जानकारी मिल सकती है। इतना ही नहीं अतीक की बेनामी संपत्तियों और करोड़ों की जमीनों के बारे में भी उसके पास जानकारी हो सकती है।

अतीक के वकील विजय मिश्र को 29 जुलाई को लखनऊ के एक होटल से पकड़ा गया था। पुलिस के मुताबिक वहां अशरफ की पत्नी जैनब और उसके भाई सद्दाम को भी आना था। गिरफ्तारी के बाद विजय को जेल भेज दिया गया। करोड़ों की जमीन की डीलिंग के मामले में पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि विजय ही इस समय अतीक गिरोह की बेनामी और बेशकीमती संपत्तियों की डीलिंग करा रहा है। अतीक की ऐसी संपत्तियों की भी जानकारी विजय को है, जो उसने नौकरों, रिक्शा और ट्राली चालकों के नाम पर ली थीं। वहीं, शाइस्ता और जैनब के बारे में भी विजय को जानकारी हो सकती है। इसी कारण अधिकारी विजय मिश्र को कस्टडी रिमांड पर लेने पर विचार कर रहे हैं। जल्द ही इसके लिए प्रक्रिया शुरू की जाएगी। विजय ही अतीक परिवार के लोगों की पैरवी अदालत में कर रहा था। अतीक-अशरफ की मौत और दोनों की पत्नियों की फरारी के बाद विजय ही परिवार की ओर से डीलिंग कर रहा था। पुलिस अफसरों का कहना है इस बात की भी पूरी आशंका है कि शाइस्ता और जैनब विजय के संपर्क में हों। इस कारण उसे कस्टडी रिमांड पर लिया जाना जरूरी है।

जैनब और शाइस्ता की लोकेशन दिल्ली में, फिर जाएगी पुलिस टीम

अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन और अशरफ की पत्नी जैनब की लोकेशन दिल्ली में मिली है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि दोनों दिल्ली में ही रह रही हैं। जैनब के साथ उसका एक लाख का इनामी भाई सद्दाम भी है। पुलिस की एक टीम फिर वहां भेजी जाएगी। इससे पहले भी दोनों की लोकेशन दिल्ली में होने की सूचना पर पुलिस टीम ने कई जगह दबिश दी थी।

निरीक्षण में कई शिक्षक मिले अनुपस्थित, मांगा स्पष्टीकरण

छात्रों की कम उपस्थिति पर बीईओ ने जताई नाराजगी

सिद्धार्थनगर। बीईओ डुमरियागंज ने शुक्रवार को ब्लॉक क्षेत्र के कई परिषदीय स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। जिसमें दो शिक्षक बिना किसी सूचना या अवकाश के अनुपस्थित मिले, जिन्हें नोटिस देकर तीन दिन के भीतर स्पष्टीकरण मांगा गया है। वहीं विद्यालयों में छात्रों की कम उपस्थित पर नाराजगी जाहिर करते हुए नामांकन पर जोर देने की बात कही। बीईओ संजय कुमार कंपोजिट विद्यालय औसाकुइंया पहुंचे तो वहां तैनात दो शिक्षक अरुण कुमार व अनिल कुमार बिना किसी छुट्टी के अनुपस्थित मिले। 154 के सापेक्ष 103 बच्चे उपस्थित मिले। पूर्व माध्यमिक विद्यालय कुसुम्ही में शिक्षक तो सब मिले छात्रों की उपस्थित बहुत कम रही। 65 नामांकन के सापेक्ष 14 बच्चे ही उपस्थित रहे। जिस पर प्रधानाध्यापक को उपस्थित बढ़ाने के अभिभावकों से प्रतिदिन संपर्क करने का निर्देश दिया।

प्राथमिक विद्यालय बदरपुर में सभी शिक्षक उपस्थित मिले, मध्यान्ह भोजन बन रहा था। कन्या कंपोजिट विद्यालय डुमरियागंज में एक अनुदेशक छुट्टी पर मिले। 319 नामांकन के सापेक्ष मात्र 116 बच्चे कक्षाओं में मिले। स्मार्ट क्लास अब तक संचालित न होने की जानकारी बच्चों से मिलने पर प्रधानाध्यापक व विज्ञान शिक्षक पर बिफर पड़े और तत्काल संचालन का निर्देश दिया। यहां 12 शिक्षक व अनुदेशकों में मात्र 2 शिक्षकों की शिक्षक डायरी पूर्ण मिली। जिस पर बीईओ ने बच्चों का शैक्षिक अधिगम का स्तर बढ़ाने पर जोर देने का निर्देश दिया। बच्चों की उपस्थित कम देख प्रधानाध्यापक कमल मोहनी को अभिभावकों से मोबाइल के सहायता से संपर्क स्थापित कर पाल्यों को भेजने की अपील करने का भी निर्देश दिया।

सीमा हैदर प्रकरण- खुनुवां बॉर्डर पर तैनात दो जवान किए गए सस्पेंड, भारत में यहीं से घुसी थी पाकिस्तानी महिला

सिद्धार्थनगर। इस संबंध में 43वीं बटालियन एसएसबी के अधिकारी बयान देने से बच रहे हैं। एक अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि सीमा हैदर प्रकरण की जांच की जा रही है। उच्च स्तरीय अधिकारियों ने कार्रवाई की है, ताकि जांच प्रभावित न हो। पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर की इस स्वीकारोक्ति के बाद कि उसने अपने चार बच्चों के साथ भारत-नेपाल के खुनुवां बॉर्डर को पार कर भारतीय सीमा में प्रवेश किया था, सीमा पर तैनात एसएसबी के दो जवानों को सस्पेंड कर दिया गया है। एसएसबी मुख्यालय से हुई इस कार्रवाई के बाद और चौकसी बढ़ा दी गई है। सीमा हैदर और उसके बच्चों के सिद्धार्थनगर के भारत-नेपाल बॉर्डर खुनुवां के रास्ते अवैध रूप से ग्रेटर नोएडा पहुंचने के बाद सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगा था। इसके बाद एसएसबी के कमांडिंग ऑफिसर आरके डोंगरा ने खुनुवां बॉर्डर का दौरा किया था। जांच में 43वीं बटालियन एसएसबी कैंप खुनुवां के इंचार्ज इंस्पेक्टर सुरजीत कुमार वर्मा व हेड कांस्टेबल चंद्र कमल कलिता की लापरवाही सामने आई। अब दोनों को निलंबित कर दिया गया। दोनों के विरुद्ध पूर्ण अदालती जांच प्रक्रिया शुरू होगी। इस मामले में 13 मई को खुनुवां बार्डर चेकपोस्ट पर तैनात अन्य जवानों की भूमिका के अलावा उन सभी पहलुओं की भी जांच की जाएगी, जो शुरुआती जांच में शामिल नहीं थे।

इस संबंध में 43वीं बटालियन एसएसबी के अधिकारी बयान देने से बच रहे हैं। एक अधिकारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि सीमा हैदर प्रकरण की जांच की जा रही है। उच्च स्तरीय अधिकारियों ने कार्रवाई की है, ताकि जांच प्रभावित न हो।

बारिश के बाद गिरी मकान की छत, महिला और उसके तीन बच्चे दबे

संभल। बहजोई थाना क्षेत्र के गांव पवांसा में बृहस्पतिवार की देररात हुई झमाझम बारिश से मजदूर के घर की छत में नमी आ गई। शुक्रवार की सुबह करीब 5:45 बजे यह भरभरा कर गिर गई। इसके मलबे में अजब सिंह की पत्नी अंजलि, नौ वर्षीय बेटी अनामिका, छह वर्षीय इसिका और सात वर्षीय आयुष दब गया। पड़ोसी मौके की ओर दौड़े और दबे बच्चों को बाहर निकाला गया। अंजलि ने बताया कि छोटी बेटी इशिका की हालात गंभीर बनी हुई है। खाने-पीने का सामान, घरेलू सामान, बच्चों की किताब और घरेलू सामान दबकर बेकार हो गया है। अब रहने के लिए सिर पर छत भी नहीं है। पति परिवार के पालन पोषण के लिए हरियाणा राज्य में मजदूरी करते हैं। कई बार प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवेदन किया था लेकिन इसके बावजूद भी प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला। पवांसा में मजदूर के मकान की छत बरसात में नमी आने से गिर गई थी। जिसमें तीन बच्चे और एक महिला गंभीर रूप से घायल हुई है। मामले की मौके पर जाकर जांच पड़ताल कर रिपोर्ट तहसील प्रशासन को सौंप दी है।

-चंपत सिंह, लेखपाल, पवांसा।

पवांसा में देर रात हुई बारिश से ग्रामीण की छत में नमी आने के बाद भर भराकर गिर गई थी। मामले की सूचना मिलने के बाद ग्राम पंचायत सचिव को मौके पर भेजकर मामले की जांच पड़ताल कराई गई है।

सब्जी लेने गए युवक की हत्या, सड़क पर मिली लाश, चेहरे और सिर पर गंभीर चोट के निशान

प्रयागराज। घर वालों ने दो युवकों पर शक जताते हुए तहरीर दी है। पुलिस ने घर पर दबिश दी लेकिन वे नहीं मिले। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम के बाद ही पता चलेगा कि आजाद की मौत कैसे हुई। उसके बाद ही कार्रवाई की जाएगी। आजाद पिता मुन्ना लाल यादव के साथ पुताई का काम करता था। धूमनगंज के धुस्सा के रहने वाले आजाद यादव की बृहस्पतिवार रात हत्या कर दी गई। शुक्रवार को उसका शव घर से आधा किलोमीटर दूर जयरामपुर के पास सड़क पर मिला। आजाद के चेहरे और सिर पर गंभीर चोटों के निशान मिले हैं। कातिलों ने उसके मुंह में कुछ भर दिया था। घर वालों ने दो युवकों पर शक जताते हुए तहरीर दी है।

पुलिस ने घर पर दबिश दी लेकिन वे नहीं मिले। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम के बाद ही पता चलेगा कि आजाद की मौत कैसे हुई। उसके बाद ही कार्रवाई की जाएगी। आजाद पिता मुन्ना लाल यादव के साथ पुताई का काम करता था। बृहस्पतिवार की शाम आजाद अपने किरायेदार कल्लू और उसकी पत्नी के साथ सब्जी लेने कालिंदीपुरम मंडी गया था। करीब आठ बजे कल्लू और उसकी पत्नी वापस आ गए। उन्होंने बताया कि चार लड़के कालिंदीपुरम में मिले थे। इनमें से दो को वे लोग पहचानते हैं। रात दस बजे तक जब आजाद नहीं आया तो पिता मुन्ना लाल तथा घर के अन्य लोग उसे खोजने निकले लेकिन कहीं पता नहीं चला। वे उन दोनों लड़कों के घर भी गए जिसे कल्लू ने देखा था। पता चला कि वे भी घर पर नहीं हैं। सुबह जब वह थाने गए तो पुलिस वालों ने बताया कि जयरामपुर में एक युवक की लाश मिली है। मौके पर जाकर मुन्ना ने शव की शिनाख्त की। पुलिस का कहना था कि यह एक्सीडेंट का मामला भी हो सकता है। हालांकि, पिता ने दो लड़कों के खिलाफ नामजद तहरीर दी जिनके साथ किरायेदार कल्लू ने आजाद को देखा था। इसके साथ ही दो अज्ञात के खिलाफ भी तहरीर दी गई।

हालांकि, पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। जिन आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी गई थी, पुलिस उनके घर पहुंची लेकिन दोनों नहीं मिले। उनके घर से एक ई रिक्शा मिला जिस पर खून लगा हुआ था। पुलिस ने एक संदिग्ध के भाई को पकड़ा है। उससे पूछताछ की जा रही है। इंस्पेक्टर धूमनगंज राजेश मौर्या ने बताया कि घर वालों ने जिनपर शक जताया है उनकी तलाश की जा रही है।

त्रिगुट
रविवार 07 अगस्त 2023

देश के सभी आईआईएम अब सरकारी नियंत्रण में

भारत के सभी आईआईएम संस्थान एक बार फिर सरकार के नियंत्रण में आ जाएंगे।पिछले सप्ताह संसद में एक नया बिल आया है। जिसके तहत सभी आईआईएम संस्थानों की स्वाधीनता खत्म हो गई है। 2017 में पहली बार भारतीय प्रबंध संस्थान आईआईएम को कानून बनाकर, भारत सरकार द्वारा पूर्ण स्वतंत्रता दी गई थी। जिससे वह विश्व स्तर पर एक ऐसी पहचान बना सकें। जिसमें दुनिया के सभी देशों के बच्चे पढ़ने के लिए भारत आएं। उस समय सरकार द्वारा उठाए गए कदम की, सारी दुनिया में बड़ी सराहना हुई थी। 2017 में मोदी सरकार ने स्वतंत्रता देने का काम किया था। 2023 आते-आते एक बार फिर स्वतंत्रता समाप्त कर दी गई है। सरकार ही गवर्निंग बॉडी से लेकर निर्देशक तक की नियुक्ति करने का काम करेगी। मैनेजमेंट संस्थान,सहित सभी केंद्रीय विश्वविद्यालय, आईआईटी और एनआइटीज की तरह सरकारी नियंत्रण में काम करेंगे। प्रबंध संस्थानों में भी अब सरकार का पूर्ण नियंत्रण होगा। ज्ञान और विज्ञान की दुनिया में शिक्षण संस्थान सरकार के नियंत्रण से बाहर होते है। राजा महाराजा भी अपने बच्चों को गुरुकुल में पढ़ने भेजते थे। वहां पर गुरुओं की सत्ता होती थी। राजा का कोई हस्तक्षेप नहीं होता था। अकादमिक कार्यों में सरकार का हस्तक्षेप पिछले वर्षों बढ़ता ही जा रहा है। भारत की कोई भी शिक्षण संस्था ऐसी नहीं है। जो विश्व की सूची में प्रथम 100 शिक्षण संस्थानों में अपना स्थान बना पाए। भारत सरकार शिक्षण संस्थानों की आर्थिक मदद में कटौती कर रही है। विश्वविद्यालयों को अपना खर्च जुटाने के लिए सरकार द्वारा कहा जा रहा है। शिक्षण संस्थानों द्वारा पिछले वर्षों में लगातार फीस और शुल्क बढ़ाए जा रहे हैं। सरकारी नियंत्रण में चलने वाले विश्वविद्यालय और कॉलेज भी, अब निजी संस्थानों की तरह संचालित हो रहे हैं। जो चीज सरकार के नियंत्रण में चली जाती है। उसमें एक तो निर्णय में बहुत देर होती है। जो लोग नियुक्त किए जाते हैं। उन पर परिणाम लाने की कोई जिम्मेदारी नहीं होती है। संस्थाओं को अपने तरीके से और अपने राजनैतिक फायदे के लिए संचालित करने का प्रयास करते हैं। शिक्षा संस्थाओं में बार-बार जो बदलाव किया जा रहा है। उसके कारण छात्रों को उसका फायदा अच्छे में तो नहीं मिलता है,उल्टे खामियाजा जरूर भोगना पड़ता है। भारत में आईआईटी,बड़े-बड़े विश्वविद्यालय और अन्य शैक्षणिक संस्थानों की क्या हालत है। यह किसी से छुपी हुई नहीं है। रोजाना नए -नए प्रयोग शिक्षण संस्थानों में हो रहे हैं। यह प्रयोग शिक्षा को उच्चतम स्तर पर ले जाने के स्थान पर, निम्न स्तर पर पहुंचा रहे हैं। भारत की शिक्षण संस्थानों में शोध के कार्य लगभग लगभग खत्म हो गए हैं। सरकार में फाइलें चलती हैं। निर्णय बहुत देर से होते हैं। कई लोग मिलकर निर्णय लेते हैं। समय सीमा के अंतर्गत कोई काम नहीं होता है। समय अपनी गति से आगे बढ़ जाता है। समय पर निर्णय नहीं होने का नुकसान छात्रों पर ही होता है। 2017 में जिस केंद्र सरकार ने सभी भारतीय प्रबंधन संस्थानों को पूर्ण स्वायत्तता दी थी। वही सरकार अब उन्हें सरकारी नियंत्रण में लेने जा रही है। जो भी संस्थान सरकार के अधीन आ जाते हैं। उसमें व्यक्तिगत जिम्मेदारी और परिणामों के दायित्व से बच कर बाहर निकलना आसान होता है। कुछ अच्छा होता है, तो निजी स्तर पर फायदा लेने की कोशिश की जाती है। जो भी खराब होता है, उसका ठीकरा सरकार की कार्यप्रणाली अथवा आर्थिक कारणों पर डाल कर बचाने का काम करते हैं। सरकारी नियंत्रण वाले सभी शैक्षणिक संस्थान पिछले दो-तीन दशक में अपनी पहचान खोते चले जा रहे हैं। शिक्षण संस्थाओं से जो छात्र छात्राएं डिग्री लेकर निकल रहे हैं।उनकी भारत ओर विश्व के अन्य देशों में नौकरी और कैरियर की संभावनाएं पहले की तुलना में काफी कम हुई हैं। शिक्षा के क्षेत्र में सरकार का जितना कम हस्तक्षेप हो, उतना ही अच्छे परिणाम मिलेंगे। मध्य प्रदेश सरकार ने मेडिकल यूनिवर्सिटी बनाकर मेडिकल शिक्षा से संबंधित सभी जिम्मेदारी मेडिकल यूनिवर्सिटी को दी थी। मेडीकल यूनिवर्सिटी को लगभग 10 साल होने के बाद भी, नातो वहां समय पर परीक्षाएं संचालित हो पा रही हैं। एफीलेशन में भी काफी गड़बड़ियां देखने को मिली है। म.प्र. हाईकोर्ट को सीबीआई से जांच करानी पड़ रही है। हजारों छात्रों का भविष्य हर साल अनिश्चय में बना रहता है। म.प्र. सरकार विश्वविद्यालय का स्वीकृत स्टाफ भी एक दशक में उपलब्ध नहीं करा पाई है।विश्वविद्यालय बन गया, अधिकार मिल गए। शैक्षणिक गतिविधियों को चलाने के लिए ना तो पर्याप्त स्टाफ है।

प्रकृति की चेतावनी, सुधर जा मानव अभी सम्भलने वक़्त है?

नरेंद्र भारती

प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करने वाले मानव को प्रकृति ने आगाह किया है की सुधर जाओ नहीं तो तबाह कर दूंगी यह तो एक ट्रेलर है अभी पूरी पिक्चर बाकि है किन्नौर से लेकर भरमोर तक तबाही ही तबाही हो चुकी है बरसात का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है प्रतिदिन पहाड़ दरक रहे हैं द्य बरसात ने सेकड़ों लोगों का जीवन लील लिया है कई बच्चे अनाथ हो गए माताएँ व बहनों का सिंदूर मिट गया यह बरसात इतने जख्म दे गई की जख्म तो भर जायेंगे पर निशान अमिट रहेंगे बरसात के कारण अब तक सेंकेड़ो लोग मारे जा चुके हैं जो बह गए अभी तक नहीं मिल सके हैं करोड़ो की सरकारी व निजी सम्पति बह गई लोगों की उम्र भर की कमाई खत्म हो गई लोगों क़ो सड़को पर राते गुजारने पड़ रही है पल भर मे सब कुछ बह गया द्य कारें व बसें भी बह गई,आलीशान घर पल भर मे बह गए द्य सदियों पुराने पुल बह गए प्रकृति कभी भेदभाव नहीं करती लेकिन जब मानव ने प्रकृति का सीना छलनी कर दिया तो प्रकृति ने मानव को सबक सीखा दिया द्य अवैध खनन के कारण नदियों व नालों का रास्ता बदल गया है लोगो ने नदियों के किनारे मकान बना दिए नतीजन अब भुगत रहे हैं द्य बरसात अपना रोद्र रूप इंसान को दिखा चुकी है भटक चुके मानव को उसकी औकात दिखा दी हैद्य मानव को भी छेड़छाड़ करना बंद कर देनी चाहिए द्य पिछले साल20अगस्त क़ो भी बहुत तबाही हुई थी मंडी के गोहर मे एक मकान के जमीदोज होने से आठ लोगो की मौत हो गई थी द्य जुलाई मे लगातार मूसलाधार बारिस हो रही है सड़कें बह रही है पहाड़ मे बादल फट रहे हैं लोग असमय मारे जा रहे हैं द्य अभी अगस्त माह बाकि है पता नहीं कुदरत क्या कहर ढाएगी । प्रशांसन भी सक्रिय है लोगों को सुरक्षित जगह पर आश्रय दें रहा है लोगों को भी सतर्क रहना चाहिए नदियों का जलस्तर भी काफ़ी हो चूका है लोग लापरवाही बरत रहे हैं और बह रहे हैं ऐसे लोगों पर कार्रवाई करनी चाहिए द्य मानव क़ो पहाड़ो से छेड़छाड़ बंद करनी होंगी ताकि आने वाले समय मे ऐसे हादसे रुक सके वक़्त अभी सभलने का है। अगर अब भी सबक नहीं सीखा तो ऐसी तबाही लगातर होती रहेगी। मानव क़ो चाहिए की अब ऐसी भूल मत करें नहीं तो कुदरत नामोनिशान मिटा देगी ।

राहुल गांधी की सजा पर रोक से इंडिया को मिली संजीवनी

डॉ श्रीगोपाल नारसन

राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब तक राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई पूरी नहीं हो जाती तब तक दोषसिद्धि व सजा पर रोक रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को अधिकतम सजा सुनाए जाने पर भी सवाल उठाए हैं।सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला राहुल गांधी, कांग्रेस पार्टी और विपक्षी गठबंधन इंडिया के लिए भी कई मायनों में संजीवनी देना वाला है।सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के साथ ही राहुल गांधी के लिए संसद के दरवाजे विधिक रूप से खुल गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के साथ ही राहुल की अयोग्यता भी समाप्त हो गई है और लोकसभा सचिवालय से सदस्यता बहाली होनी ही है। राहुल को संसद की सदस्यता के अयोग्य करार दिए जाने के बाद अगर वायनाड सीट पर उपचुनाव हो गए होते तब उनकी सदस्यता बहाल नहीं हो पाती। वायनाड में अभी तक उपचुनाव नहीं हुए हैं,इसलिए राहुल गांधी ही संसद सदस्य बने रहेंगे।राहुल गांधी को संसद की सदस्यता समाप्त होने के बाद दिल्ली में अपना आवास भी खाली करना पड़ा था।राहुल गांधी के घर खाली करते समय कांग्रेस नेताओं ने मेरा घर राहुल गांधी का घर मुहिम छेड़ दी थी। अब संसद सदस्यता बहाल होने पर राहुल गांधी को दिल्ली में फिर से घर मिलेगा।इस फैंसले पर कांग्रेस में जश्न का माहौल है।सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के साथ ही राहुल गांधी के 2024 का चुनाव लड़ने की संभावनाओं पर छाए बादल भी छंट गए हैं।सुप्रीम कोर्ट से भी अगर राहुल को सजा और दोषी करार दिए जाने के निचली अदालत के फैसले पर रोक नहीं लगाई होती तो वे 2024 का लोकसभा चुनाव नहीं लड़ पाते। राहुल गांधी अब न सिर्फ संसद में लौटेंगे बल्कि 2024 के चुनाव में बतौर उम्मीदवार नजर आएंगे। मोदी सरनेम केस में सुप्रीम कोर्ट के फैसले से राहुल गांधी के सियासी करियर को संजीवनी मिल गई है। अब अविश्वास प्रस्ताव पर बहस के दौरान भी राहुल गांधी सदन में मौजूद रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद कांग्रेस पार्टी मोदी सरकार के खिलाफ और आक्रामक हो सकती है। 26 विपक्षी दलों के नए गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस यानि इंडिया के लिए भी राहुल पर आया फैसला संजीवनी देगा ।

करीब आधे भारतीयों की अपनी राय दी है कि विपक्षी दलों ने सन 2024 के लोकसभा चुनाव में एनडीए के खिलाफ चुनाव लड़ने के लिए 26 विपक्षी दलों के गठबंधन को जो इंडिया नाम दिया है वह विपक्ष की ब्रांडिंग का सही फैंसला है।इस सर्वे में पूछा गया कि क्या विपक्ष का अपने गठबंधन का नाम इंडिया रखने का फैसला सही है? जिसपर 48.6 प्रतिशत लोगों का कहना है कि विपक्ष का यह निर्णय एकदम सही है, जबकि 38.8 प्रतिशत लोगो का कहना है कि विपक्ष ने इंडिया नाम नही रखना चाहिए था।इस सर्वे में 2,664 लोगों से सर्वे टीम द्वारा सवाल पुछा गया था।विपक्षी दलों का समर्थन करने वाले और एनडीए का समर्थन करने वाले लोगों के बीच स्पष्ट मतभेद है,लेकिन विपक्ष का समर्थन करने वालो की संख्या कही ज्यादा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए से लड़ने के लिए विपक्षी दलों का गठबंधन बनाने के लिए नेताओं के कई महीनों से प्रयास चल रहे थे।आपसी सहमति बनाने के लिए विपक्षी दलों के नेताओं की लंबी बातचीत चली, क्योंकि इनमें से कई विपक्षी दल कुछ राज्यों में एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी भी हैं।जैसे आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दिल्ली के साथ-साथ पंजाब में भी आपस मे प्रतिद्वंद्वी हैं। इसी तरह, कांग्रेस और वामपंथी दल केरल में प्रतिद्वंद्वी हैं, जबकि वे पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ गठबंधन के रूप में लड़ते हैं। फिर भी संयुक्त विपक्ष की पहली सफल बैठक पटना में हुई , जिसमें 16 पार्टियां शामिल हुई थीं। जबकि बेंगलुरु में हुई विपक्षी दलों की बैठक में 26 पार्टियां एकजुट हो गईं। इस बैठक में सन 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपी व उसकी सहयोगी पार्टियों के गठबंधन एनडीए के विकल्प के रूप में आईएनडीआईए यानी इंडिया नामकरण कर विपक्षी एकता पर मुहर लगाई गई। संयुक्त विपक्ष की तीसरी बैठक मुंबई में निश्चित की गई है। विपक्षी दलों का प्राथमिक उद्देश्य करीब 400 लोकसभा सीटों पर बीजेपी के खिलाफ साझा उम्मीदवार खड़ा करना है, ताकि विपक्ष के वोट बंटने न पाएं। विपक्षी दलों की तीसरी बड़ी बैठक अब मुंबई में होने जा रही है।यह बैठक 15 अगस्त के बाद या फिर सितंबर के प्रथम सप्ताह में हो सकती है। बैठक की तारीख अभी निश्चित नहीं हुई है।लेकिन,तीसरी बैठक की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।जिसमे विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस यानि इंडिया में शामिल सभी दलों के नेताओं को आमंत्रित किया जा रहा है और उनसे समय मांगा जा रहा है। विपक्ष का कहना है कि इस बैठक में विपक्षी दलों के करीब 100 बड़े नेता भाग लेंगे। इससे पहले बेंगलुरु में विपक्षी दलों की बैठक में 26 पार्टियों के नेता शामिल हुए थे।यह पहली बार है कि विपक्षी दलों की बैठक ऐसे राज्य में होगी, जहां इंडिया यानि विपक्षी गठबंधन में शामिल कोई दल सत्ता में नहीं है। विपक्षी दलों की पहली बैठक बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनता दल यूनाइटेड ने पटना में आयोजित की थी, दूसरी बैठक बेंगलुरु में हुई थी, इसकी मेजबानी कांग्रेस ने की थी। अब मुंबई में बैठक की मेजबानी शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी के शरद पवार गुट और कांग्रेस द्वारा संयुक्त रूप से किए जाने की संभावना है।महाविकास अघाड़ी नेता 15 अगस्त के बाद महाराष्ट्र में दौरा करेंगे। राज्य में मौसम ठीक होने पर शरद पवार और उद्धव ठाकरे भी दौरा करेंगे। कांग्रेस नेताओं ने बैठक के लिए सितंबर के पहले सप्ताह का सुझाव दिया है, लेकिन तारीखें अभी तय नहीं हुई हैं। कांग्रेस और एनसीपी नेताओं ने यशवंतराव चव्हाण केंद्र में उक्त बाबत एक बैठक की है। इस बैठक में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले, विधायक कांग्रेस दल के नेता बालासाहेब थोराट, पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल, प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष पूर्व मंत्री नसीम खान, शशिकांत शिंदे, संग्राम थोपटे, ए. रोहित पवार, सुनील भुसारा और अन्य उपस्थित रहे।राज्य में महाविकास अघाड़ी एक मजबूत संगठन है। शरद पवार, उद्धव ठाकरे और कांग्रेस पार्टी भी राज्य भर में बैठकें करेगी। इस बैठक में टिकट बंटवारे को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी चार-पांच बैठकें कर चुकी है।नाना पटोले ने कहा कि जब तीनों दल एक साथ बैठेंगे और चर्चा करेंगे तो सीट आवंटन और उम्मीदवार चयन पर चर्चा होगी।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि गठबंधन के संयोजक की नियुक्ति के लिए 11 सदस्यीय समिति बनाई जाएगी।खड़गे ने अलग-अलग मुद्दों के समाधान के लिए विशिष्ट समितियों के गठन के साथ-साथ चुनावी अभियान प्रबंधन के लिए दिल्ली में एक कार्यालय बनाए जाने का ऐलान किया है। उन्होंने राज्य स्तर पर कुछ सदस्यों के बीच मतभेदों को स्वीकार किया था, लेकिन कहा था कि ये मतभेद वैचारिक नहीं है। लोगों की भलाई के लिए इन्हें दूर किया जा सकता है।2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को हराने के लिए विपक्षी मोर्चा इंडिया नाम से अब लामबंदी में जुटा है।वही विपक्षी गठबंधन इंडिया के 26 राजनीतिक दलों ने हिंसा प्रभावित मणिपुर का दौरा कर वहां के हालात देश के सामने लाने का मन बना लिया है। शीघ्र ही विपक्ष का गठबंधन हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करेगा। फिलहाल दौरे की तारीख तय नहीं की गई है, लेकिन यह फैसला कर लिया गया है कि प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ऐसे राजनीतिक दल करेंगे, जिनकी मणिपुर में अच्छी-खासी पकड़ है। विपक्षी दलों के नए संगठन इंडिया यानि इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इन्क्लूसिव अलायंस की टैगलाइन जीतेगा भारत रखी गई।इंडिया गठबंधन में कांग्रेस, टीएमसी, शिवसेना (उद्धव गुट), एनसीपी (शरद पवार गुट), सीपीआई, सीपीआईएम, जदयू, डीएमके, आम आदमी पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा, आरजेडी, समाजवादी पार्टी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी, आरएलडी, सीपीआई (एम एल), इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, केरल कांग्रेस (एम), मनीथानेया मक्कल काची (एम एम के), एमडीएमके, वीसीके, आरएसपी, केरला कांग्रेस, केएमडीके, एआईएफबी, अपना दल कमेरावादी शामिल हैं। लेकिन जिन अधिक लोकसभा सीटों वाले राज्यों से केंद्र की सरकार बनती है, वहां पर नीतीश कुमार को छोड़कर अन्य किसी नेता या उसकी पार्टी का 5 प्रतिशत भी प्रभाव नहीं है।

80 सीटों वाले उत्तर प्रदेश, 40 सीटों वाले बिहार, 29 सीटों वाले मध्यप्रदेश, 25 सीटों वाले राजस्थान, 14 सीटों वाले झारखंड, 11 सीटों वाले छत्तीगढ़ और 5 सीटों वाले उत्तराखंड राज्य में इंडिया यानि विपक्षी गठबंधन फिलहाल सीटों की दृष्टि से बेहद कमजोर है। बीजेपी ने इन सभी राज्यों में पीएम मोदी के दम पर परचम लहराया था। यहां तक की बीजेपी ने तेलंगाना में भी सेंध लगाकर पिछले चुनाव में 4 सीटें जीत ली थीं। इसके अलावा, तेलंगाना में केसीआर अलग राह पर हैं तो वह भी विपक्षी गठबंधन के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं।अगर 2019 के लोकसभा चुनाव पर नजर डाली जाए तो भाजपा प्रभावित राज्यों में बीजेपी ने कुल 204 सीटों में 156 सीटें जीती हुई हैं।हालांकि बिहार को छोड़ दें तो कहीं भी बीजेपी का वोट परसेंट 50 या उससे अधिक ही रहा है।इसमें राजग के गठबंधन के साथी शामिल नही हैं।नीतीश कुमार के जदयू ने बिहार में 16 सीटें हासिल की थीं, जबकि रामविलास पासवान की लोकजन शक्ति पार्टी ने 6 सीटें जीती थीं। उत्तर प्रदेश में अपना दल को 2 सीटें मिली थीं।2014 के लोकसभा चुनाव से तुलना की जाए तो बीजेपी का प्रदर्शन सीटों और वोट परसेंट दोनों में मामले में 2019 में सुधरा था।जबकि उत्तर प्रदेश में 2014 की तुलना में सीटों में गिरावट आई थी। 2014 में बीजेपी को 71 सीटें मिली थीं, जबकि 2019 में 62 मिलीं थी,यहां बीजेपी को 9 सीटों का नुकसान झेलना पड़ा था। इंडिया गठबंधन में कुल 26 दल शामिल हैं।जिसे देखते हुए बीजेपी नेतृत्व वाले एनडीए ने भी घटक दलों की संख्या बढ़ाते हुए 38 कर दी है। इंडिया और एनडीए दोनों में कई ऐसे दल भी शामिल हैं जिनके पास एक भी लोकसभा सीट नहीं है।इंडिया गठबंधन में शामिल 5 ऐसे दल हैं जिनका एक भी सांसद नहीं है। टीएमसी के सांसद डेरेक ओब्रायन की मानें तो दिल्ली में एनडीए की ओर से मीटिंग में बुलाए गए 30 दलों में से 8 ऐसे थे जिनका एक भी सांसद नहीं है। इसके अलावा 9 पार्टियां ऐसी थीं जिनका सिर्फ एक सांसद है, जबकि तीन पार्टियों के लोकसभा में मात्र 2 सांसद हैं।इसके बावजूद अपने क्षेत्र में उनका वोट बैंक होने के नाते उन्हें गठबंधन में शामिल किया गया है। साथ ही ममता बनर्जी की सारी ताकत पश्चिम बंगाल तक सीमित है। उसमें भी बीजेपी ने लोकसभा चुनाव में 40 प्रतिशत से अधिक वोट बैंक की सेंध लगा दी थी। हालांकि पंचायत चुनाव में ममता की टीएमसी का वोट बैंक 51 प्रतिशत तक पहुंच गया । ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी ने पिछले लोकसभा चुनाव में 42 में से सिर्फ 24 सीटें प्राप्त की थीं, जबकि बीजेपी ने 18 सीटें हासिल की थीं।इसलिए पश्चिम बंगाल में इंडिया गठबंधन भाजपा पर भारी कहा जा सकता है। कांग्रेस की उत्तराखंड इकाई के द्वारा राज्य में मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाते हुए की गई 'स्वाभिमान न्याय यात्रा का समापन किया। इस यात्रा का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करण माहरा ने किया ।उत्तराखंड में कांग्रेस का मार्च, चुनावी तैयारियों को धार देने के लिए निकाला गया। कांग्रेस ने अंकिता भंडारी हत्या मामले में मृतका के लिए न्याय की मांग की और अग्निवीर भर्ती योजना को भी वापस लिए जाने की मांग को लेकर विरोध मार्च निकाला ।विरोध मार्च प्रदेश भर में 150 किलोमीटर से अधिक की यात्रा पूरी करने के बाद कोटद्वार में समाप्त हुआ। 'स्वाभिमान न्याय यात्रा की शुरूआत 17 जुलाई को पौड़ी से हुई थी और पांच जिलों से गुजरने के बाद इसका समापन हुआ। छह दिवसीय इस यात्रा के दौरान दो जनसभाएं और 10 नुक्कड़ बैठकें की गयी।उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता भुवन चंद्र खंडूरी के कांग्रेसी पुत्र मनीष खंडूरी ने कहा कि यात्रा का मकसद अंकिता भंडारी के लिए न्याय, अग्निवीर योजना को वापस लेने तथा भर्तियों में हुए घोटलों के मुद्दों को उठाना है और इस यात्रा को लोगों का जबरदस्त समर्थन मिला है। पौड़ी के वनंत्रा रिजॉर्ट में अंकिता की पिछले साल सितंबर में रिजॉर्ट संचालक पुलकित आर्य ने अपने दो कर्मचारियों के साथ मिलकर कथित तौर पर हत्या कर दी थी। आरोपी जेल में हैं और मामले में आरोप पत्र भी दाखिल कर दिया गया है लेकिन विपक्ष लगातार जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठा रहा है। अंकित भंडारी केस में बीजेपी नेता के बेटे समेत तीन आरोपी हैं। यह मुद्दा अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए परेशानी का कारण बन सकता है।बदली परिस्थितियों में ज्यो ज्यो लोकसभा चुनाव निकट आ रहे है ,मोदी सरकार के विरुद्ध असंतोष और विपक्ष के प्रति रुझान बढ़ता जा रहा है जिसमे सुप्रीम कोर्ट के इस फैंसले ने एनडीए के मुकाबले इंडिया को संजीवनी दे दी है।

मित्रता दिवस - जानें कैसे जिंदगी बचाती है

मित्र एक ऐसा संगी साथी होता हैं जिससे अपनी अंतरंगता की बात की जासकती हैं। मित्र बनाने के लिए पहले सही मित्र की परख होना चाहिए, मित्रता की योग्यता भी होना चाहिए। मित्र घनिष्ठ भी होते हैं तो कुछ विघातक होते हैं तो कुछ कपटी भी होते हैं। पहले इनकी परख होना चाहिए। बचपन की दोस्ती पारिवारिक होती हैं तो छत्र जीवन की दोस्ती लम्बी होती हैं और नौकरी या व्यवसाय की दोस्ती अधिकांश स्तरीय होती हैं, अंतरराष्ट्रीय मित्रता दिवस या फ्रैंडशिप डे हर वर्ष अगस?त के पहले रविवार को मनाया जाता है। सर्वप्रथम मित्रता दिवस 1958 को आयोजित किया गया था। विश्व मित्रता दिवस दोस्ती मनाने के लिए एक दिन है। यह दिन कई दक्षिण अमेरिकी देशों में काफी लोकप्रिय उत्सव हो गया था जबसे पहली बार 1958 में पराग्वे में इसे अंतर्राष्ट्रीय मैत्री दिवस के रूप में पहली बार मनाया गया था। शुरुआत में ग्रीटिंग कार्ड उद्योग द्वारा इसे काफी प्रमोट किया गया, बाद में सोशल नेटवर्किंग साइट्स के द्वारा और इंटरनेट के प्रसार के साथ साथ इसका प्रचलन, विशेष रूप से भारत, बांग्लादेश और मलेशिया में फैल गया। इंटरनेट और सेल फोन जैसे डिजिटल संचार के साधनों ने इस परंपरा को को लोकप्रिय बनाने में बेहद मदद की , विश्व मित्रता दिवस का विचार पहली बार 20 जुलाई 1958 को डॉ रामन आर्टिमियो ब्रैको द्वारा प्रस्तावित किया गया था 7 दोस्तों की इस बैठक में से, वर्ल्ड मैत्री क्रूसेड का जन्म हुआ था। द वर्ल्ड मैत्री क्रूसेड एक ऐसी नींव है जो जाति, रंग या धर्म के बावजूद सभी मनुष्यों के बीच दोस्ती और फैलोशिप को बढ़ावा देती है।तब से, 30 जुलाई को हर साल पराग्वे में मैत्री दिवस के रूप में ईमानदारी से मनाया जाता है और इसे कई अन्य देशों द्वारा भी अपनाया गया है।आजकल वाट्सएप फेसबुक जैसे सोशलमिडिया के वजह से ये और प्रसिद्ध हो रहा है॥

अगस्त के पहले संडे को फ्रेंडशिप डे मनाया जाता है। इस साल यह मौका 4 अगस्त को आने वाला है। दोस्ती अकेला ऐसा रिश्ता होता है जो स्वार्थ से परे होता है। एक-दूसरे पर जान छिड़ने वाले और दोस्त के लिए कुछ भी कर गुजरने वालों के लिए यह दिन बेहद खास होता है। दोस्तों से जिंदगी से खुशहाल होती है, यह कहावत तो हम सभी ने सुनी होगी। मगर हम यह नहीं जानते थे कि दोस्ती हमें कुछ गंभीर रोगों से भी बचाती है और यह बात वैज्ञानिक तौर पर साबित भी हो चुका है। इसलिए लंबी जिंदगी पाने के लिए दोस्त बनाइए। वो भी एक या दो नहीं बल्कि दोस्तों का एक बड़ा ग्रुप होना चाहिए। जिनका सोशल सर्किल बड़ा और अच्छा होता है, उनकी उम्र अकेले रहने वाले लोगों की तुलना में ज्यादा होती है। एक्ससरसाइज की तुलना में उम्र दो गुना लंबी हो जाती है।

सेहत और दोस्ती का गजब कनेक्शन

हैरान होने वाली बात नहीं है। बीते साल हुए एक शोध में यह बात साबित हुई है कि बड़ा या अच्छा फ्रेंड सर्किल अच्छी सेहत की भी गारंटी देता है। इस रिसर्च में कहा गया था कि फ्रेंड सर्किल अच्छा या बड़ा होने से उम्र के साथ याद्दाश्त की कमी यानी डिमेंशिया की आशंका कम होती है। व्यक्ति सेहतमंद रहता है। हॉर्मोन संतुलित रहने के साथ-साथ ब्लड प्रेशर भी सामान्य रहता है। इससे दिल और दिमाग दोनों स्वस्थ रहते हैं।

दोस्ती में न गिनें नंबर

बहुत सारे दोस्त बनाएं ताकि मन की बात किसी से भी शेयर कर सकें। जिनसे विचार मिलते हैं, उनसे जरूरत पड़ने पर मदद लें। हिचकिचाएं नहीं। मदद मांगने और मदद करने से रिश्ते मजबूत होते हैं दुख-सुख में साथ रहें, हेल्प करें।

एंग्जाइटी और डिप्रेशन होगा कम

दोस्तों के साथ रहने से सेंस ऑफ सिक्योरिटी बनी रहती है। दोस्तों से बार-बार मिलने पर मन की बातें शेयर करते हैं। दोस्तों के साथ बहस करने से राहत महसूस होती है। इससे मेंटल ग्रोथ होती और भावनात्मक जुड़ाव आता है। बार-बार मिलने से एंग्जाइटी और डिप्रेशन कम होता है। स्ट्रेस से संबंधित डायबिटीज, थायरॉइड और दिल की बीमारी होने की संभावना कम होती है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इससे आयु लंबी होती है।

संमैत्री की प्राप्तिसम, कौन कठिन हैं काम !
उस समान इस विश्व में, को कवच बलधाम !!

जगत में ऐसी कौन सी वस्तु हैं जिसका प्राप्त करना इतना कठिन हैं जितना की मित्रता का ?और शत्रुओं से रक्षा करने के लिए मित्रता के समान अन्य कौन सा कवच हैं ?

मैत्री होती श्रेष्ठ की,बढ़ते चंद्र समान !
ओछे की होती वही, घटते चंद्र समान !!

योग्य पुरुष की मित्रता बढ़ती हुई चन्द्रकला के समान हैं, पर मूर्ख की मित्रता घटते हुए चन्द्रमा के सदृश्य हैं।

जन्म हो वर वंश में, और जिसे अघभीति !
देकर के कुछ मूल्य भी, करलो उससे प्रीति !!

जिस पुरुष का जन्म उच्च कुल में हुआ हो और जो अपयश से डरता हैं उसके साथ, आवश्यकता पड़े तो मूल्य देकर भी मित्रता करनी चाहिए।

एक हृदय सन्मित्र का, सच्चे तजें न साथ !
नाश हेतु होवें भले, चाहे उसका साथ !!

सच्चा मित्र अपने अभिन्न मित्र को नहीं छोड़ सकता, भले ही वह उसके विनाश का कारण क्यों न हो।

स्वार्थी और खुशामदी, इनकी प्रीती असाधु !
शत्रुघृणा उससे कहीं, है असह्य भी साधु !!

चाटुकार और स्वार्थी लोगों की मित्रता से शत्रुओं की घृणा सौगुनी अच्छी हैं।

मित्रभाव तो शत्रु का अहो निहाई जान !
पीटेगा वह काल पा, तुमको धातु समान !!

जो मित्रता, शत्रु दिखाता है वह केवल निहाई हैं जिसके आश्रय से मौका मिलने पर वह तुम्हे लोहे के समान पीट देगा।

मैत्री सेव या त्वकचित्तता।
एक चित्त हो जाना ही मित्रता हैं
मित्रों के अप्रिय वचन भी औषधि के समान ग्राह्य हैं।
छिद्रान्वेषी शत्रु अपकार किये बिना नहीं रहते।
इसीलिए मित्र कम बने पर ज्ञानवान, हितकारी और मार्गदर्शक हो।

मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है। शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की। आत्मनिर्माण करने वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृष्ट विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना ही स्वाध्याय है। यदि सुलझे हुए विचारों के जीवन विद्या के ज्ञाता कोई संभ्रांत सज्जन उपलब्ध हो सकते हों तो उनका सत्संग भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कुछ करना-बोलना चाहता है। यदि दिशा न दी जाए तो उसकी क्रियाशीलता तोड़-फोड़ एवं गाली-गलौज के रूप में भी सामने आ सकती है।

मन में जब सद्विचार भरे रहेंगे तो कुविचार भी कोई दूसरा रास्ता टटोलेंगे। रोटी और पानी जिस प्रकार शरीर की सुरक्षा और परिपुष्टि के लिए आवश्यक हैं उसी प्रकार आत्मिक स्थिरता और प्रगति के लिए सद्विचारों, सद्भावों की प्रचुर मात्रा उपलब्ध होनी ही चाहिए। युग निर्माण के लिए, आत्म निर्माण के लिए वह प्रधान साधन है। संकल्प की, मन की शुद्धि के लिए इसे ही दवा माना गया है।

वसुंधरा को नहीं मिलेगी राजस्थान की कमान

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान विधानसभा के चुनाव होने में चार महीने से भी कम का समय रह गया है। सभी राजनीतिक दल अपनी चुनावी तैयारियों में जुट गए हैं। प्रदेश में सत्तारूढ़ कांग्रेस व भाजपा ने भी अपना सांगठनिक ढांचा मजबूत बना लिया है। मंडल, ब्लॉक, जिला से लेकर प्रदेश कार्यकारिणी का गठन हो चुका है। कांग्रेस पार्टी चुनाव में जाने को पूरी तरह तैयार नजर आ रही है। ऐसे में भाजपा भी जोरो से चुनावी तैयारियां कर रही है। भाजपा के बड़े नेता चाहते हैं कि राजस्थान में हर बार राज बदलने की परंपरा को इस बार भी कायम रखा जाए। उसी परंपरा के तहत प्रदेश में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनाई जाए। इस बार के चुनाव में भाजपा पहले से हटकर कुछ नया करने जा रही है। भाजपा द्वारा राजस्थान विधानसभा के अब तक लडे गये सभी चुनावों में पार्टी एक नेता का नाम घोषित कर उनके चेहरे पर चुनाव लड़ती रही थी। पहले भैरोंसिंह शेखावत राजस्थान में भाजपा के चेहरे हुआ करते थे। उनके बाद 2003 से लेकर 2018 तक के चुनाव में वसुंधरा राजे को नेता घोषित कर पार्टी चुनाव लड़ती रही थी। मगर इस बार के चुनाव में ऐसा नहीं होगा। इस बार भाजपा आलाकमान ने पूरे चुनाव एक नए अंदाज में लड़ने का फैसला किया है। भाजपा इस बार राजस्थान के किसी भी नेता को पार्टी का चेहरा घोषित कर चुनाव नहीं लड़ेगी। पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ेगी। इस का खुलासा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजस्थान दौरे के दौरान सीकर मीटिंग में पूरी तरह हो चुका है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा हाल ही में घोषित की गई राष्ट्रीय कार्यकारिणी में वसुंधरा राजे को फिर से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। यह इस बात का संकेत है कि उनको राजस्थान की राजनीति से हटाकर राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय किया जाएगा। हालांकि वसुंधरा राजे पिछले लंबे समय से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनी हुई है। मगर उनके पास दिल्ली में पार्टी की कोई भी जिम्मेदारी नहीं है। पिछले दिनों जरूर उनको झारखंड की चार लोकसभा सीटों पर भेजकर पार्टी के पक्ष में प्रचार करवाया गया था। उसके अलावा उन्होंने आज तक राष्ट्रीय स्तर पर किसी भी प्रकार की भूमिका नहीं निभाई है। वसुंधरा राजे स्वयं राजस्थान नहीं छोड़ना चाहती है। उनके समर्थक भी चाहते हैं कि राजे प्रदेश की राजनीति में ही सक्रिय रहें। ताकि अगले विधानसभा चुनाव के बाद उन्हें फिर से मुख्यमंत्री बनने का मौका मिल सके। मगर भाजपा आलाकमान किसी भी स्थिति में ऐसा नहीं होने देना चाहता है। इसीलिए पार्टी ने फैसला किया है कि बिना नेता के ही चुनाव मैदान में उतर कर चुनाव लड़ेंगे। भाजपा राजस्थान में कांग्रेस सरकार के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर का फायदा उठाकर भ्रष्टाचार के मुद्दे को हवा देना चाहती है। राजस्थान में पेपर लीक प्रकरण, राजस्थान लोक सेवा आयोग प्रकरण, शिक्षक भर्ती घोटाला व अन्य कई मुद्दों को हवा देकर भ्रष्टाचार को मुख्य मुद्दा बनाना चाहती है। ऐसे में यदि भाजपा वसुंधरा राजे को चेहरा बनाकर चुनाव लड़ती है तो कांग्रेस का भ्रष्टाचार का मुद्दा तो समाप्त हो जाएगा। वसुंधरा राजे के आगे आते ही कांग्रेस भाजपा का हथियार उन्हीं के खिलाफ प्रयोग में ला सकती है। इसी डर से भाजपा आलाकमान वसुंधरा राजे को आगे नहीं कर रहा है। वसुंधरा राजे के मुख्यमंत्री रहते उनकी सरकार के भ्रष्टाचार के बहुत से मामले उजागर हुए थे। कांग्रेस नेता सचिन पायलट तो अभी भी वसुंधरा राजे सरकार के दौरान हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच की मांग करते आ रहे हैं। वसुंधरा राजे पर मुख्यमंत्री रहते एक चौकड़ी से घिरे रहने के आरोप भाजपा के ही नेता लगाते रहे थे। वही पुरानी चौकड़ी आज भी वसुंधरा राजे के चारों तरफ नजर आ रही है। वसुंधरा समर्थक कालीचरण सर्राफ, यूनुस खान, भवानी सिंह राजावत, रोहिताश शर्मा, देवी सिंह भाटी, अशोक परनामी, प्रताप सिंह सिंघवी, प्रह्लाद गुंजल, अशोक लाहोटी, सिद्धि कुमारी, रामचरण बोहरा जैसे नेता आज भी उनको घेरे रहते हैं। इससे वसुंधरा राजे की आम जनता में नकारात्मक छवि बन चुकी है। वसुंधरा राजे समर्थकों ने तो दो साल पहले वसुंधरा राजे विचार मंच नामक एक संगठन बनाकर प्रदेश में भाजपा के समानांतर संगठन चलाने का भी प्रयास किया था। मगर उसे ज्यादा समर्थन नहीं मिलने के कारण वह संगठन निष्क्रिय सा हो चुका है।

पिछले विधानसभा चुनाव में तो वसुंधरा राजे के खिलाफ जनता का आक्रोश इतना अधिक हो गया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में आयोजित चुनावी जनसभाओं में जनसमूह मोदी तुझसे बैर नहीं वसुंधरा तेरी खैर नहीं के नारे लगाता था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के धुआंधार प्रचार के बावजूद भी 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को राजस्थान में करारी हार का सामना करना पड़ा। भाजपा 163 से घटकर 73 विधानसभा सीटों पर सिमट गई थी। यानी भाजपा को उन 90 विधानसभा क्षेत्रों में हार का सामना करना पड़ा था जहां उनके प्रत्याशी 2013 के विधानसभा चुनाव में जीते थे। 2018 के चुनावी सभाओं में प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं देखा था वसुंधरा राजे के खिलाफ आमजन में कितना आक्रोश व्याप्त है। उसी के चलते 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने वसुंधरा राजे को चुनावी प्रचार से दूर ही रखा था। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभाओं में भी वसुंधरा राजे शामिल नहीं होती थी। 2019 में भाजपा ने लगातार दूसरी बार प्रदेश की सभी 25 लोकसभा सीटें जीती थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के सभी बड़े नेताओं का मानना है कि प्रदेश में आज भी वसुंधरा राजे की नकारात्मक छवि से भाजपा को नुकसान हो सकता है। इसीलिए उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में लाकर दूसरे प्रदेशों में प्रचार करवाया जाए। राजस्थान की राजनीति में वसुंधरा राजे का पिछली बार सबसे अधिक विरोध उनके राजपूत समाज ने ही किया था। आनंदपाल एनकाउंटर के चलते राजपूत समाज खुलकर वसुंधरा राजे के खिलाफ हो गया था। जिसका उन्हें खामियाजा भी चुकाना पड़ा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछले दिनों प्रदेश में संपन्न हुई जनसभाओं में भी वसुंधरा राजे को बोलने का अवसर नहीं मिल रहा है। इसका भी सीधा-सीधा संदेश है कि पार्टी उन्हें प्रदेश की राजनीति में ज्यादा तवज्जो नहीं देना चाहती है। विधानसभा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा वसुंधरा राजे का खुलकर आभार जताने के बाद प्रदेश की जनता को गहलोत वसुंधरा के मिलीभगत की राजनीति का भी पता चल गया। वैसे भी वसुंधरा राजे विपक्ष की राजनीति में अधिक सक्रिय नहीं रहती है। पूर्व मुख्यमंत्री होने के नाते उनको लगातार प्रदेश में घूम-घूम कर पार्टी को मजबूत करना चाहिए था उस समय वसुंधरा राजे अपने को धौलपुर महल तक ही सीमित कर लेती है। ऐसी कई बातें हैं जिनके चलते वसुंधरा राजे को प्रदेश की राजनीति से दूर किया जा रहा है। वह पार्टी से विद्रोह नहीं कर सके इसके लिए उन्हें राष्ट्रीय कार्यकारिणी में भी बनाए रखा गया है।

वसुंधरा राजे अब कितना भी जोर लगा ले उनको नेता घोषित नहीं किया जाएगा। वह चाहती है कि उन्हें चुनाव समिति या प्रचार समिति का ही अध्यक्ष बना दिया जाए। मगर मौजूदा परिस्थितियों से ऐसा लगता है कि भाजपा आलाकमान उन्हें शायद ही प्रदेश में कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दे। उनको बैलेंस रखने के लिए उनके समर्थक किसी नेता को चुनाव के दौरान महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा सकती है। मगर मौजूदा परिस्थिति में वसुंधरा राजे का प्रदेश में नेता बनना मुश्किल ही नहीं असंभव सा नजर आ रहा है।

नूंह की साम्प्रदायिक हिंसा षड्यंत्र और सुनियोजित साजिश का हिस्सा प्रतीत हो रही है

ललित गर्ग

नियंत्रण से बाहर होती हमारी व्यवस्था हमारे लोक जीवन को अस्त-व्यस्त कर रही है। प्रमुख रूप से गलती राजनेताओं और सरकार की है। कहीं, क्या कोई अनुशासन या नियंत्रण है? निरंतर साम्प्रदायिकता का दावानल फटता रहता है। हरियाणा के जिला नूंह में धार्मिक शोभायात्रा पर पथराव के बाद भड़की साम्प्रदायिक हिंसा ने जो विकराल रूप लिया है वह भयावह एवं चिन्ताजनक तो है ही, यह सवाल भी छोड़ता है कि कानून-व्यवस्था को चुनौती देते हुए साम्प्रदायिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाने की ऐसी घटनाएं आखिर थम क्यों नहीं रही हैं? क्यों प्रशासन अराजक तत्वों के आगे इतना बेबस हो जाता है? क्यों चुनावों से पहले ही ऐसी अराजक एवं साम्प्रदायिक शक्तियां सक्रिय होकर देश की शांति एवं सौहार्द की स्थितियों को तार-तार करने लगती हैं? क्यों नफरती, घृणा एवं द्वेष के भड़काव भाषणों पर नियंत्रण का बांध नहीं बांधा जाता? क्यों बार-बार सुप्रीम कोर्ट से इस तरह की हिंसा, आगजनी एवं साम्प्रदायिकता के खिलाफ गुहार लगानी पड़ती है? अगर हर बार हिंसा रोकने के लिये गुहार न्यायपालिका से करनी पड़े, तो विधायिका एवं कार्यपालिका की सार्थकता कितनी रह जाती है? इन प्रश्नों के अलावा मूल प्रश्न है कि आखिर नूंह की घटना ने समूचे हरियाणा को हिंसा की आग में क्यों और किस तरह झोंक दिया और इसका जिम्मेदार कौन है?

नूंह की साम्प्रदायिक हिंसा एक षड्यंत्र एवं सुनियोजित साजिश थी। इस हिंसा के मामले में आवश्यकता इसकी भी है कि उसके पीछे के कारणों की तह तक जाया जाए, क्योंकि इतनी भीषण हिंसा बिना किसी सुनियोजित साजिश के नहीं हो सकती। नूंह में भयावह साम्प्रदायिक उन्माद एवं हिंसा में जलाभिषेक यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के साथ पुलिस को निशाना बनाया गया, बड़े पैमाने पर आगजनी, गोलीबारी और लूटपाट हुई, तभी इसके प्रतिक्रियास्वरूप अन्य इलाकों में हिंसा हुई, जिससे बचा जा सकता था। एक वर्ग विशेष में इस तरह की हिंसा को जानबूझकर दावानल बनने दिया जा रहा है, जिसका विस्फोट कभी हरियाणा तो कभी दिल्ली, कभी राजस्थान तो कभी अन्य प्रांतों में होता रहता है, जिसमें राजनीतिक दलों के अलावा, बुद्धिजीवी वर्ग एवं मीडिया की सक्रिय भूमिका है। इन पर नियंत्रण के लिये जरूरत सख्त कदम उठाने की हैं। नूंह हो या दिल्ली, किसी भी दोषी को बचाने की जरूरत नहीं है। हम आज एक अराजक एवं उन्मादी तत्व को बचायेंगे तो कल ऐसे दस पैदा हो जायेंगे। इसके लिये उत्तर प्रदेश का योगी मॉडल ही कारगर है। साम्प्रदायिक तनाव एवं हिंसा की हर घटना के बाद एहतियाती उपाय भी खूब होते हैं लेकिन इस अहम सवाल का जवाब हमेशा बहुत पीछे छूट जाता है कि आखिर दंगों की ऐसी आग, आए दिन देश के अलग-अलग हिस्सों को क्यों झुलसाने लगी है?

दूसरा सवाल यह भी कि ऐसी साम्प्रदायिक हिंसा के लिए दोषी किसे ठहराया जाए? नूंह के मामले को भी बारीकी से समझा जाए तो लगता है कि प्रशासन और पुलिस ने इस धार्मिक जुलूस को लेकर सोशल मीडिया पर हो रही बयानबाजी को गंभीरता से नहीं लिया। संवेदनशील इलाकों में धार्मिक जुलूस की अनुमति देने से पहले जो पड़ताल की जानी चाहिए वह आखिर क्यों नहीं की गई? नूंह ही नहीं, बल्कि ऐसे सभी मामलों में सरकार में बैठे लोगों को इन सवालों के जवाब गंभीरता से तलाशने होंगे। एक बात और, ऐसे दंगों के बाद राजनेताओं और धर्म के ठेकेदारों के बयानों पर भी नजर रखनी होगी जो बेवजह समुदायों को उकसाने का काम करते हैं। हेट-स्पीच का बढ़ता प्रचलन ऐसी साम्प्रदायिक हिंसा को भड़काने का मूल कारण है। न जाने कितने नफरती भाषण ऐसे रहे, जिनमें किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। नूंह की हिंसा के मामले में इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि भड़काऊ भाषण दोनों पक्षों की ओर से दिए गए। स्पष्ट है कि दोनों पक्षों के खिलाफ बिना किसी भेदभाव कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। यह कार्रवाई ऐसी होनी चाहिए कि नफरती तत्वों को जरूरी सबक मिले। कई बार तो घोर आपत्तिजनक और भड़काऊ भाषण को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का आवरण पहना दिया जाता है। भड़काऊ भाषणों पर कार्रवाई के मामले में दोहरे मानदंड समस्या को बढ़ाने वाले ही सिद्ध हो रहे हैं। यह जो साबित करने की कोशिश हो रही है कि ऐसे भाषण केवल किसी एक विशेष समूह या विचारधारा से जुड़े लोग ही दे रहे हैं, वह एक शरारती एजेंडा है और उसे बेनकाब करने की आवश्यकता है। क्योंकि हिंसा करने वाले दोषी लोगों से ध्यान हटाने यह एक जरिया है। देश में दंगों की आग कब और कहां भड़क जाए, यह कोई नहीं जानता। खास तौर पर धार्मिक जुलूस निकालने को लेकर छिड़ा कोई विवाद जब साम्प्रदायिक तनाव में बदल जाए तो फिर हिंसा की आग बेकाबू होते देर नहीं लगती। यह सवाल इसलिए भी जरूरी है क्योंकि ऐसी घटनाओं में हर बार जान-माल का भारी नुकसान सरकारी दस्तावेज में सिर्फ आंकड़ा बन कर ही रह जाता है। नूंह के दंगों की आग ने जो विकराल रूप लिया, उसके चलते वहां कर्फ्यू लगाने की नौबत आ गई है। हरियाणा के छह जिलों में निषेधाज्ञा लगाने के साथ-साथ हरियाणा से सटे राजस्थान के भरतपुर में भी अलर्ट जारी करना पड़ा है। नूंह दंगों की आंच गुरुग्राम तक जा पहुंची है जहां एक धार्मिक स्थल को भीड़ ने आग के हवाले कर दिया जिसमें एक जने की मौत हो गई, मौतें तो और भी हुई हैं। सब जानते हैं कि वोट बैंक पर कब्जा करने की राजनीति भी दंगों के पीछे छिपे कारणों में से एक रहती है। धर्म के नाम पर उन्माद से फायदा उठाने की चाह रखने वाले लोग ऐसे दंगों की आंच में भी अपनी सियासी रोटियां सेंकने से बाज नहीं आते हैं। दंगे भड़कने और हालात तनावपूर्ण हो जाने के बाद दंगों को दुर्भाग्यपूर्ण बताने और शांति की अपील करने मात्र से कुछ नहीं होने वाला। सरकारों को सख्त कदम उठाने ही होंगे। नियंत्रण से बाहर होती हमारी व्यवस्था हमारे लोक जीवन को अस्त-व्यस्त कर रही है। प्रमुख रूप से गलती राजनेताओं और सरकार की है। कहीं, क्या कोई अनुशासन या नियंत्रण है? निरंतर साम्प्रदायिकता का दावानल फटता रहता है। कोई जिम्मेदारी नहीं लेता-कोई दंड नहीं पाता। राजनीति संकीर्ण एवं सम्प्रदायीकरण, इसी का चरम बिन्दु है। अपराधी केवल वे ही नहीं जिनके दिलों में सम्प्रदायिक संकीर्णता का जहर घुला है। वे भी हैं जो लोकतंत्र को तोड़ रहे हैं या जिनके दिमागों में अपराध एवं उन्माद भावना है। उन्मादी एवं अपराधी नियंत्रण से बाहर हो गये हैं। साम्प्रदायिक सोच वाले व्यक्ति नियंत्रण से बाहर हो गए हैं। और सामान्य आदमी के लिए जीवन नियंत्रण से बाहर हो गया है। अगर हम राष्ट्रीय दृष्टिकोण से विचारें तो हमें स्वीकारना होगा कि बहुत-सी बातें हमारे नियंत्रण से बाहर होती जा रही हैं।

वर्तमान दौर की सत्ता लालसा की चिंगारी इतनी प्रस्फुटित हो चुकी है कि सत्ता के रसोस्वादन के लिए जनता और व्यवस्था को पंगु बनाने की राजनीति चल रही है। प्रश्न है कि राजनीतिक पार्टियां एवं राजनेता सत्ता के नशे में डूबकर इतने आक्रामक एवं गैरजिम्मेदार कैसे हो सकते हैं? जैसे-जैसे आम चुनाव नजदीक आते जा रहे हैं साम्प्रदायिकता की जहर उगलने वाली स्थितियां ज्यादा प्रभावी होती जा रही है। बिना मेहंदी लगे ही हाथ पीले करने की फिराक में सभी राजनीतिक दल जुट चुके हैं। सवाल यह खड़ा होता है कि इस अनैतिक राजनीति का हम कब तक साथ देते रहेंगे? इस पर अंकुश लगाने का पहला दायित्व तो हम जनता पर ही है। सत्ता से जुड़े एवं राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेंकने वाले साम्प्रदायिक सौहार्द एवं सद्भावना कायम करने में नकारा साबित हो रहे हैं इसलिये सुप्रीम कोर्ट की ओर से समाज को ऐसा कोई संदेश जाना चाहिए कि घृणा का जवाब घृणा, नफरत का जवाब नफरत और हिंसा का जवाब हिंसा नहीं हो सकती। सभी को यह समझना ही होगा कि शांति और सद्भाव का वातावरण ही उनके और देश के हित में है। यदि समाज अपने नैतिक और नागरिक दायित्वों को लेकर नहीं चेतता तो फिर चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरे लगाने से भी बात बनने वाली नहीं। इतने बड़े देश में यह काम आसानी से संभव भी नहीं। राष्ट्रीय जीवन में सौहार्द, शांति एवं सद्भावना ऐसी सम्पदाएं हैं कि अगर उन्हें रोज नहीं संभाला जाए या रोज नया नहीं किया जाए तो वे खो जाती हैं। कुछ सम्पदाएं ऐसी हैं जो अगर पुरानी हो जाएं तो सड़ जाती हैं। कुछ सम्पदाएं ऐसी हैं कि अगर आप आश्वस्त हो जाएं कि वे आपके हाथ में हैं तो आपके हाथ रिक्त हो जाते हैं। इन्हें स्वयँ जीकर ही जीवित रखा जाता है। आज हमारे पास ऐसा एक भी राजनेता नहीं है जो नफरत, घृणा एवं द्वेष की साम्प्रदायिक स्थिति से राष्ट्र को बाहर निकाल सके, राष्ट्रीय चरित्र को जीवित रखने का भरोसा दिला सके। डेढ़ अरब की यह निराशा कितनी घातक हो सकती है।

क्यों बन रहीं हैं हिंदू धर्म का मजाक उड़ाने वाली फिल्मों

आर.के. सिन्हा

आपको न जाने कितनी इस तरह की फिल्में मिल जाएंगी जिनमें हिंदू धर्म के देवी-देवताओं को अपमानित होते हुए या गलत तरीके से पेश किये जाते हुए दिखाया गया है। यह किनके इशारे पर हो रहा है ढ्ढ समझ नहीं आता कि अब हमारे यहां सार्थक फिल्में क्यों नहीं बनती? इसी तरह से बच्चों की पृष्ठभूमि पर फिल्में बनाना क्यों फिल्मकारों ने छोड़ दिया है? कुछ फिल्म वाले हिंदू धर्म और हिंदू धर्म के आराध्य देवी-देवताओं के साथ बार-बार खिलवाड़ करके पता नहीं क्या साबित करना चाहते हैं ? राम भारत की आत्मा में है। भारत की राम के बिना कल्पना तक भी नहीं की जा सकती। नवजात शिशु के कान में पहला शब्द राम ही बोला जाता है और शवयात्रा में 卐रामनाम सत्य है 卐 ही कहकर मृतात्मा को अंतिम विदाई डी जाती है ढ्ढ उन्हीं राम और रामायण को लेकर एक बेसिर पैर की फिल्म 'आदिपुरुष' बना दी जाती है और सहिष्णु हिन्दू चुपचाप बैठे रहते हैं । उस पर तगड़ा बवाल भी हुआ। सवाल ये है कि क्या सेंसर बोर्ड में खासमखास ओहदों पर बैठे ज्ञानियों ने 'आदि पुरुष' को देखा नहीं था? उन्होंने उसे प्रदर्शन की इजाजत कैसे दे दी? इसके संवाद एक दम घटिया हैं। अब आमिर खान की फिल्म 'पीके' को ही लें। इसमें भगवान शंकर के वेश में एक युवक को सड़कों पर बेताहशा दौड़ते हुए दिखाया गया था। क्या आमिर खान को यह दिखाना चाहिए था ? अब लीना मनिमेकलाई की फिल्म %काली% की बात कर लें। इसके पोस्टर में मां काली को सिगरेट पीते दिखाया गया है। क्या इससे हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंची? हिंदू धर्म और हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करना एक तरह से फैशन होता जा रहा है। यह सिर्फ हिन्दू समाज की सहिष्णुता की वजह से हो रहा है ढ्ढ जिस दिन हिन्दू भी 卐ईश निंदा卐 के मसले पर गंभीर हो जायेगा, तब हिन्दुओं का मजाक उड़ाने वालों का क्या होगा, यह सोचने की बात है जरा सोचिए कि जिस देश में 80 फीसद से अधिक हिंदू रहते हैं वहां पर ये गटर छाप फिल्में दिखाई जाती हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि कंट्रोवर्सी खड़ी करने के लिए जानबूझकर फिल्मों के कंटेट को हिंदू विरोधी बनाया जाता है। कुछ साल पहले अहमदाबाद के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट यानी आईआईएम ने एक अध्ययन किया था। उन्होंने दावा किया था कि बॉलीवुड की फिल्में हिंदू धर्म के खिलाफ लोगों के दिमाग में धीमा ज़हर घोल रही हैं। फिल्मों के शैदाइयों को कई अन्य फिल्में भी याद आ जाएंगी जिनमें कला की स्वतंत्रता के नाम पर करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई जाती रही। मैं यहां सलमान खान की फिल्म 'टाइगर जिंदा हैं' की खासतौर पर चर्चा करना जरूरी मानता हूं। इस फिल्म में पाकिस्तान की भारत विरोधी खुफिया एजेंसी इंटर सर्विस इंटेलीजेंस (आईएसआई) को भारत की हमदर्द एजेंसी के रूप में पेश किया गया था। तो क्या कुख्यात आईएसआई का हृदय परिवर्तन हो गया? क्या वह भारत की दोस्त और शुभचिंतक बन गई है? 'टाइगर जिंदा है' की संक्षेप में कहानी का सार यह है इराक में भारत की नर्सें कट्टरवादी इस्लामिक संगठन आईएसआईएस के कब्जे में आ गई हैं। उन्हें मुक्त करवाने के अभियान में भारत की सक्षम खुफिया एजेंसी रॉ का आईएसआई सहयोग करती है। इससे अधिक झूठ कुछ नहीं हो सकता। दिन को रात कहना कहां तक सही माना जाए? 'टाइगर जिंदा है' को दर्शकों ने बहुत पसंद किया था। फिल्म हिट हुई थी। उसने तगड़ा बिजनेस भी किया था। पर सवाल वही है कि क्या आप क्रिएटिव फ्रीडम की आड़ में कुछ भी दर्शकों को पेश कर देंगे? क्या सेंसर बोर्ड सोया हुआ था, जिसने 'टाइगर जिंदा है' को प्रदर्शन की अनुमति दे दी? कैसे इस फिल्म में आईएसआई को भारत के मित्र के रूप में दिखा दिया गया। आईएसआई का सारा इतिहास भारत में गड़बड़ और अस्थिरता फैलाने के उदाहरणों से अटा पड़ा है। पाकिस्तान को मालूम है कि वह सीधे युद्ध में भारत के सामने टिक नहीं सकता। कौन नहीं जानता कि मुंबई में 2008 में हुए खूनी आतंकवादी हमले और काबुल में भारतीय दूतावास को निशाना बनाकर किए गए विस्फोट के पीछे आईएसआई का ही हाथ था। ये दावा बीबीसी ने भी दो हिस्सों में प्रसारित अपने एक कार्यक्रम में किया था। इसे सीक्रेट पाकिस्तान नाम दिया गया था। पर हम उसे अपने यहां एक मानवीय एजेंसी के रूप में खड़ा कर रहे हैं। भारत में जाली करेंसी का धंधा करवाने की भी फिराक में हमेशा आईएसआई रहती है। नोटबंदी के कारण 500 और एक हजार के नोट बंद करने के ऐलान ने आईएसआई की नींद उड़ा दी थी।

भारत में करोड़ों लोग मनोरंजन के लिए फिल्में देखते हैं। क्या उन्हें 'पीके', 'टाइगर जिंदा है', 'काली', 'आदिपुरुष' जैसी फिल्में दिखाई जानी चाहिए? सेंसर बोर्ड को अधिक सजग होने की जरूरत है ताकि कोई कचरा फिल्म प्रदर्शित ना हो। फिल्में इस तरह की भी बने जो अंध विश्वास पर हल्ला बोलें और दर्शकों का स्वस्थ मनोरंजन करें। हमारी फिल्मों में फूहड़ता भरी होती है। उनमें से अधिकतर में कुछ संदेश नहीं होता। साफ है कि इस तरह की फिल्मों से कोई फायदा नहीं होने वाल। हमें श्याम बेनेगल जैसे दर्जनों फिल्मकार चाहिए जो सार्थक सिनेमा के प्रति प्रतिबद्ध हों। श्याम बेनेगल की आरम्भिक फ़िल्में अंकुर, निशांत और मंथन थीं। मनोरंजन और सामाजिक सरोकार के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश में बेनेगल ने अपनी बाद की फ़िल्मों कलयुग , जुनून , त्रिकाल और मंडी से ग्रामीण पृष्ठभूमि को छोड़कर नाटकीय और शहरी विषय-वस्तुओं पर फ़िल्में बनानी शुरू कीं। शेयाम बेनेगल जैसे कई और भी हमारे यहां फिल्मकार हैं। पर उनकी संख्या बहुत कम है। अब भी बुजुर्ग हो रहे हिन्दुस्तानियों को 'बूट पॉलिश', 'अब दिल्ली दूर नहीं' और 'जागृति' जैसी महान बाल फिल्में याद होंगी। ये सब कालजयी फिल्में थीं। पर अब कहां बनती है इस तरह की अमर फिल्में।

Nuh में अगर झगड़ा सिर्फ Hindu-Muslim का था तो दंगाइयों ने पुलिस को निशाने पर क्यों ले लिया ?

नीरज कुमार दुबे

हम आपको यह भी बता दें कि मेवात के गांवों में साइबर ठग तैयार करने के लिए ट्रेनिंग कोर्स भी करवाया जाता है। बताया जा रहा है कि ये कोर्स 50 हजार से लेकर एक लाख रुपये तक का होता है। लगभग सात दिन के गहन प्रशिक्षण के बाद ठग तैयार कर दिए जाते हैं। हरियाणा के नूंह में हुई हिंसा के मामले में गिरफ्तार किये गये लोग पुलिस के सामने जो कुछ कबूल कर रहे हैं वह काफी चौंकाने वाला है। बताया जा रहा है कि हिंसा के आरोप में गिरफ्तार किये गये लोगों ने यह स्वीकार किया है कि उन्होंने अवैध हथियारों से फायरिंग की थी। यही नहीं, जांच में यह बात भी सामने आ रही है कि हिंसा में रोहिंग्या भी शामिल थे। रोहिंग्याओं की भूमिका दिल्ली दंगों में भी सामने आयी थी। वैसे देखा जाये तो नूंह में हुई इस साम्प्रदायिक हिंसा में नुकसान हिंदू का भी हुआ है और मुसलमान का भी। लेकिन सवाल उठता है कि पुलिस को क्यों नुकसान पहुँचाया गया? इसका जवाब यह है कि दरअसल झारखंड के जामताड़ा की तरह हरियाणा का मेवात भी ऑनलाइन फ्रॉड करने वालों का अड्डा बनता जा रहा था इसलिए पुलिस यहां लगातार दबिश दे रही थी। पुलिस की दबिश और छापों के जरिये ऑनलाइन फ्रॉड करने वालों को काफी नुकसान हो रहा था इसलिए उनके मन में पुलिस के विरुद्ध काफी गुस्सा भरा हुआ था। सोमवार को विश्व हिंदू परिषद की जलाभिषेक यात्रा पर हमला करने के दौरान जब पुलिस श्रद्धालुओं के बचाव में उतरी तो उसे भी निशाने पर ले लिया गया। दो होम गार्ड जवानों की मौत होना, स।ह्व पर गोलीबारी और दर्जनों पुलिसकर्मियों को घायल करना दर्शाता है कि धार्मिक यात्रा के अलावा दंगाइयों का दूसरा सबसे बड़ा निशाना पुलिस थी। दरअसल साइबर ठगी के मामले में भारत का दूसरा सबसे बड़ा केंद्र बन चुके मेवात में पुलिस की कार्रवाइयों के चलते इन लोगों का धोखाधड़ी का धंधा चौपट हो रहा था। इन लोगों की करोड़ों रुपए की हेराफेरी पकड़ी जा चुकी थी। इस सबके चलते यहां के गांवों में पुलिस के खिलाफ आक्रोश देखने को मिल रहा था। इन लोगों को मौका उस दिन मिल गया जिस दिन विश्व हिन्दू परिषद की यात्रा निकली। दंगाइयों ने उपद्रव की आड़ में साइबर पुलिस स्टेशन को इसलिए बुरी तरह फूंक डाला ताकि उनके धोखाधड़ी के रिकॉर्ड जल जायें। बताया यह भी जा रहा है कि दंगाइयों ने अन्य पुलिस स्टेशनों को छोड़ कर सिर्फ साइबर पुलिस थाने को इसलिए निशाना बनाया ताकि गांव वालों के खिलाफ दर्ज एफआईआर समेत सारे रिकॉर्ड मिट जायें। बताया यह भी जा रहा है कि एक साइबर ठग सैकुल खान की हाल में पुलिस हिरासत में मौत हो गयी थी, इस बात को लेकर भी गांव वाले पुलिस के खिलाफ भड़के हुए थे इसलिए जैसे ही उनको मौका मिला उन्होंने अपना गुस्सा दिखा दिया। सैकुल खान के बारे में गांव वालों का कहना है कि वह पुलिस हिरासत में टॉर्चर के दौरान मारा गया जबकि पुलिस का कहना है कि 22 जुलाई को सैकुल को साँस लेने में दिक्कत आई थी जिसका अस्पताल से इलाज करवा कर फिर वापस थाने लाया गया था। 23 जुलाई को सैकुल को फिर साँस लेने में आ रही दिक्कत के चलते अस्पताल ले जाया गया जहाँ उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। हम आपको यह भी बता दें कि मेवात के गांवों में साइबर ठग तैयार करने के लिए ट्रेनिंग कोर्स भी करवाया जाता है। बताया जा रहा है कि ये कोर्स 50 हजार से लेकर एक लाख रुपये तक का होता है। लगभग सात दिन के गहन प्रशिक्षण के बाद ठग तैयार कर दिए जाते हैं। इस तरह की मीडिया रिपोर्टें हैं कि तैयार किए गए ठगों को बैंक अकाउंट खोलने के लिए नकली सिम कार्ड और डॉक्यूमेंट्स भी दिए जाते हैं। यहां पर जो कोर्स कराये जाते हैं उनमें %सेक्सटॉर्शन या हनीट्रैप वाला कोर्स सबसे महंगा बताया जाता है। इस कोर्स की अवधि भी सबसे ज्यादा यानि तीन महीने की है। यह भी बताया जाता है कि प्रशिक्षण हासिल करने के बाद अपराधी खेतों से काम करते हैं क्योंकि वहां फोन को ट्रैक कर पाना बहुत मुश्किल होता है। इस सबके चलते हालात ऐसे हो गये हैं कि मेवात को देशभर में साइबर अपराधों की राजधानी भी कहा जाने लगा है। हनी ट्रैप में फँसाना हो, वर्क फ्रॉम होम का प्रस्ताव देकर लोगों को फँसाना हो, बैंक खातों में ऑनलाइन फ्रॉड करना हो, ओएलएक्स या ऐसी ही किसी अन्य वेबसाइट पर सामान की खरीद-बिक्री के विज्ञापन देकर लोगों को फँसाना हो, यूट्यूब लाइक के जरिये लोगों को घर बैठे कमाई के ऑफर देकर उनके पैसे हड़पने हों या ओटीपी पूछकर पैसे निकालने हों...ऐसे सारे खेल मेवात से ही चलते हैं। बहरहाल, अब हरियाणा सरकार इन आर्थिक अपराधियों को बख्शने के मूड़ में नहीं है। इस इलाके में स्लमों पर बुलडोजर चलवा दिया गया है। बताया जा रहा है कि देश के कई भागों से आकर यहां लोग बस जाते थे और आर्थिक तथा अन्य प्रकार के अपराध करते थे।

संक्षिप्त समाचार

पूर्वदशम् छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

बहराइच। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कक्षा 09 व 10 में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिए संचालित पूर्वदशम् छात्रवृत्ति योजना अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में आनलाइन आवेदन सहित अन्य प्रक्रियाओं के लिए रोस्टर का निर्धारण कर दिया गया है। निर्धारित रोस्टर के अनुसार पूर्वदशम् कक्षाओं में अध्ययनरत सभी वर्ग के छात्र-छात्राएं 10 अगस्त से 10 अक्टूबर 2023 तक आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। शासन द्वारा निर्धारित रोस्टर के अनुसार विद्यालय द्वारा मास्टर-डाटाबेस अपडेट एवं नवीन संस्थाओं को सम्मिलित किये जाने की कार्यवाही 07 अगस्त से 08 सितम्बर 2023 तक तथा विद्यालय द्वारा मूल अभिलेख से मिलान करते हुए जांचोपरान्त आवेदन अपने स्तर से अग्रसारित करने की कार्यवाही 14 अगस्त से 17 अक्टूबर 2023 तक पूर्ण की जानी है।

जनपद की सभी तहसीलों में सम्पन्न हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

बहराइच। आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवसों की कड़ी में जिले की सभी तहसीलों में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में मौजूद अधिकारियों द्वारा आये हुए फरियादियों की समस्याओं की सुनवाई करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश दिए गए। तहसील नानपारा में पुलिस अधीक्षक प्रशान्त वर्मा ने उप जिलाधिकारी नानपारा अजित परेश, पुलिस क्षेत्राधिकारी राहुल पाण्डेय, जिला विकास अधिकारी महेन्द्र कुमार पाण्डेय व पीडी डीआरडीए राज कुमार के साथ जनसमस्याओं की सुनवाई की। यहां पर प्राप्त हुए 90 प्रार्थना-पत्रों में 03 का निस्तारण मौके पर किया गया। पुलिस अधीक्षक श्री वर्मा सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनसमस्याओं के निस्तारण की गुणवत्ता व समयबद्धता पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि समस्याओं के निस्तारण में इस बात पर विशेष ध्यान रखा जाय कि निस्तारण की कार्यवाही से फरियादी भी संतुष्ट दिखे। इस अवसर पर अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी, थानाध्यक्ष व सीडीपीओ भी मौजूद रहे। इसी प्रकार तहसील मिहींपुरवा (मोतीपुर) में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त 23 में 03, कैसरगंज में प्राप्त 112 में 13, पयागपुर में 125 में 06, सदर में 51 में 03 तथा तहसील महसी में प्राप्त 22 में 01 प्रार्थना पत्रों का निस्तारण मौके पर किया गया।

सरयू नदी के तट की सफाई के लिए किया प्रदर्शन

संत कबीर नगर। सरयू नदी के बिडहर घाट पर लगी गंदगी की सफाई न किए जाने से नाराज साधु-संतों ने शुक्रवार को प्रदर्शन किया। बिडहर घाट पर स्थित महाकाल मंदिर के महंत बाबा भूईलोटन दास, राजेश, रामदास, राम सुंदर दास आदि का कहना है कि सरयू नदी में स्नान करने के लिए श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है। इस स्थल के महत्व को देखते हुए शासन ने इसे पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। नदी के तट पर साफ सफाई के लिए सफाई कर्मियों की नियुक्ति भी है, लेकिन सफाई कर्मी यहां पर सफाई करने कभी आते ही नहीं है। जिसके कारण तट पर गंदगी का अंबार लगा हुआ है। उन्होंने प्रशासन से तट की सफाई कराए जाने की मांग की।

किशोरी से छेड़छाड़,विरोध पर पीटा

संत कबीर नगर। क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी से उसी गांव का रहने वाला युवक बृहस्पतिवार की रात घर में घुसकर छेड़छाड़ करने लगा। किशोरी ने जब शोर मचाया तो उसे मारपीट कर घायल करने के बाद भाग निकला। शुक्रवार को पुलिस इस मामले में आरोपी के विरुद्ध छेड़छाड़ व पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज करक आरोपी की तलाश में जुट गई है। किशोरी की मां का आरोप है कि उसकी 13 वर्षीय बेटी बृहस्पतिवार की रात खाना खाने के बाद बरामदे में सोई हुई थी। उसी समय गांव निवासी एक युवक उसके पास पहुंचकर छेड़छाड़ करने लगा। बेटी ने जब शोर मचाया तो आरोपी युवक उसे मारपीट कर घायल करने के बाद भाग निकला।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर युवक की मौत

संभल। कोतवाली क्षेत्र के गांव लहरावन में हाईटेंशन लाइन के करंट की चपेट में आकर युवक की मौत हो गई। युवक की मौत से परिजन गमगीन रहे। शुक्रवार को शाम पांच बजे करीब गांव लहरावन निवासी अमरपाल (21) पुत्र रामदास की छत के निकट से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की करंट की चपेट में आकर मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक शाम के समय बंदर घर में से कुछ वस्तु ले गया था। उसी को छुड़ाने के लिए अमरपाल घर की छत पर गया था और वस्तु छुड़ाते समय किसी तरह वह घर के निकट से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया और हादसे में उसकी मौत हो गई। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

किसान पर टूट कर गिरा हाईटेंशन का तार, गंभीर रूप से झुलसा

संभल। थाना कुढ़फतेहगढ़ क्षेत्र के गांव बलकरनपुर में खेत से लौट रहे किसान के ऊपर हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर गिर गया। हादसे में करंट से किसान अब्दुल मजीद (55) गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। थाना कुढ़फतेहगढ़ क्षेत्र के गांव बलकरनपुर निवासी अब्दुल मजीद शुक्रवार को खेत पर धान की फसल की सिंचाई करने गया था। दोपहर के बाद सिंचाई करके वापस आ रहा था। खेत के पास ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर अब्दुल मजीद के ऊपर गिर पड़ा। अब्दुल मजीद करंट लगते ही गिर पड़े और उनकी चीख निकल गई। चीख सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे किसान मौके की ओर दौड़ पड़े। उन्होंने देखा, अब्दुल मजीद नीचे पड़े हैं और बिजली का तार टूटा पड़ा। किसानों ने लाठी डंडों से तार हटाया और उन्हें खेत से उठा लिया। सूचना पर किसान के बेटे व अन्य परिजन भी आ गए। उन्हें उपचार के लिए सीएचसी चंदौसी लाया गया। वहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इस हादसे से पहले गांव बलकरनपुर में हादसे घरेलू बिजली लाइन का तार टूटकर गिरा था। गनीमत थी कि उस समय रास्ते में कोई नहीं था और बड़ा हादसा टला गया था। लाइन मैन के तार जोड़कर जाने के कुछ देर बाद ही जंगल में तार टूटकर गिर पड़ा था।

दूसरे समुदाय के युवकों ने घर पर आकर की फायरिंग

संभल। मौलागढ़ फाटक के निकट एक घर के बाहर स्कूटी सवार दूसरे समुदाय के चार युवकों ने उत्पात मचाया। गाली गलौज करते हुए तमंचे से फायरिंग की और चंदौसी की ओर फरार हो गए। पीड़ित व्यक्ति ने आसपास के लोगों के सहयोग कार से पीछाकर दो युवकों को पकड़ दो फरार हो गए। दोनों आरोपी पुलिस को सौंप दिए हैं और आरोपियों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। चंदौसी के संभल रोड मौलागढ़ फाटक निवासी विनोद राघव ने बताया कि उनके घर के पास इक्का दुक्का मकान है। पिछले एक सप्ताह से कुछ युवक आकर गाली गलौज व धमकी देते थे। शुक्रवार की रात करीब सवा नौ बजे स्कूटी पर सवार होकर चार युवक आए और मकान के बाहर गाली गलौज की। आरोपियों ने तमंचे से फायरिंग की। वह मकान के बाहर आया, तो आरोपी स्कूटी पर सवार होकर चंदौसी की ओर फरार हो गए। फायरिंग होने पर उन्होंने आसपास के कुछ लोगों को बुला लिया। कुछ ही देर में आरोपी युवक स्कूटी से वापस संभल की जा रहे थे। उन्होंने कार से पीछाकर संभल तिराहे पर उनकी स्कूटी रोक ली। दो आरोपियों को उन्होंने मौके से पकड़ लिया तथा दो फरार हो गए। पूछने पर आरोपियों ने अपने अंकित, निवासी आवास विकास बताया। विनोद राघव व अन्य लोग दोनों युवकों को पकड़कर कोतवाली चंदौसी ले आए हैं।

मौलाना आसिम उमर उर्फ शन्नू के साथ ही सईद अख्तर भी हुआ था लापता

संभल। जिस दौर में मौलाना आसिम उमर उर्फ शन्नू घर से लापता हुआ था। उसी दौर में सईद अख्तर भी लापता हुआ था। उस समय लोगों ने माना था कि यह दोनों साथ में ही कहीं निकल गए, लेकिन 2008 में शन्नू के घर तो खुफिया विभाग के अधिकारियों ने आकर बताया कि शन्नू अब मौलाना आसिम उमर बन गया है और पाकिस्तान में रहकर आतंकी गतिविधियों में पूरी तरह लिप्त है। लेकिन सईद अख्तर की ऐसी कोई जानकारी खुफिया विभाग को भी नहीं मिली। सईद अख्तर अब तक पहेली बना हुआ है। लेकिन समय समय पर उसकी पड़ताल की जाती रही है। स्थानीय खुफिया इकाई की मानें तो संभल से 1995 से 2010 तक चार से पांच युवक लापता हुए वह युवक कहां गए और किस हाल में हैं। यह जानकारी किसी को नहीं है। कुछ युवकों के फोटो दिल्ली की स्पेशल सेल ने दिल्ली के सार्वजनिक स्थानों और थानों में चस्पा किए हुए हैं। इसमें एक नाम शर्जिल का भी है। यह वह नाम हैं जिनकी जानकारी खुफिया विभाग को आतंकी गतिविधियों में शमिल होने की है। अन्य युवकों के बारे में कोई जानकारी नहीं है। न कोई थाने में गुमशुदगी दर्ज है और न परिजनों ने तलाश किया।

राज्यमंत्री ग्राम्य विकास ने जिले के अधिकारियों के साथ की बैठक

त्रिगुट संवाददाता

बहराइच। जनपद में कानून व्यवस्था एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा हेतु शुक्रवार को देर शाम विकास भवन सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करती हुई प्रदेश की मा. राज्य मंत्री, ग्राम्य विकास विभाग एवं समग्र ग्राम विकास, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग श्रीमती विजय लक्ष्मी गौतम ने जिले के अधिकारियों को निर्देश दिया कि समाज के शोषित, वंचित, निराश्रित, असहाय एवं ज़रूरतमन्द लोगों को केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ दिलायें। सभी अधिकारी विभागीय योजनाओं की प्रगति के साथ-साथ क्षेत्र भ्रमण के दौरान धरातल पर योजनाओं के क्रियान्वयन का जायज़ा लेते हुए समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों तक लाभ पहुंचाएं।

श्रीमती गौतम ने कहा कि गांव, गरीब व किसान सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। मा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के स्पष्ट निर्देश है कि मा. मंत्रीगण क्षेत्र का भ्रमण कर योजनाओं के ज़मीनी हकीकत को परखें। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि जनसमस्याओं के निस्तारण को शीर्ष प्राथमिकता प्रदान करते हुए अपने उत्तरदायित्वों का भली प्रकार से निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी व प्रदेश के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का बड़ी संख्या में लोगों को लाभ प्राप्त हो रहा है। यदि कोई व्यक्ति अपरिहार्य कारणों से छूट गया हो तो अधिकारियों का प्रयास होना चाहिए कि ऐसे व्यक्ति को चिन्हित कर उन्हें भी उनकी पात्रता के अनुसार सरकारी योजनाओं से लाभान्वित कराएं। न्यून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रदेश में कानून का राज है। अब लोगों के दिल में किसी प्रकार का भय नहीं है। लोग अपनी मर्जी से कहीं भी आ जा सकते हैं। श्रीमती गौतम ने निर्देश दिया कि भू-माफिया तथा महिला के विरूद्ध अपराध से सम्बन्धित प्रकरणों पर त्वरित व प्रभावी कार्यवाही की जाय। कानून व्यवस्था को लागू करने हेतु थानों को एक्टिव किया जाय। थानों पर आने वाले लोगों को समय से न्याय दिलाया जाय तथा किसी भी घटना को नज़रअन्दाज न किया जाय। ग्राम्य विकास विभाग अन्तर्गत संचालित आवासीय योजनाएं, विधायक व सांसद निधि, सांसद आदर्श ग्राम योजना, श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन, मनरेगा व एनआरएलएम की समीक्षा करते हुए बीडीओ को निर्देश दिये गये कि आवासीय योजनाओं से वंचित पात्र लोगों की प्रतीक्षा सूची तैयार करा लें। जल जीवन मिशन की समीक्षा के दौरान कहा कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन से क्षतिग्रस्त हुई परिसम्पत्तियों की नियमानुसार मरम्मत के उपरान्त ही भुगतान की कार्यवाही की जाए। पंचायती राज विभाग से सम्बन्धित कार्यों की समीक्षा के दौरान निर्देश दिया गया कि पंचायत भवनों को शासन की मंशानुरूप संचालित कर ग्रामवासियों को मिनी सचिवालय की भांति मानक के अनुसार सभी सेवाएं प्रदान की जाए ताकि ग्रामवासियों को अनावश्यक रूप से भाग दौड़ न करनी पड़े। साथ ही ग्राम सचिवालय पर केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की पेंटिंग भी करा दी जाए ताकि लोग अधिक से अधिक लाभ प्राप्त कर सकें। श्रम विभाग को निर्देश दिया गया कि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए ताकि पात्रता रखने वाले लोग विभागीय योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा के दौरान श्रीमती गौतम ने डीसी एनआरएलएम को निर्देश दिया कि अवशेष समूहों का भी गठन कर सभी समूहों को क्रियाशील किया जाए तथा समूह द्वारा उत्पादित सामग्री के मार्केटिंग को प्रमोट किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि समूह द्वारा उत्पादित सामग्री का प्रयोग करें ताकि समूह की महिलाओं का उत्साह बढ़े। मनरेगा योजना की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये गये कि अमृत सरोवरों पर सजावटी एवं औषधीय पौधरोपण कराकर उनकी सुन्दरता और उपयोगिता को बढ़ाया जाय तथा मज़दूरी के इच्छुक सभी व्यक्तियों के जाब कार्ड बनाकर उन्हें रोज़गार उपलब्ध कराया जाय। विद्युत विभाग को निर्देश दिया कि रोस्टर के अनुसार आपूर्ति सुनिश्चित कराएं तथा स्थानीय फाल्ट को समय से दुरूस्त कराया जाए तथा जर्जर सब स्टेशनों के सुदृढ़ीकरण में जनप्रतिनिधियों से भी सहयोग प्राप्त किया जाय। मा. मंत्री ने अन्य विभागीय योजनाओं की भी समीक्षा करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

मुख्य विकास अधिकारी कविता मीना ने मा. मंत्री श्रीमती गौतम व अन्य जनप्रतिनिधियों का आभार ज्ञापित करते हुए आश्वस्त किया कि बैठक के माध्यम से प्राप्त हुए दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। बैठक के अन्त में मा. मंत्री श्रीमती गौतम को अंगवस्त्र, भगवान गणेश की कांस्य प्रतिमा, ओडीओपी अन्तर्गत गेहूँ के डन्ठल से निर्मित कलाकृति व पौध तथा एम.एल.सी. डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी, विधायक सदर श्रीमती अनुपमा जायसवाल, पयागपुर के सुभाष त्रिपाठी, नानपारा के राम निवास वर्मा, कैसरगंज आनन्द कुमार यादव की स्मृति चिन्ह के रूप में पौध भेंट किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र पंचायत प्रमुख तथा अन्य जनप्रतिनिधि, मुख्य विकास अधिकारी कविता मीना, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण पवित्र मोहन त्रिपाठी, डीएफओ बहराइच संजय शर्मा, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एस.के. सिंह, जिला विकास अधिकारी महेन्द्र कुमार पाण्डेय, पीडी डीआरडीए राज कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

तुम्हारी वर्दी उतरवा दूंगा, डीएम साहब से बात हो गई है...यह कहकर बिजली विभाग की विजिलेंस टीम को दौड़ाया

संभल। विजिलेंस टीम के प्रभारी जयशंकर ने बताया कि उन्होंने कार्रवाई के लिए कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। वायरल हो रही वीडियो में काफी संख्या में लोग विजिलेंस टीम को घेरे हुए खड़े हैं। संभल के कोतवाली क्षेत्र के गांव सैफखां सराय में बृहस्पतिवार सुबह बिजली चेकिंग करने पहुंची विजिलेंस टीम को लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। इस बीच एक व्यक्ति ने विजिलेंस टीम को वर्दी उतरवाने की धमकी दी। कहा कि डीएम साहब से बात हो गई है। धमकाने वाला व्यक्ति विजिलेंस टीम की गाड़ी के पीछे दौड़ता हुआ भी दिखाई दे रहा है। विजिलेंस टीम के प्रभारी जयशंकर ने बताया कि उन्होंने कार्रवाई के लिए कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। वायरल हो रही वीडियो में काफी संख्या में लोग विजिलेंस टीम को घेरे हुए खड़े हैं। इस दौरान एक व्यक्ति कहता है कि तुम्हें मैं खाने नहीं दूंगा, तुम लोग चार करोड़ रुपये की वसूली कर चुके हो। आगे कहता है कि अगर चेकिंग करनी है तो महिला सिपाही लेकर आओ। विजिलेंस टीम का एक सिपाही कहता है कि लखनऊ से बुलानी पड़ेगी। इसके बाद धमकाने वाला व्यक्ति कहता है कि तुम्हारी जांच भी लखनऊ से ही होगी। जब टीम का विरोध ज्यादा बढ़ता है तो टीम गाड़ी में बैठ जाती है। इसी दौरान धमकाने वाला व्यक्ति कहता है कि वर्दी उतरवा दूंगा, डीएम साहब से बात हो गई है। इन लोगों को लेकर जा रहा हूं।

वर्दी उतरवाने की धमकी देने वाला व्यक्ति अधिकारियों का करीबी

जिले से जा चुके अधिकारियों और इस समय जिले में तैनात कई अधिकारियों का खास बताने वाला व्यक्ति ही पुलिस हिरासत में लिया गया है। चर्चा है कि आरोपी कई अधिकारियों के साथ दिखाई भी देता है। इसका ही रौब उसने विजिलेंस टीम पर गालिब किया लेकिन अब पुलिस ने हिरासत में लिया है।

चार करोड़ वसूली करने का आरोप भी जांच का विषय

गांव सैफखां सराय में विजिलेंस टीम का विरोध करते हुए कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि टीम चेकिंग करती है और थाने बुलाकर वसूली कर मामला रफा दफा कर देती है। इस दौरान ही कहा गया कि चार करोड़ की वसूली हो चुकी है। लोगों के आरोप किस हद तक सही हैं।

इसकी जांच होनी चाहिए। मालूम हो विजिलेंस टीम पहले भी वसूली के आरोप में घिरती रही है। अब इतनी बड़ी रकम का आरोप लगा है। विजिलेंस टीम प्रभारी का कहना है कि आरोप निराधार हैं। लोग चाहते थे कि चेकिंग नहीं की जाए। इसलिए उन्होंने वसूली के आरोप लगाए।

पौधे लगाए, फोटो खिंचवाई, पनपेंगे भगवान भरोसे

सीतापुर। शासन की ओर से पौधरोपण पर भारी-भरकम बजट खर्च किया जा रहा है। लापरवाही से पौधरोपण अभियान अपने मकसद से भटकता नजर आ रहा है। पौधरोपण करते हुए जिम्मेदारों ने फोटो खिंचवाई लेकिन लगाने के बाद देखभाल करना भूल गए। वहीं कुछ पौधे रोपे जाने के राह ताकते हुए सूख रहे हैं। महोली क्षेत्र के वन रेंज कार्यालय की ओर से ग्राम पंचायत कैमहरा के चौफरा गांव में तीन हेक्टेयर भूमि पर 7500 पौधे लगाए गए। मैदान की झाड़ियों के किनारे भारी संख्या में लावारिस पड़े पौधे सूख रहे हैं। जिनका कोई पुरसाहाल नहीं है। वहीं देखरेख के अभाव में अधिकांश पौधे गायब हो चुके हैं या फिर उनकी सुरक्षा के बंदोबस्त न किए जाने से जानवरों ने नष्ट कर दिए हैं। महोली कस्बे में हाईवे के दोनों तरफ पौधे मानक के विपरीत कम ऊंचाई वाले लगाए गए हैं। जिनकी सुरक्षा का भी कोई बंदोबस्त नहीं किया गया है। विभागीय सूत्रों की माने तो पौधारोपण के साथ ही उसकी सुरक्षा के लिए आवंटित धन भी विभाग ने ले लिया है। इसके बावजूद पौधों की सुरक्षा नहीं की जा रही हैं। महोली वन रेंज में अधिकांश पौधे लावारिस हालत में इधर-उधर डाल दिए गए हैं। जबकि कागजों पर वृहद पौधरोपण दिखा कर विभागीय अफसर अपनी पीठ थपथपा रहे हैं।

ग्राम तमाचपुर में राज्यमंत्री ग्राम्य विकास ने लगाई चौपाल

बहराइच संवाददाता

बहराइच। जनपद के एक दिवसीय भ्रमण पर आयीं प्रदेश की मा. राज्य मंत्री, ग्राम्य विकास विभाग एवं समग्र ग्राम विकास, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग श्रीमती विजय लक्ष्मी गौतम ने शुक्रवार को देर शाम विकास खण्ड तेजवापुर के ग्राम तमाचपुर में आयोजित चौपाल में प्रधानमंत्री आवास, शौचालय, उज्ज्वला योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, सभी प्रकार की पेंशन, खाद्यान्न वितरण, कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, मनरेगा, मिशन कायाकल्प, एमडीएम, टीकाकरण, पुष्टाहार वितरण इत्यादि का सत्यापन करते हुए बताया कि केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाएं आनलाइन हैं। योजना की पात्रता रखने वाले इच्छुक व्यक्ति आनलाइन आवेदन कर योजनाओं का लाभ प्राप्त करें। यदि कोई समस्या आती है तो सम्बन्धित ब्लाक से सम्पर्क कर समस्या का समाधान कराएं।

राज्य मंत्री श्रीमती गौतम ने ग्रामवासियों का आहवान किया कि अपने बच्चों को विद्यालय अवश्य भेजे। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही विकास की कुंजी है। गांव, गरीब, किसान, शिक्षा व स्वास्थ सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है। मिशन कायाकल्प अन्तर्गत स्कूल भवनों का कायाकल्प कराया जा रहा है। आज हमारे विद्यालय कान्वेन्ट स्कूलों की भांति बच्चों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा के साथ-साथ मध्यान्ह भोजन, पुस्तक, ड्रेस इत्यादि सेवाएं भी निःशुल्क प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने ग्राम की महिलाओं का आहवान किया कि अपना तथा अपने बच्चों के स्वास्थ्य का ख्याल रखें। गांव की सभी धात्री एवं गर्भवती महिलाओं तथा बच्चों का टीकाकरण अवश्य कराएं तथा छोटे बच्चों का आंगनबाड़ी केन्द्र भेज कर आईसीडीएस विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का भी लाभ प्राप्त करें। एमएलसी डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी ने कहा कि सरकार की मंशा है कि जिला प्रशासन व जनप्रतिनिधि गांव-गांव जाकर ग्रामवासियों को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों के बारे में बताये तथा ज़रूरतमन्द लोगों तक बिना किसी भेदभाव के सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की इसी मंशा को पूरा करने के लिए ग्राम में चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। डॉ. त्रिपाठी ने भी ग्राम की महिलाओं को गर्भवती व धात्री महिलाओं तथा बच्चों के पोषण हेतु ज़रूरी टिप्स दिये। चौपाल के दौरान मा. मंत्री श्रीमती विजय लक्ष्मी गौतम ने एमएलसी डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी व मुख्य विकास अधिकारी कविता मीना के साथ चौपाल में मौजूद गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की तथा बच्चों को अन्नप्रासन कराया तथा ग्राम में पौधरोपण भी किया। इससे पूर्व ग्राम तमाचपुर पहुंचने पर सीडीओ ने पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट कर मा. मंत्री का स्वागत किया। जबकि स्कूली छात्रा ने स्वागतगीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी महेन्द्र कुमार पाण्डेय, पीडी डीआरडीए राज कुमार, उपायुक्त मनरेगा के.डी. गोस्वामी, डीपीआरओ राघवेन्द्र द्विवेदी, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजकपूर, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी अजय प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी, क्षेत्रीय गणमान्य व संभ्रान्तजन तथा बड़ी संख्या में ग्राम की महिलाएं एवं पुरूष मौजूद रहे।

हरियाणवी लोक गायिका-पति की हत्या में दो को उम्रकैद

सहारनपुर। मुजफ्फरनगर में ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने नौकरी लगवाने के नाम पर कई लोगों से लाखों रुपये की ठगी कर ली। सहारनपुर के बेहट में लूट करने की फिराक में एक खंडहर मकान में छिपे तीन बदमाशों को बेहट पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, जबकि उनके दो साथी भाग निकले। गिरफ्तार बदमाशों पास से एक तमंचा, दो कारतूस व दो चाकू बरामद किए गए हैं। इंस्पेक्टर योगेश शर्मा ने बताया कि शनिवार की सुबह उन्हें सूचना मिली, कि रुहालकी-जंधेड़ी संपर्क मार्ग पर एक टूटे मकान में कुछ बदमाश छिपे हुए है, जो लूट करने की फिराक में है। वे पुलिस टीम को साथ लेकर मौके पर पहुंचे। इस दौरान तीन बदमाशों को को गिरफ्तार कर लिया, जबकि उनके दो साथी भाग निकले। गिरफ्तार बदमाशों के पास से एक तमंचा, दो कारतूस व दो चाकू बरामद हुए है। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम अरशद पुत्र रियाजुल, मंसूर पुत्र मासूम निवासी गांव जंधेड़ी पठानपुरा एवं इस्तखार पुत्र अजीज निवासी गांव दबकौरा और फरार साथियों के नाम हसीन पुत्र आरिफ व फैजान पुत्र अब्दुल मालिक उर्फ निन्ना निवासी गांव जंधेड़ी पठानपुरा बताया है। सभी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

बिजली तार टकराने से कस्बे में मची अफरा-तफरी

सहारनपुर में बड़गांव के कस्बे में जर्जर बिजली लाइन के तार आपस में भिड़ने से चिंगारी उठने लगी। तारों से पटाखों जैसी आवाज निकलने से बाजार में अफरा-तफरी मच गई। वहां से गुजर रहे ग्रामीणों ने दुकानों में घुसकर जान बचाई।

दोपहर बाद कस्बे में सहकारी समिति की ओर जाने वाले मार्ग पर बिजली लाइन के ढीले तार अचानक आपस में भिड़ गए। तारों से पटाखे की आवाज के साथ नीचे चिंगारियां गिरने लगीं। जिससे कस्बे के बाजार में अफरा-तफरी मच गई। वहां से गुजर रहे ग्रामीणों ने दुकानों में घुसकर जान बचाई। गमीनत रही कि कोई तार टुटकर नहीं गिरा, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। दुकानदार, बिजेंद्र सैनी, दशरथ, प्रतीम, बलराम, रविंद्र आदि ने बताया कि ढीली लाइन होने के कारण आए दिन तार आपस में टकराते रहते हैं। मेन मार्किट में लगा लोहे का खंभा भी जर्जर हो चुका है जो किसी भी दिन टूटकर बड़ा हादसा करा सकता है। कई बार शिकायत करने के बाद भी बिजली विभाग कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ हादसे का इंतजार कर रहा है। दुकानदारों ने प्रशासन से जर्जर लाइन व खंभे को शीघ्र बदलवाने की मांग की है।

हरियाणवी लोक गायिका ललिता शर्मा और उनके पति की हत्या करने के दोष में दो हत्यारों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। बताया गया कि थना ब्रह्मपुरी क्षेत्र में घटना सात अप्रैल 2015 में हुई थी। दोनों हत्यारोपी घटना के बाद से ही जेल में बंद है।

बिजनौर जनपद में बढ़ापुर पुलिस ने कस्बे के नकटा नदी पुल से महिंद्रा पिकअप में 60 प्लास्टिक कट्टों में भरे करीब 900 किलो पटाखे व 25 किलो अवैध पोटाश के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। तीनों के विरुद्ध विस्फोटक अधिनियम की संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया है।

01¬19 क्क्र 05ब्ल-2023

स्न्द्रद्धद्धह्ल ह्द्2ह्य स्द्ब1द्ग हरियाणवी लोक गायिका-पति की हत्या में दो को उम्रकैद, लूट करने की फिराक में छिपे बदमाश अरेस्ट

मुजफ्फरनगर में ठगी का मामला सामने आया है। थाना ककरौली क्षेत्र के गांव दरियाबाद निवासी प्रभात ने मोरना के निकटवर्ती कस्बा भोकरहेड़ी निवासी आदित्य व उसकी मां और बहन के विरुद्ध नौकरी के नाम पर 13 लाख रुपये ठगने का आरोप लगाते हुए भोपा थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव नन्हेडा निवासी गोविंद से भी आरोपी ने नौकरी के नाम पर 28 लाख रुपये की ठगी की थी। इसी के चलते गोविंद ने लगभग 15 दिन पूर्व गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। थाने पर रिपोर्ट दर्ज है। आरोपी आदित्य तभी से फरार चल रहा है।

कट रहा मानदेय लेकिन ईपीएफ में जमा नहीं कर रहे धनराशि

सीतापुर। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षिकाओं व कर्मचारियों का मानदेय से कट रहा ईपीएफ का रूपया डेढ़ साल से उनके खातों में जमा नहीं हो रहा। शासन भी अपना अंशदान प्रत्येक साल दे रहा है। ईपीएफ खाते में कटौती व अंशदान न जमा होने से ब्याज भी नहीं मिल पा रहा है। इससे लाभार्थी अफसरों के चक्कर काटते घूम रहे हैं। जिले में 20 कस्तूरबा बालिका विद्यालय संचालित हैं। इन विद्यालयों में पार्टटाइम शिक्षिकाएं, एकाउंटेंट, चपरासी, रसोईयां व चौकीदार कार्यरत हैं। 2019 में प्रदेश सरकार ने 15 हजार से कम मानदेय वाले शिक्षिकाओं व कर्मचारियों के मानदेय से ईपीएफ की कटौती करने का आदेश दिया था। प्रत्येक के मानदेय से हर माह 12 प्रतिशत ईपीएफ की कटौती होने लगी और शासन से प्रति कर्मचारी 13 प्रतिशत के हिसाब से अंशदान जमा करने का बजट आने लगा। हर कर्मचारी का खाता खुलवा दिया गया और इसमें जिले में करीब 180 शिक्षिकाओं व कर्मचारियों के वेतन से ईपीएफ की कटौती हो रही है। लेकिन मानदेय से कटौती व शासन से मिलने वाला अंशदान शिक्षक व कर्मचारी के ईपीएफ खाते में जमा नहीं किया जा रहा है।

बीएसए से लगाई गुहार

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के 30 से अधिक शिक्षिकाओं व कर्मचारियों ने बीएसए को शिकायती पत्र दिया है। इसके जरिए कहा गया कि मानदेय से लगातार कटौती हो रही है तो आखिर यह बजट कहां जा रहा है।ईपीएफ खाते में पैसा न जमा होने से ब्याज का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

इन लोगों का कटता है ईपीएफ

प्रत्येक कस्तूरबा विद्यालय में तीन पार्टटाइम शिक्षिकाएं, एक एकाउंटेंट, एक चौकीदार, एक चपरासी, तीन रसोईयां यानि कुल नौ के मानदेय से प्रतिमाह कटौती हो रही है।

07 अगस्त को जिले की 424 ग्राम पंचायतों में आयोजित होगी किसान पाठशाला

बहराइच। कृषकों की आय में दोगुना इज़ाफा करने, कृषि के क्षेत्र में आने वाली नवीन तकनीकों से रूबरू कराने, श्रीअन्न के क्षेत्रफल में विस्तार, उर्वरकों के संतुलित उपयोग, जैविक खेती, गौवंश आधारित खेती से होने वाले लाभों तथा खेती के दौरान कृषि वैज्ञानिकों के शोधों, प्रगतिशील कृषकों एवं कृषि तथा एलाइड विभाग के अधिकारियों एवं कृषि वैज्ञानिकों के संवाद से बेहतर उपज प्राप्त करने तथा पराली के बेहतर प्रबन्धन के प्रति जनजागरूकता लाये जाने के उद्देश्य से शासन एवं जिलाधिकारी मोनिका रानी के निर्देश पर जनपद की समस्त 136 न्याय पंचायतों के चयनित 424 ग्राम पंचायतों में 07 से 25 अगस्त 2023 तक आयोजित होने वाली किसान पाठशाला के लिए जिले में सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। यह जानकारी देते हुए उप निदेशक कृषि टी.पी. शाही ने बताया कि जिले में 03 चरणों में सम्पन्न होने वाली किसान पाठशाला को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु 158 क्षेत्रीय कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया है। पाठशाला के दौरान विभाग से जुड़े विषय विशेषज्ञों के अतिरिक्त प्रगतिशील किसानों, एफपीओ उत्पादक संगठनों के पदाधिकारी अपने उद्बोधन कृषकों को प्राकृतिक खेती, दलहन, तिलहन व सब्जी उत्पादन के लिए प्रमाणित व शंकर बीजों के चयन के साथ कृषि एवं एलायड विभाग द्वारा संचालित योजनाओं तथा सरकार द्वारा प्रदान किये जाने वाले अनुदानों के बारे में जानकारी प्रदान की जाएगी। किसान पाठशाला के दौरान किसानों को उद्यान विभाग के बागवानी मिशन, स्प्रिंकलर सिंचाई, पशुपालन, मत्स्य, गन्ना, रेशम व दुग्ध विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं, पराली के बेहतर प्रबंधन से भूमि की उर्वरा शक्ति में वृद्धि के साथ आय में इज़ाफा करने, पराली को जलाने से मानवीय शरीर व पर्यावरण पर पड़ने दुष्प्रभावों, आधुनिक कृषि यंत्रों का उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। इसके अलावा किसानों को श्रीअन्न (मिलेट्स) सावा, कोदो, रागी, ज्वार, बाजरा आदि पोषक अनाज एवं उसकी उपयोगिता के संबंध में जानकारी प्रदान की जाएगी। श्री शाही ने बताया कि कृषि विभाग द्वारा किसान पाठशाला के सफल आयोजन के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयर करते हुए ब्लाक व न्याय पंचायतावार नोडल अधिकारियों की जिम्मेदारियों का निर्वहन कर दिया गया है।

जेसीबी से उखाड़ा बोर्ड, अल्ट्रासाउंड सेंटर किया सील

सिद्धार्थनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उसका बाजार से सौ मीटर की दूरी पर अवैध रूप से संचालित हो रहे अल्ट्रासाउंड सेंटर पर शुक्रवार को प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सिंह अल्ट्रासाउंड सेंटर पर लगे कई डॉक्टरों के बोर्ड को जेसीबी बुलाकार गिरा दिया, इसके साथ अवैध रूप से संचालित अल्ट्रासाउंड सेंटर सील कर दिया। एसडीएम डा. ललित कुमार मिश्र की अगुवाई वाली मेडिकल टीम ने छापा मारा। घटना की जानकारी होते ही नगर में चल रहे अवैध पैथोलॉजी सेंटर, अस्पताल और दवा की दुकानों के शटर धड़ाधड़ बंद हो गए और डाक्टर मौका देख फरार हो गए। स्वास्थ्य विभाग में पीसीपीएनडीटी के नोडल अधिकारी डॉ. एमएम त्रिपाठी ने बताया कि इस छापेमारी में रेडियोलॉजिस्ट के अनुपस्थित में दस मरीज का अल्ट्रासाउंड हुआ पाया गया, लेकिन जिस डॉक्टर का नाम बताया गया, उसने अल्ट्रासाउंड करने से इनकार कर दिया।डिप्टी सीएमओ डा. एमएम त्रिपाठी ने बताया कि सील किए गए अल्ट्रासाउंड मशीन, लैपटॉप, सीपीयू, कीबोर्ड, प्रिंटर को पुलिस के हवाले कर दिया है। एक और क्लीनिक पर डा. सुरेश चंद्रा व डॉ. प्रशांत कुमार के नाम का बोर्ड लगा है लेकिन ये लोग मौके पर नहीं मिले।

राज्यमंत्री ग्राम्य विकास ने 05 लाभार्थियों को सौंपी आवास की चाभी

○ बी.सी. सखियों से रूबरू होकर बढ़ाया हौसला

बहराइच। जनपद के एक दिवसीय भ्रमण पर आयीं प्रदेश की मा. राज्य मंत्री, ग्राम्य विकास विभाग एवं समग्र ग्राम विकास, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग श्रीमती विजय लक्ष्मी गौतम ने शुक्रवार को देर शाम विकास भवन सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक के उपरान्त एम.एल.सी. डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी, विधायक सदर श्रीमती अनुपमा जायसवाल, पयागपुर के सुभाष त्रिपाठी, नानपारा के राम निवास वर्मा, कैसरगंज आनन्द कुमार यादव व मुख्य विकास अधिकारी कविता मीना के साथ ग्राम जगतापुर के प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के 05 लाभार्थियों श्रीमती कोमल कश्यप, धर्मावती, सुशीला, चन्दा देवी व शिवकान्ती को आवास की चाभी भेंट की। इसके उपरान्त मा. मंत्री ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा विभिन्न स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी बी.सी. सखी (बैंक मित्र) से भेंट करते हुए कहा कि यह योजना प्रदेश के मा. मुख्यमंत्री जी की महात्वाकाक्षी योजनाओं में से एक है। उन्होंने कहा कि आप लोगों को को बैंकिंग, वित्तीय समावेशन हेतु प्रशिक्षित किया गया है ताकि आप दूर दराज के क्षेत्रों में बी.सी. केन्द्र स्थापित कर वित्तीय सुविधा का लाभ जन-जन तक पहुंचाकर देश के विकास में योगदान करें। उन्होंने बी.सी. सखियों से अपेक्षा की कि अपने सम्पर्क में आने वाली ग्रामीण महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रेरित करें।

संक्षिप्त समाचार

रेलवे पुल से लटकता मिला महिला का शव

सोनभद्र। थाना क्षेत्र के निंगा गांव में शुक्रवार की सुबह न्यू रेलवे ब्रिज संख्या पर एक महिला का शव साड़ी के फंदे से लटकता मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारकर कब्जे में ले लिया और पंचनामा के बाद जिला अस्पताल भेज दिया। महिला की शिनाख्त नहीं हो पाई है। निंगा गांव के बीडीसी सदस्य अवधेश ने चोपन थाने को सूचना देकर बताया कि न्यू रेलवे ब्रिज संख्या 360 पर गेट नंबर वन के इंस्पेक्शन प्लेटफार्म पर लगी रेलिंग से एक महिला का शव फंदे पर लटका है। सूचना मिलते चोपन पुलिस महिला कांस्टेबल के साथ मौके पर पहुंची। रेलवे पुल की रेलिंग से शव को उतार कर शिनाख्त करने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। शव को जिला अस्पताल भेज दिया गया। हलका दरोगा त्रिभुवन राय के मुताबिक महिला मानसिक कमजोर बताई जा रही है। प्रथम दृष्ट्या आत्महत्या होना प्रतीत हो रहा है।

अभद्रता पर भड़के डॉक्टर, सीएचसी में सेवाएं ठप

लंभुआ (सुल्तानपुर)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में देर रात भर्ती महिला के इलाज को लेकर परिजनों ने ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक से अभद्रता की। गालीगलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दे डाली। इस घटना के विरोध में डॉक्टर से लेकर स्टाफ तक ने हड़ताल शुरू कर दी। शुक्रवार दोपहर तक मान मनौवल चला। बाद में डीएम के केस दर्ज कराने के आश्वासन पर डॉक्टर काम पर लौटे। सीएचसी में बृहस्पतिवार रात भर्ती एक महिला की देखभाल के लिए स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के मामपुर निवासी पंकज पांडेय उर्फ मोनू पांडेय आए थे। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ. धर्मराज सरोज का आरोप है कि पंकज ने उनसे अभद्रता करते हुए अन्य कर्मियों से भी गालीगलौज की। सभी को जान से मारने की धमकी दी और जाति सूचक गालियां भी दीं। शुक्रवार सुबह से ही घटना के विरोध में ओपीडी ठप कर चिकित्सा कर्मी काम से विरत हो गए। चिकित्सा कर्मियों के हड़ताल पर चले जाने से आरोपित व पुलिस अधिकारी सकते में आ गए। चिकित्सक व अन्य कर्मियों से समझौते का प्रयास शुरू हुआ। इस दौरान मामले की जानकारी सीएमओ को दी गई। स्थानीय विधायक सीताराम वर्मा ने भी मामले की जानकारी हासिल की। उधर, प्रभारी निरीक्षक शिवाकांत त्रिपाठी ने बताया कि मामूली कहासुनी का मामला था। समझौते की बात चल रही है। मामला न सुलझा तो केस दर्ज किया जाएगा। जब विवाद नहीं सुलझा तो डीएम जसजीत कौर ने चिकित्सकों से बात की और एफआईआर दर्ज कराने का भरोसा दिलाया। डीएम के आश्वासन पर चिकित्सा कर्मियों का गुस्सा शांत हुआ और ओपीडी शुरू की।

बिजली विभाग का अधिकारी बता किसान से ठगे 2.60 लाख

उन्नाव। बारासगवर थानाक्षेत्र के गांव रामसिंहखेड़ा निवासी श्याम लाल पटेल ने बताया कि बीघापुर कोतवाली के एक गांव के रहने वाले युवक ने खुद को बिजली विभाग का अधिकारी बताया। इसके बाद उसके ट्यूबवेल कनेक्शन का तीन लाख रुपये से अधिक का बिजली का बिल बताकर 2.60 लाख ऐंठ लिए। एक दो दिन में भुगतान की रसीद देने की बात कही। एक सप्ताह बाद उसने 1.90 लाख व 4500 रुपये की दो रसीदें दी। एक माह बाद विद्युत विभाग से बकाए का नोटिस मिला तो उसे ठगी का पता चला। जब उसने अपने रुपये वापस मांगे तो वह भाजपा नेता होने का रौब दिखा कर जेल भिजवा देने की धमकी देने लगा। प्रभारी निरीक्षक बृजेश शुक्ला ने बताया कि हल्का इंचार्ज को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

हसनगंज की दस सहकारी साधन समितियों में यूरिया नहीं

उन्नाव। खरीफ सीजन की शुरुआत में ही सहकारी साधन समितियां खाली हो गई हैं। हसनगंज क्षेत्र की दस समितियों में यूरिया न होने से किसान मायूस लौट रहे हैं। वह प्राइवेट दुकानों से महंगे दामों में खरीदने को मजबूर हैं। हसनगंज क्षेत्र की मोहान पूर्वी, धौरा, समदपुर, मोहनीखेड़ा, नवीनगर खेरवा, लखनापुर, मूसेपुर, संदाना, तेगापुर, कुरौली सहकारी साधन समितियों में यूरिया नहीं है। किसान राजू रावत, बब्लू सिंह, नियाज अली, विनोद कुमार, अवनीश प्रताप सिंह, राजाराम व मान बहादुर आदि ने बताया कि धान की फसल में डालने के लिए इस समय यूरिया की जरुरत है लेकिन समितियों में सन्नाटा पसरा हुआ है। एसडीएम नवीन चंद्र ने बताया कि समितियों में यूरिया होने की जानकारी मिली है। इसके लिए उच्चाधिकारियों से बात करके खाद की व्यवस्था कराई जाएगी।

झाड़फूंक में गई सर्पदंश की शिकार महिला की जान, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल, शव का पोस्टमार्टम कराया

उन्नाव। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। मां की मौत से बेटे रमेश, अवधेश, महेश, उमेश और बेटी सरोज सहित पूरा परिवार बेहाल है। पति गुरुप्रसाद की छह महीने पहले बीमारी से मौत हो चुकी है। उन्नाव जिले में आसीवन थाना क्षेत्र के गांव रसूलपुर निवासी राजश्री (58) बुधवार को घर की सफाई कर रही थी। तभी उसे सांप ने डस लिया था। परिजन पूरे दिन उसकी इस गांव से उस गांव झाड़फूक कराते रहे। देर शाम तक उसकी तबीयत में सुधार नहीं हुआ । इस पर परिजन मियागंज सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। मां की मौत से बेटे रमेश, अवधेश, महेश, उमेश और बेटी सरोज सहित पूरा परिवार बेहाल है। पति गुरुप्रसाद की छह महीने पहले बीमारी से मौत हो चुकी है।

पशुचर भूमि पर कब्जे की शिकायत का नहीं निकला हल

उन्नाव। जगजीवनपुर में पशुचर भूमि पर कब्जे की शिकायत पर गई राजस्व टीम पूरे दिन हलाकान रही लेकिन समस्या का कोई हल नहीं निकाल पाई। निर्माणाधीन प्लॉट को सही ठहराने पर ग्राम प्रधान व ग्रामीण असंतुष्ट होकर चले गए। सिकंदरपुर कर्ण ब्लॉक के जगजीवनपुर में आजाद मार्ग से सटी हुई भूमि संख्या 42 पर कुछ लोग भवन निर्माण कर रहे थे। ग्राम प्रधान मनीष मिश्र व पूर्व प्रधान रामू शर्मा ने एसडीएम को शिकायतीपत्र दिया। जिस पर एसडीएम ने राजस्व विभाग के कानूनगो व लेखपालों की पांच सदस्यों की टीम को मौके पर पैमाइश के लिए भेजा। निर्देश दिए कि पशुचर भूमि चिन्हित कर उसे मुक्त कराएं। गुरुवार को राजस्व निरीक्षक देव कुमार, लेखपाल अरविंद श्रीवास्तव, रामपाल, कृष्ण गोपाल शुक्ल व प्रेम प्रकाश मौके पर पहुंचे और नाप जोख की। राजस्वकर्मियों की रुचि पशुचर भूमि की पैमाइश में कम बल्कि प्लॉट बचाने पर ज्यादा रही। जिसके चलते 19 मीटर चौड़ाई वाले पशुचर भूमि को कम करके मात्र सात मीटर चौड़ा बताते हुए रिपोर्ट तैयार करने लगे। जिस पर ग्राम प्रधान मनीष मिश्र व जगजीवनपुर के ग्रामीण राजी नहीं हुए और रिपोर्ट को अस्वीकार करते हुए बिना हस्ताक्षर किए वापस हो गए। पूर्व प्रधान रामू शर्मा ने बताया कि उन्हें बिना कोई सूचना दिए ही पैमाइश कर दी गई है। जो स्वीकार नहीं है।

वन तैयार करने की अनुमति लेकर कटवा दिए हरे पेड़, बैठी जांच

सहारनपुर। पौधे लगाने और वनों को बचाने का जिम्मा जिस वन विभाग पर है। उसी विभाग पर हरे पेड़ काटने का आरोप लगा है। मामले में एक ओर जहां ग्रामीणों ने अधिकारियों का घेराव का हंगामा किया। वहीं भाजपा नेताओं द्वारा जिलाधिकारी से की गई शिकायत के बाद नगर निगम ने जांच बिठा दी है। इसके बाद से संबंधित अधिकारियों में खलबली मची हुई है। सामाजिक वानिकी प्रभाग के प्रभागीय निदेशक की ओर से 12 मई 2023 को नगर आयुक्त को पत्र लिखा गया था। उन्होंने दाबकी जुनारदार में नगर निगम की उपलब्ध भूमि, जो श्मशान की भूमि है पर मियावाकी पद्धति से पौधारोपण करने के लिए अनुमति मांगी गई थी। जिसके बाद नगर आयुक्त के द्वारा विभाग को अनुमति प्रदान कर दी गई। लेकिन वन तैयार करने के लिए पौधे लगाने से पहले ही वन विभाग आरोपों में घिर गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग ने पौधे लगाने के नाम पर उक्त भूमि से करीब ढाई फीट मिट्टी उठवाकर बेच दी है। साथ ही भूमि पर लगे शीशम और अन्य प्रजातियों के पेड़ कटवा दिए हैं, जिसकी ट्रॉलियां भरकर भेजी गई हैं। इसको लेकर ग्रामीणों ने मौके पर रहे वन विभाग के अधिकारियों का घेराव भी किया, जिसके कई वीडियो भी बनाए हैं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

– भाजपा नेताओं ने जिलाधिकारी से की शिकायत

मामले में भारतीय जनता पार्टी के अनुसूचित मोर्चा के जिलाध्यक्ष संजय सूर्य ने शुक्रवार को अपने साथियों के साथ जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र से शिकायत की है। उनका आरोप है कि अवैध रूप से मिट्टी का खनन होने के साथ ही हरे पेड़ कटवा दिए गए हैं। उनकी शिकायत पर जिलाधिकारी ने अपर नगर आयुक्त राजेश यादव को मामले की जांच कराने के निर्देश दिए हैं। जिसके बाद अपर नगर आयुक्त ने जांच शुरू कर दी है।

– दाबकी जुनारदार में निगम की भूमि पर मियावाकी पद्धति से वन तैयार करने की अनुमति लेकर हरे पड़े काटने और मिट्टी के खनन का मामला सामने आया है।

विधायक पुत्र ने आदिवासी युवक को मारी गोली, केस दर्ज

सोनभद्र। सीमा से सटे मप्र के सिंगरौली में भाजपा विधायक के पुत्र ने आदिवासी युवक को गोली मार दी। गोली युवक की हथेली में लगी। बृहस्पतिवार देर शाम हुई घटना से पुलिस महकमे के साथ राजनीतिक गलियारे में खलबली मच गई। घटना मोरवा थाना क्षेत्र के बुढ़ी माई मंदिर के पास हुई। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी विधायक पुत्र की तलाश शुरू कर दी है। सिंगरौली के विधायक रामलल्लू बैस का पुत्र विवेकानंद बैस उर्फ विवेक साथियों संग चार पहिया वाहन से कहीं जा रहा था। गाड़ी के आगे बाइक से चल रहे आदिवासी युवक सूर्या खैरवार (35) से पास लेने को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि इसी बीच विवेक ने सूर्या को लक्ष्य कर असलहे से गोली चला दी। गोली सूर्या की हथेली में लगी। सरेराह हुई घटना की सूचना से पुलिस महकमे में खलबली मच गई। पुलिस ने घायल को उपचार के लिए मोरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। मामला सत्तारूढ़ भाजपा विधायक से जुड़ा होने के चलते राजनीतिक सरगर्मी भी तेज हो गई। पुलिस ने देर रात विधायक पुत्र के खिलाफ जान से मारने की कोशिश का मुकदमा दर्ज कर लिया। शुक्रवार को इस मामले में एससी-एसटी की धारा भी बढ़ा दी गई। सिंगरौली के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गई है। घायल युवक की हालत खतरे से बाहर है।

पहले भी कर चुका है कई वारदात

शक्तिनगर। भाजपा विधायक का पुत्र विवेकानंद अपने कारनामों को लेकर पहले भी सुर्खियों में रहा है। उस पर इससे पहले एक वन कर्मी सहित पार्टी के ही नेता पर फायरिंग व मारपीट का आरोप लग चुका है। पुलिस के मुताबिक विवेकानंद उर्फ विवेक के खिलाफ आधा दर्जन मामले दर्ज हैं।

ट्रक चालक का शव गांव पहुंचा तो मचा कोहराम

उन्नाव। नगर के मोहल्ला पड़ियाना निवासी ट्रक चालक की जिला सुल्तानपुर में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचा तो कोहराम मच गया। मोहल्ला पड़ियाना निवासी राजेंद्र कुमार कुशवाहा (52) ट्रक चालक था। वह पड़ोस में रहने वाले मुसीर का ट्रक चलाता था। ट्रक पर नगर के ही अश्फाक का आलू लादकर देवरिया बेचने जा रहा था। बुधवार रात सुल्तानपुर जिले के थाना धनपतगंज क्षेत्र में ट्रक का एयर टैंक ठीक करने लगा। तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार कंटेनर ने खड़े ट्रक में टक्कर मार दी। घटना में ट्रक चालक राजेंद्र कुशवाहा की मौत हो गई थी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया था। गुरुवार को शव गांव पहुंचा तो कोहराम मच गया। मृतक राजेंद्र की पत्नी गुड्डी की बीमारी के चलते दस साल पहले मौत हो चुकी है। वह चार भाईयों में बड़ा था। बेटे की मौत से पिता अशर्फीलाल, मां प्रेमा, बेटी रीना, रुनका, बेटे जितेंद्र और शैलेंद्र बेहाल हैं।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर पलटा, चालक की दबकर मौत

उन्नाव। शिवपुर-भंगेड़ीखेड़ा मार्ग पर गुरुवार रात तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक की मौत हो गई। जबकि ट्रैक्टर सवार दो युवक घायल हो गए। हालत गंभीर देख दोनों को जिला अस्पताल से कानपुर हैलट रेफर कर दिया गया। अचलगंज थानाक्षेत्र के रायपुर सातन गांव निवासी विपिन (42) पड़ोसी गांव भंगेड़ीखेड़ा निवासी राकेश यादव का ट्रैक्टर चलता था। गुरुवार रात करीब 12 बजे वह एक खेत में जुताई कर घर लौ रहा था। साथ में ट्रैक्टर मालिक का बेटा अंकित और उसी गांव का पुत्तन भी ट्रैक्टर में बैठा था। शिवपुर-भंगेड़ीखेड़ा के बीच भंगेड़ीखेड़ा गांव के पास ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रैक्टर के नीचे दबने से विपिन की मौत हो गई। जबकि अंकित और पुत्तन घायल हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी पहले सीएचसी पहुंचाया। डॉक्टर ने विपिन को मृत घोषित कर दिया। दोनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। लेकिन हालत में सुधार न होने पर हैलट भेजा गया है। इकलौते बेटे की मौत से मां लक्ष्मीना और दो बहनों में ममता और रेनू बेहाल हैं। दोनों का विवाह हो चुका है। पिता की डेढ़ साल पहले बीमारी से मौत हो गई थी।

तेज रफ्तार डंपर बाइक सवारों को कुचला, संविदा कर्मी सहित दो की मौत, चालक फरार

उन्नाव। थानाध्यक्ष प्रशांत द्विवेदी ने बताया कि टक्कर मारने वाले डंपर के चालक का पता लगाया जा रहा है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। उत्तर प्रदेश में उन्नाव जिले के अचलगंज कोतवाली क्षेत्र में कानपुर-लखनऊ हाईवे पर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। इसमें कानपुर की ओर जा रहे तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार दो युवकों को कुचल दिया। इसके बाद ढाबे के सामने खड़े डंपर में भिड़ गया। रात करीब एक बजे हुए हादसे में घायलों को पुलिस ने आनन फानन जिला अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद चालक वाहन छोड़कर भाग गया। थाना क्षेत्र के गांव मवइया लायक निवासी राजेश (48) बिजली विभाग में संविदा कर्मी था। उसकी बड़ी बहू अनीता पत्नी अवधेश को प्रसव के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शुक्रवार रात राजेश, गांव के ही जितेंद्र (28) के साथ बाइक से जिला अस्पताल जा रहा था। रात करीब एक बजे लखनऊ-कानपुर हाईवे पर गहरा गांव के पास पहुंचा था।

वाहनों के बीच में फंस गए थे दोनों

तभी लखनऊ से कानपुर की ओर जा रहा तेज रफ्तार डंपर अनियंत्रित होकर डिवाडर तोड़ते हुए लखनऊ जाने वाली लेन में पहुंच गया। इसके बाद बाइक सवारों को टक्कर मारते हुए ढाबे पर खड़े डंपर में भिड़ गया। हादसे में राजेश और जितेंद्र दोनों वाहनों के बीच में फंस गए।

डंपर के चालक की तलाश जारी

राजेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहा जितेंद्र गंभीर रुप से घायल हो गया। पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया गया। राजेश के दो बेटे व दो बेटियां हैं। थानाध्यक्ष प्रशांत द्विवेदी ने बताया कि टक्कर मारने वाले डंपर के चालक का पता लगाया जा रहा है।

नए सीएमओ ने ग्रहण किया पदभार

सुल्तानपुर। जिले के नए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओमप्रकाश ने शुक्रवार दोपहर अमहट स्थित सीएमओ आफिस पहुंचकर पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से चलाई जा रहीं जन कल्याणकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन उनकी प्राथमिकता है। इसमें लापरवाही करने वालों के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

गंगा के जलस्तर में उतार चढ़ाव से कुशेहर बंगला गांव की सड़क कटी

फतेहपुर चौरासी। गंगा के जलस्तर में लगातार हो रहे उतार चढ़ाव से चिरंजूपुरवा से कुशेहर बंगला जाने वाली सड़क कट गई है। इससे दो मजरों की करीब एक हजार आबादी पानी से आवागमन करने को मजबूर है। शिक्षक दो किमी का चक्कर काटकर स्कूल जा रहे हैं। ग्राम पंचायत जाजामऊ एहतमाली के मजरा चिरंजूपुरवा से डामरीकृत मार्ग दो मजरों कुशेहर बंगला व सहरिया सलेमपुर के लिए गया है। गंगा के जलस्तर में हो रहे उतार चढ़ाव के चलते यह मार्ग चिरंजूपुरवा से तीस मीटर दूर पुलिया के पास जलमग्न होने के साथ कट गया है। प्रधान रोशन ने बताया कि दोनों गांवों की आबादी करीब एक हजार है। मार्ग कटने से लोगों को कमर तक पानी से होकर आवागमन करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि मार्ग एक सप्ताह पहले कट गया था। पानी कम पडने् पर मालूम हुआ। शातिर बंगला में संचालित प्राथमिक विद्यालय के प्रधान शिक्षक राम औतार ने बताया कि मार्ग कटने व गहराई अधिक होने से बाइक, कार आदि वाहनों का निकलना संभव नहीं है। शिक्षक कबूलपुर से होते हुए दो किमी का चक्कर काटकर विद्यालय पहुंच रहे हैं।

फसलों के सड़ने का खतरा बढ़ा

गंजमुरादाबाद। पिछले दिनों फसलों को प्राभावित कर चुका गंगा नदी का सैलाब, एक बार फिर बढ़ने से फसलों के सड़ने का खतरा बढ़ गया है। क्षेत्र के कटरी इलाके में करेला की प्रमुख खेती होती है। अभी पिछले महीने ही यहां करेला की फसल बोई गई थी। उसमें फूल आ पाता उससे पहले ही गंगा नदी का जलस्तर बढ़ गया। जिससे कटरी के गांव रतईपुरवा, गढ़ेवा, भगवंतपुरवा, मितानपुरवा, मुन्नीपुरवा, गहरपुरवा, सिरधरपुर आदि गांवों के किसानों द्वारा गंगा की तलहटी में बोई गई करेला की सारी फसल जलमग्न होकर सड़ गई। ऊपरहार में करेला और अन्य फसलें किसी प्रकार बच गई थीं।

मजदूरों को लेकर जा रही पिकअप पलटी, 19 घायल

सोनभद्र। थाना क्षेत्र के बार्डर पर रामपहरी के पास शुक्रवार को मजदूरों से भरी पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में पिकअप सवार 19 मजदूरों को चोट आई। सभी को डिबुलगंज संयुक्त अस्पताल ले जाया गया। वहां चार की हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने रेफर कर दिया। अन्य घायलों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। शुक्रवार की सुबह पाटी ग्राम पंचायत से एक पिकअप मजदूरों को लेकर अनपरा की ओर आ रही थी। जैसे ही वह रामपहरी की चढ़ाई पर पहुंची तो अनियंत्रित होकर पीछे की ओर पलट गई। घटना से मौके पर चीख-पुकार मच गई। सभी घायलों को एंबुलेंस से संयुक्त चिकित्सालय डिबुलगंज में भर्ती कराया गया। घटना में बिंदु कुमारी (18), किरण (30), सीता (21) और मंगला प्रसाद (20) को सिर पर गंभीर चोट के कारण डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। अन्य सभी 15 घायलों को उपचार के बाद कर घर भेज दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पिकअप में क्षमता से दोगुना लोग सवार थे। ओवरलोड होने के पिकअप चढ़ाई नहीं चढ़ सकी और पलट गई।

सीएम के आदेश के बाद भी पिकअप में ढोए जा रहे मजदूर

पूर्व में मालवाहक वाहनों में हुई दुर्घटना के बाद मुख्यमंत्री ने मालवाहक वाहनों से सवारी ढोने पर प्रतिबंध लगा दिया था।

अनपरा क्षेत्र में इसका कोई असर नहीं दिख रहा है। प्रतिदिन लोग पिकअप के सहारे ही आवागमन करते हैं। चौराहे पर खड़ी यातायात और स्थानीय पुलिस खड़ी रहती है। ये न इन्हें रोकते हैं और ना ही चालान काटते हैं। घायल मजदूरों ने बताया कि मजदूरी के लिए प्रतिदिन नगर में आना पड़ता है। गांव में साधन के नाम पर पिकअप ही है। इसका किराया अन्य वाहनों की अपेक्षा कम है। मजबूरी में इसकी सवारी करना पड़ता है।

चेयरमैन ने किया सामुदायिक शौचालय का लोकार्पण

सोनभद्र। स्वच्छ भारत मिशन नगरीय के अंतर्गत नगर पालिका क्षेत्र में बाल उद्यान के समीप शुक्रवार को चेयरमैन रूबी प्रसाद सामुदायिक शौचालय का लोकार्पण किया। यहां 4 पुरुष और 2 पिंक शौचालय का निर्माण कराया गया है। इसमें 1 दिव्यांगजन शौचालय भी शामिल है। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए चेयरमैन रूबी प्रसाद ने स्वच्छता अपनाने की अपील की। कहा कि शौचालय का प्रयोग करें और अपने घरों के आस-पास सफाई का विशेष ध्यान रखें। कहा कि नगर में आने वाले लोगों को इस शौचालय के निर्माण से सहूलियत मिलेगी। इस अवसर पर ईओ विजय कुमार यादव, डूडा के परियोजना अधिकारी राजेश उपाध्याय, भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष पुष्पा सिंह,अनवर अली, संजय व राजीव आदि मौजूद रहे।

सीनियर वर्ग में हनुमत इंटर कॉलेज व एमजीएस अव्वल

सुल्तानपुर। माध्यमिक विद्यालयों की जनपदीय फुटबॉल प्रतियोगिता में सीनियर बालिका वर्ग में हनुमत इंटर कॉलेज और सीनियर बालक वर्ग में एमजीएस इंटर कॉलेज अव्वल रहा। सब जूनियर बालक वर्ग की प्रतियोगिता में एमजीएस की टीम अव्वल रही। जनपदीय माध्यमिक विद्यालयों की फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ केएनआई के शारीरिक विभागाध्यक्ष प्रोफेसर प्रवीण सिंह ने किया। इसमें कुल 11 टीमों ने हिस्सा लिया। तीन वर्गों में आयोजित प्रतियोगिता के सीनियर छात्रा वर्ग के फाइनल मुकाबले में हनुमत इंटर कॉलेज ने सीएल इंटर कॉलेज छीतेपट्टी को दो-एक से हराया। सीनियर छात्र वर्ग के फाइनल मुकाबले में एमजीएस इंटर कॉलेज ने हनुमत इंटर कॉलेज धम्मौर को एक-शून्य से मात दी। सब जूनियर छात्र वर्ग की फाइनल प्रतियोगिता में एमजीएस ने सनबीम को दो-एक से पराजित किया। समापन समारोह में एमजीएस इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य महेश कुमार सिंह ने विजेता एवं उप विजेता खिलाड़ियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में रेफरी की भूमिका नवनीत, राजेश कनौजिया व हिमांशु ने निभाई। इस मौके पर क्रीड़ा सचिव दिलीप सिंह, सभासद अजय सिंह, एमएस बेग व राजेश कनौजिया समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

टीएलएम निर्माण प्रतियोगिता में दीपा अव्वल

सुल्तानपुर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित जिला स्तरीय टीएलएम निर्माण प्रतियोगिता में केश कुमारी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की हिन्दी प्रवक्ता डॉ. दीपा द्विवेदी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। अब वह राज्य स्तरीय टीएलएम प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। राज्य हिन्दी संस्थान वाराणसी के निर्देश पर राजकीय व सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में सेवारत प्रवक्ताओं एवं सहायक अध्यापकों के बीच टीएलएम निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में हिन्दी विषय के कई शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। इसमें केश कुमारी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की हिन्दी प्रवक्ता डॉ. दीपा द्विवेदी का मॉडल सर्वश्रेष्ठ रहा। उन्हें निर्णायक मंडल ने प्रथम स्थान दिया।

मिशन इंद्रधनुष में टीकाकरण से न छूटे एक भी बच्चा-सीएमओ

सोनभद्र। सघन मिशन इंद्रधनुष-5 अभियान की शुरुआत सात अगस्त से हो रहा है। अभियान को सफल बनाने के लिए सीएमओ ने जनसमुदाय से सहयोग की अपेक्षा की। छूटे हुए बच्चों, गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण कराने में बढ़-चढ़कर योगदान के लिए आगे आने का आह्वान किया। सीएमओ कार्यालय परिसर में प्रेस वार्ता में सीएमओ डॉ. अश्वनी कुमार ने कहा कि खसरा और रुबेला उन्मूलन के क्रम में सघन मिशन इंद्रधनुष का आयोजन अगस्त से अक्तूबर तक तीन चरणों में किया जा रहा है। गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों का समय से संपूर्ण टीकाकरण कराना आवश्यक है। जो बच्चे किसी भी कारण से पूरे टीके नहीं लगवा पाते, उनके लिए सघन मिशन इंद्रधनुष एक अतिरिक्त अवसर है। हमें जनपद के शत-प्रतिशत बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण से आच्छादित करना है।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. गिरधारी लाल ने बताया कि अभियान में गर्भवती महिलाओं का लक्ष्य 5205 एवं 0-5 वर्ष तक बच्चों का लक्ष्य 20550 है। गर्भवती महिलाओं को तीन और बच्चों को 12 तरह की बीमारियों से बचाव के लिए टीका लगाया जाएगा। इस मौके पर डब्ल्यूएचओ के एसएमओ डॉ. हेमंत अधिकारी, डीपीएम रिपुंजय श्रीवास्तव, वीरेंद्र पांडेय, आशुतोष मिश्रा आदि मौजूद रहे।

पार्किंग स्टैंड के ठेकेदार को एक और नोटिस

सुल्तानपुर। नगर पालिका में पांच स्थानों पर संचालित टैंपो- टैक्सी पार्किंग स्टैंडों पर व्याप्त मनमानी थमने का नाम नहीं ले रही। शिकायत के बाद भी स्टैंड ठेकेदार पर कार्रवाई बस नोटिस देने तक ही सिमटी है। इसके चलते ही स्टैंड पर मूलभूत सुविधाओं के बिना ही शुल्क के नाम पर मनमानी किराया राशि वसूलने का खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है।

कार्रवाई न होने से बेखौफ स्टैंड संचालक शहर के तय पार्किंग स्थलों के इतर भी निषेध क्षेत्रों में अवैध स्टैंडों का संचालन कर वाहन चालकों से शुल्क के नाम पर मोटी राशि वसूल रहे हैं। टैक्सी चालकों की शिकायत के बाद नगर पालिका की तरफ से वसूली करने वाली फर्म के संचालक ठेकेदार को एक और नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। शहर में नगर पालिका की ओर से पांच स्थानों पर पार्किंग स्टैंडों का संचालन किया जाता है। इन स्थानों पर नगर पालिका की ओर से वाहन स्वामियों के लिए जरुरी मूलभूत सुविधाओं तक की कोई व्यवस्था नहीं है। टैक्सी चालक अजय तिवारी का आरोप है कि फर्म संचालक की ओर से तय अनुबंध के तहत स्टैंडों पर पेयजल, प्रसाधन व यात्री शेड की कोई व्यवस्था न होने से पार्किंग शुल्क देने के बाद भी परेशानी उठाना पड़ती है।

टैक्सी चालक मोहम्मद आजाद ने बताया कि गोलाघाट समेत अन्य स्टैंडों पर पेयजल की कोई व्यवस्था नहीं है। दिलीप सिंह कहते हैं कि स्टैंडों पर सफाई भी नहीं रहती है।

टीएलएम निर्माण प्रतियोगिता में दीपा अव्वल

सुल्तानपुर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित जिला स्तरीय टीएलएम निर्माण प्रतियोगिता में केश कुमारी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की हिन्दी प्रवक्ता डॉ. दीपा द्विवेदी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। अब वह राज्य स्तरीय टीएलएम प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। राज्य हिन्दी संस्थान वाराणसी के निर्देश पर राजकीय व सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में सेवारत प्रवक्ताओं एवं सहायक अध्यापकों के बीच टीएलएम निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में हिन्दी विषय के कई शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। इसमें केश कुमारी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की हिन्दी प्रवक्ता डॉ. दीपा द्विवेदी का मॉडल सर्वश्रेष्ठ रहा। उन्हें निर्णायक मंडल ने प्रथम स्थान दिया।

नवाबगंज क्षेत्र में बिजली के लिए हाहाकार, पांच लाख आबादी बेहाल

नवाबगंज (उन्नाव)। उमस भरी गर्मी और दूसरी तरफ जर्जर लाइनों में फाल्टों से नवाबगंज कस्बा व आसपास की बिजली आपूर्ति चरमराई है। 33 केवी लाइन में फाल्ट से पांच फीड़रों की बिजली लगातार 21 घंटे गुल रही। अजगैन उपकेंद्र से जुड़ी पांच लाख आबादी परेशान रही। लोग रातभर छतों पर टहलते रहे। सुबह पानी का संकट भी झेलना पड़ा।

स्वास्थ्य केंद्र व स्कूलों में भी बिजली न आने से मरीज व छात्र छात्राएं परेशान हुए। बिजली आपूर्ति के संसाधनों की पड़ताल की गई तो पता चला कि अजगैन उपकेंद्र से करीब 40 किमी क्षेत्र के गांव व कस्बे जुड़े हैं। 20 से 25 साल बिछाई गई लाइन से ही अभी भी आपूर्ति की जा रही है। वहीं पावर ट्रांसफार्मर भी ओवरलोड हैं। जो आए दिन फुंकते रहते हैं। इसी वजह से लोगों को वर्षों से बिजली किल्लत झेलनी पड़ रही है। 33/11 केवी अजगैन उपकेंद्र को दही चौकी स्थित 220 केवी सोनिक पावर हाउस से बिजली मिलती है। गुरुवार शाम पांच बजे के करीब सोनिक पावर हाउस की अधिक गर्म होने से सीटी ब्लास्ट हो गई। जिससे अजगैन उपकेंद्र को बिजली मिलनी बंद हो गई। साथ ही इससे जुड़ेनवाबगंज कस्बे के साथ नवई, रायपुर गढ़ी, बनी व अजगैन फीडरों के गांवों की आपूर्ति ठप हो गई। इसकी जानकारी होने पर बिजली अधिकारियों ने कर्मचारियों को भेजकर मरम्मत शुरू कराई। सीटी बदलने में लंबा समय लग गया। देररात करीब 2 बजे के आसपास आपूर्ति शुरू की गई, तभी अचानक अजगैन उपकेंद्र का केबिल जल गया। जिससे फिर से बिजली आपूर्ति ठप हो गई। चूंकि रात का समय था, इसलिए उस समय मरम्मत नहीं शुरू कराई जा सकी। शुक्रवार सुबह केबिल की मरम्मत शुरू हुई। यह काम पूरा होने में दोपहर हो गई। दो बजे के करीब केबिल बदली गई।

तब कहीं जाकर आपूर्ति सामान्य हो सकी। हालांकि तीन घंटे बाद पांच बजे के करीब फिर सोनिक पावर हाउस में फाल्ट हो गया। जिससे एक बार फिर बिजली आपूर्ति ठप हो गई और लोगों को बिजली संकट झेलना पड़ा।

जिले में एक और क्षेत्र बनेगा एनर्जी हब

सोनभद्र। मप्र सीमा पर स्थित अनपरा-शक्तिनगर की तरह ही जिले के बिहार बार्डर का क्षेत्र भी एनर्जी का हब बनेगा। यहां पंप स्टोरेज पर आधारित बिजली परियोजनाएं लगाने के लिए कई निजी कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई है। करीब 17 हजार करोड़ रुपये निवेश के साथ ग्रीनको ग्रुप ने 3660 मेगावाट की परियोजना के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। जेएसडब्ल्यू नियो ने 1200 मेगावाट के लिए वन विभाग के साथ जमीन का सर्वे शुरू कर दिया है। ओपेरा पंप हाइड्रो और तेलंगाना के सिद्धनाथ एनर्जी ग्रुप ने भी इस क्षेत्र में पावर प्लांट लगाने की इच्छा जताई है। इसके लिए दोनों कंपनियों ने इंटेंट भी साइन किया है। अब वह विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने में जुटी हैं।

देश की ऊर्जा राजधानी कहे जाने वाले सोनभद्र-सिंगरौली परिक्षेत्र में करीब 22 हजार मेगावाट बिजली तैयार होती है। एनटीपीसी की तीन, राज्य उत्पादन निगम की दो परियोजनाओं के अलावा लैंको, हिंडाल्को, अडानी, रिलांयस व अन्य निजी क्षेत्र की कई परियोजनाएं स्थापित हैं। यह सभी परियोजनाएं पिपरी स्थित रिहंद बांध पर आधारित हैं। फरवरी में हुए उत्तर प्रदेश सरकार के इंवेस्टर्स समिट में पंप स्टोरेज पावर प्रोजेक्ट लगाने के लिए ग्रीनको ग्रुप ने इंटेंट साइन किया था। कंपनी यहां 3660 मेगावाट बिजली बनाने के लिए 17 हजार करोड़ रुपये से अधिक निवेश करेगी। इसके लिए सदर तहसील के बैजनाथ गांव और ओबरा तहसील के पिंडारी, रानीडीह सहित छह गांवों में जमीन का सर्वे पूरा हो चुका है। अब तीन अन्य कंपनियां भी पंप स्टोरेज पावर प्लांट लगाने के लिए आगे आई हैं। इसमें जेएसडब्ल्यू नियो ग्रुप ने 1200 मेगावाट की परियोजना के लिए चेरुई, मरकुड़ी, मकड़ीबारी व आसपास के क्षेत्रों में वन विभाग के साथ संयुक्त सर्वे भी किया है। ओपेरा व श्री सिद्धनाथ एनर्जी ग्रुप ने भी करीब 15 हजार करोड़ रुपये निवेश के साथ इसी क्षेत्र में पावर प्लांट के लिए इंटेंट भरा है। दोनों कंपनियों की ओर से सर्वे के लिए अन्य औपचारिकताएं पूरी की जा रही हैं। यह सभी परियोजनाएं नगवां व कोन ब्लाक के सीमावर्ती क्षेत्र में प्रस्तावित हैं। इन परियोजनाओं की स्थापना से क्षेत्रीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होने की संभावना जताई जा रही है।

पानी स्टोर कर बिजली बनाने में होगा उपयोग

पंप स्टोरेज पावर प्रोजेक्ट के लिए कंपनियां सोन नदी का पानी उपयोग करेंगी। नदी में नीचे से पानी लिफ्ट कर उसे अलग से भंडारित किया जाएगा। इसी पानी का उपयोग बिजली बनाने में होगा। पानी भंडारित करने के लिए छोटे-छोटे बांध भी बनाने की योजना है। पानी संग्रहित होने से बिजली उत्पादन में कोई दिक्कत नहीं आएगी।

समस्याओं के समाधान के लिए निवेश मित्र तैनात

निवेश को बढ़ावा देने के लिए सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। इसके लिए जिले में निवेश मित्र की भी तैनाती कर दी गई है। बतौर निवेश मित्र नितिन प्रकाश निवेशकों से संपर्क कर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए विभिन्न विभागों से समन्वय बनाने में लगे हैं, ताकि इंवेस्टर्स समिट में आए ज्यादा से ज्यादा प्रस्तावों को सितंबर में संभावित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी तक धरातल पर उतारा जा सके।

पंप स्टोरेज पावर प्लांट के लिए ग्रीनको ग्रुप की ओर से नगवां व कोन ब्लॉक क्षेत्र के कुल सात गांवों में सर्वे किया जा चुका है। अन्य तीन कंपनियों ने भी इसी क्षेत्र में पावर प्रोजेक्ट लगाने की इच्छा जताई है। उनके प्रस्तावों पर कार्यवाही चल रही है। – आरपी गौतम, उपायुक्त, उद्योग।

लैंको की दूसरी इकाई से उत्पादन बंद

सोनभद्र। बीटीएल के कारण निजी क्षेत्र की लैंको अनपरा की 600 मेगावाट की दूसरी इकाई से शुक्रवार की भोर में उत्पादन बंद करना पड़ा। लीकेज को ठीक करने के लिए परियोजना प्रबंधन युद्धस्तर पर लग गया है। भोर में करीब डेढ़ बजे लैंको परियोजना की दूसरी इकाई से ब्वायलर ट्यूब लीकेज की सूचना मिली। सूचना पर इकाई को बंद कराया गया। लीकेज को ठीक करने के लिए परियोजना के कर्मचारी और अधिकारी युद्धस्तर पर लग गए हैं। इकाई के बंद होने से परियोजना से 600 मेगावाट का उत्पादन प्रभावित हुआ है। उधर, दो दिनों हो रही झमाझम बारिश से प्रदेश का मौसम सुहाना हो गया है। बारिश से लोगों को काफी राहत मिली है। इस वजह से बिजली की मांग में 24 घंटे में ही करीब दो हजार मेगावाट की गिरावट आई है। बृहस्पतिवार को जहां बिजली की मांग साढ़े 27 हजार के पार थी, वहीं शुक्रवार को सूबे में बिजली की अधिकतम मांग 25871 मेगावाट और न्यूनतम मांग 16717 मेगावाट रही। इस दौरान निगम की सभी इकाईयों से पूर्ण क्षमता से उत्पादन किया जा रहा है। उधर रिहंद और ओबरा हाइड्रो से उत्पादन शुरू हो गया।

गो तस्कर से पुलिस की मुठभेड़, बदमाश के पैर में लगी गोली, अस्पताल में भर्ती किया गया

सुल्तानपुर। सेमरी बाजार में गोकशी का मामला सामने आने पर पुलिस जांच करने पहुंची थी। इस दौरान गो तस्कर की पुलिस से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में बदमाश के पैर में गोली लगी है। जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के महमूदपुर सेमरी में शुक्रवार को गोकशी के मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर लिया था। देर रात पूछताछ के बाद उसके ठिकाने पर माल बरामद करने गई पुलिस और गौ तस्कर में मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में उसके पैर में गोली लग गई। जिसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। महमूदपुर सेमरी गांव में शुक्रवार को ग्रामीणों को चार मवेशियों के सिर व अवशेष मिले थे। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने पास के एक घर से छानबीन करते हुए मांस के टुकड़े और कुछ धारदार हथियार बरामद किए। साथ ही घर से शमशेर उर्फ मोनू को पकड़ लिया। युवक को जयसिंहपुर कोतवाली ले जाते समय ग्रामीण भड़क उठे और युवक को पुलिस से छुड़ाकर पीटना शुरू कर दिया। पुलिस हल्का लाठी चार्ज कर युवक को भीड़ से बचाकर कोतवाली ले गई। गोकशी की खबर जिले में सनसनी की तरह फैल गई। बड़ी संख्या में हिंदू संगठन के लोग सेमरी कस्बे में इकट्ठा हो गए और पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने लगे। स्थिति नियंत्रण लाने के लिए अन्य तीन थानों की पुलिस फोर्स बुलानी पड़ी। अपर पुलिस अधीक्षक विपुल श्रीवास्तव व क्षेत्राधिकारी प्रशांत सिंह ने भीड़ को समझा बुझाकर शांत कराया। कस्बे में पीएसी फोर्स को तैनात कर दिया गया। मामले में पुलिस ने शमसेर उर्फ मोनू, तवसीर, तसलीम पुत्रगण जुबैर, कलाम पुत्र हयात, पप्पू , पिंटू, जुगुनू, फुलकू पुत्रगण कलाम, मुनुरा, शकील व चिन्नी और कुछ अज्ञात के खिलाफ गोवध अधिनियम में मुकदमा दर्ज किया।

पुलिस के मुताबिक, देर रात बदमाश शमशेर उर्फ मोनू से पूछताछ के बाद माल बरामद करने के लिए पुलिस उसके बताए ठिकाने बहोरिकपुर गांव के पास उसको लेकर पहुंची। मौका मिलते ही ठिकाने पर छुपाए अवैध तमंचे से उसने पुलिस पर फायरिंग कर दिया और भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके बाएं पैर में गोली लग गई। जिसे इलाज के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर में भर्ती करवाया गया है।

खाकी और खादी के संरक्षण में पत्रकार उत्पीड़न की लड़ाई एसोसिएशन सड़क से सदन तक लड़ेगा -गिरीश कुशवाहा

प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन अयोध्या मंडल पत्रकारों की मांग को लेकर कभी भी कर सकता है केंद्र सरकार का घेराव, डॉ0 -कल्प राम त्रिपाठी

अयोध्या संवाददाता

अयोध्या। अगस्त प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक जर्नलिस्ट एसोसिएशन अयोध्या मंडल की बैठक नवनियुक्त पवन पांडेय वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रदेश महासचिव तथा अयोध्या मंडल प्रभारी की अध्यक्षता में राम जानकी टेस्ट महल में आयोजित की गई बैठक में अयोध्या मंडल के सभी जिला अध्यक्षों को केंद्र सरकार को भेजे गए मांग पत्र की प्रतियां शौप कर पत्रकारों के मौलिक अधिकारों को लड़ने के लिए एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश चंद कुशवाहा ने उन्हें जिम्मेदारी सौंपी और जिला अध्यक्षों को संबोधित करते हुए कहा की जिला अध्यक्ष पत्रकारों के उत्पीड़न को गंभीरता से लेते हुए एसोसिएशन के बैनर के नीचे जिला अध्यक्ष एकजुट होकर पत्रकारों के मौलिक अधिकारों के लिए संघर्ष के लिए बिगुल बजा दे श्री कुशवाहा ने कहा केंद्र सरकार पत्रकारों के उत्पीड़न के प्रति गंभीर नहीं है उपरोक्त स्थित में एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष मांग पत्र को पत्रकारों तक पहुंचा कर नवंबर में केंद्र सरकार का होने वाले जंतर मंतर के ऊपर होने वाले धरना प्रदर्शन में अधिक से अधिक संख्या में अयोध्या मंडल के पत्रकार पहुंचने की अपील की है उपरोक्त अवसर पर एसोसिएशन के 1 दर्जन से अधिक पत्रकारों को पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं पंडित गणेश शंकर विद्यार्थी अवार्ड से सम्मानित करते हुए श्री कुशवाहा ने कहा पत्रकारों उत्पीड़न की लड़ाई एसोसिएशन सड़क से लेकर सदन तक लड़ेगा।

एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव एवं अयोध्या एवं गोंडा मंडल के संयोजक डॉ0 कल्प राम त्रिपाठी ने कहा अयोध्या मंडल के सभी जिला अध्यक्ष 30 अगस्त तक जिला इकाई तीन पत्तियों में एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव एवं अयोध्या मंडल प्रभारी पवन पांडेय के माध्यम से प्रदेश कार्यालय को उपलब्ध कराएं उपरोक्त अवसर पर निष्क्रिय जिला अध्यक्षों को सक्रिय करने के लिए मंडल प्रभारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उपरोक्त अवसर पर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश चंद्र कुशवाहा एवं राष्ट्रीय सचिव डॉ0कल्प राम त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से अयोध्या की पत्रकार परमजीत कौर के पिता स्वर्गीय सरदार सरवन सिंह सूबेदार राष्ट्रपति पदक विजेता की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की उपरोक्त अवसर पर उपस्थित पत्रकारों ने लखनऊ से एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश चंद कुशवाहा एवं गोंडा से एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव डॉक्टर कल्पना त्रिपाठी का माला पहना कर अयोध्या में भव्य स्वागत किया गया उपरोक्त अवसर पर आचार्य स्कंद दास महेंद्र उपाध्याय संजय यादव चंदन बाबा अंकुर पांडेय आदि पत्रकार मौजूद रहे।

प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष ने किया बैंक की प्रगति समीक्षा

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष श्री संजीव भारद्वाज कल गोंडा के दौरे पर थे ,श्री भारद्वाज ने बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय में गोंडा जिले में बैंक की प्रगति की समीक्षा की, तदोपरांत कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में बैंक के 30 शाखा प्रबंधकों को जिले में कृषि ऋण वितरण बढ़ाने हेतु विस्तार से दिशा निर्देश उनके द्वारा जारी किए गए, उनके द्वारा शाखा प्रबंधकों को आदेशित किया गया है कि किसी भी दशा में अगले दो माह में ऋण राशियों में 15त्न की वृद्धि हर दशा में प्राप्त करनी है।

श्री संजीव भारद्वाज ने बैंक के गोंडा और बलरामपुर रीजन द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में भी भाग लिया और दोनों रीजन के वर्ष 2022-23 में श्रेष्ठ कार्य करने वाले 138 अधिकारियों को सम्मानित किया, समारोह में बड़ी संख्या में बैंक अधिकारियों ने भाग लिया, इस समारोह में गोंडा रीजन के सहायक महाप्रबंधक श्री ए पी गुप्ता और बलरामपुर के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री अनुज यादव ने भी प्रतिभाग किया।

श्री रूद्राभिषेक पार्थिव पूजन कार्यक्रम में 15 जोड़ा परिवार हुआ शामिल

उज्जैन महाकाल के पंडितों द्वारा हुआ पूजन कार्यक्रम

डॉ0कल्प राम त्रिपाठी

गोण्डा। रानी बाजार स्थित श्री राम जानकी मारवाड़ी धर्मशाला में मारवाड़ी युवा मंच एवं देवीपाटन महिला शाखा द्वारा आयोजित दो दिवसीय सावन पुरूषोत्तम माह के अवसर पर श्री रूद्राभिषेक पार्थिव पूजन कार्यक्रम हुआ ।जो रविवार को सुबह 7 बजे शुरू हुआ। पूजन का कार्यक्रम उज्जैन महाकाल से आये शास्त्री किशोर जोशी और शिव प्रधान द्वारा कराया गया ।पूजन में 15 जोड़ा परिवार शामिल हुआ ।पूजन कार्यक्रम में शास्त्री ने पूजन में बैठे जोड़ा परिवार से विधिविधान से पूजन करवाया पूजन के दौरान देवीपाटन महिला मंडल के सदस्या सहयोग के रूप में जुटी रही। पूजन सम्पन्न होने के बाद आरती हुई उसके बाद प्रसाद वितरण हुआ। इस दौरान मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष गोपाल मित्तल, महामंत्री अमित अग्रवाल मोंटू, विकास जैन, अविनाश तुलस्यान,अभिषेक पोद्दार, गोपाल भावसिंहका, महिला मंडल की प्रांतीय उपाध्यक्ष नीलम जैन,अध्यक्ष नीतू गर्ग, सविता गोयल,किरन बंसल ,भावना सोमानी, सरिता अग्रवाल सहित सभी पदाधिकारी गण मौजूद रही।

अभिभावकों को साइबर ठगों से सावधान रहने की चेतावनी

अरविंद कसौधन

उतरौला(बलरामपुर)- साइबर ठग यूपी बोर्ड के हाई स्कूल व इंटरमीडिएट के छात्र छात्राओं को भी नहीं बख्श रहे हैं। पहले बोर्ड परीक्षा के बाद उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में नंबर बढ़ाने के बहाने फोन करके ठगी कर रहे थे अब कंपार्टमेंट में अंक बढ़ाने और फेल पास करने का लालच देकर परीक्षार्थियों और अभिभावकों से धन की मांग कर रहे हैं। कंपार्टमेंट परीक्षा में शामिल हुए उतरौला तहसील क्षेत्र के कई विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को फोन कर नंबर बढ़ाने व फेल पास कराने का प्रलोभन देकर पैसे की मांग कर रहे हैं। फोन करने वाले साइबर ठग अपने आप को बोर्ड का कर्मचारी व डाटा एंट्री ऑफ्परेटर बता रहे हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक गोविंद राम ने विद्यार्थियों और अभिभावकों को साइबर ठगों से सावधान रहने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा की सचिव ओर से जारी सार्वजनिक सूचना में लिखा है कि साइबर ठग परीक्षार्थियों और अभिभावकों को ठगने का खूब प्रयास कर रहे हैं और यूपी बोर्ड की छवि खराब की जा रही है उन्होंने सभी परीक्षार्थियों और उनके अभिभावकों से अनुरोध किया है कि साइबर ठग के इस प्रकार के फोन कॉल का तनिक भी संज्ञान ना लें और प्रलोभन में कदापि न आएं इस प्रकार के फोन कॉल आने पर उसकी सूचना तत्काल अपने जिले के जिला विद्यालय निरीक्षक को दें।

सेना से आतंकियों की हुई मुठभेड़, एक टेररिस्ट मौके पर ही ढेर

जम्मू (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी के बरियामा इलाके में सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। रविवार सुबह शुरू हुई इस मुठभेड़ में अब तक एक आतंकी को ढेर कर दिया गया है। भारतीय सेना ने सर्च ऑपरेशन चलाकर इलाके की घेराबंदी कर दी है। मुठभेड़ में भारतीय सेना के पैरा कमांडो भी शामिल हैं। सूत्रों ने कहा कि सेना ने पूरे इलाको को घेर लिया है। इसके बारे में और ज्यादा जानकारी का इंतजार है। इससे पहले शनिवार को राजौरी जिले के गंध-ख्वाजा इलाके में सेना के साथ एक मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया था। जम्मू-कश्मीर पुलिस के एडीजीपी मुकेश सिंह ने बताया था कि मौके पर पुलिस को तैनात किया गया है और आतंकियों के सफाए का ऑपरेशन अभी भी जारी है। घने जंगल वाले इलाके की पहाड़ियों पर अभी भी गोलीबारी जारी है।

सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर भारतीय सेना की राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस का संयुक्त अभियान 5 अगस्त को शुरू किया गया। इलाके के उबड़-खाबड़ और जंगल से भरे होने के कारण राष्ट्रीय राइफल्स की अतिरिक्त टुकड़ियों को तैनात किया गया। भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टर से स्पेशल फोर्स को मौके पर लाया गया। आतंकवादियों ने सेना की घेराबंदी तोड़ने की बार-बार कोशिश की गई, ले ?किन रात भर हुई फायरिंग से विफल कर दिया गया। रात में नजर रखने में सक्षम क्वाडकॉप्टर, ड्रोन और खोजी कुत्तों का भी इस ऑपरेशन में उपयोग किया गया।

दूसरों के आधार कार्ड पर फोटो बदलकर बनाते थे फर्जी कार्ड

पीलीभीत। धोखाधड़ी कर फर्जी आधार कार्ड बनाने के मामले में हिरासत में लिए गए युवक को पुलिस ने जेल भेज दिया है। आरोपी के पास से प्रिंटर, लैपटॉप, फिंगर प्रिंट मशीन, कैमरा, मोबाइल फोन और 2040 रुपये बरामद किए हैं। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने साथियों की मदद से दूसरों के आधार कार्ड पर फोटो बदलकर फर्जी आधार कार्ड बनाता था। सेहरामऊ उत्तरी पुलिस ने बृहस्पतिवार को गांव केसरपुर में छाप मारकर धोखाधड़ी कर फर्जी आधार कार्ड बनाने के मामले में एक युवक को पकड़ा था। पुलिस ने आरोपी के पास से प्रिंटर, लैपटॉप, फिंगर प्रिंट मशीन, कैमरा, मोबाइल फोन और 2040 रुपये बरामद किए थे। पकड़ा गया आरोपी थाना जहानाबाद के गांव डांग का शाहरुख है। पूछताछ में उसने पुलिस को बताया कि वह शासन से आधार कार्ड बनाने की जिम्मेदारी मिलने की जानकारी देकर गांव निवासी जारिफ के घर पर एक कक्ष में बैठकर आधार कार्ड बनाता था। दूसरे लोगों के आधार कार्ड पर फोटो लगाकर नया आधार कार्ड जारी कर देता था।

अब हल्दी पर चढ़ा महंगाई का रंग, बारिश के चलते आवक हुई कम, तकरीबन दोगुनी हुई कीमत

प्रयागराज। बीते दो माह से टमाटर के साथ ही तमाम हरी सब्जियों के दाम बढ़े हुए हैं। अब इसी कड़ी में दाल और सब्जी का स्वाद बढ़ाने वाले मसाले भी रिकार्ड बनाने पर आमादा हैं। जीरे की बात करें तो एक वर्ष में इसका दाम 500 रुपये प्रति किलो तक बढ़ गया है। कई बीमारियों का रामबाण इलाज करने वाली हल्दी भी महंगाई की राह पर चल पड़ी है। महंगाई का रंग चढ़ने की वजह से बाजार में हल्दी अब तक के उच्चतम दाम पर पहुंच गई है। फुटकर बाजार में साबुत हल्दी का दाम 200 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है, जबकि पिछले वर्ष अगस्त में इसका अधिकतम दाम 120 रुपये प्रति किलो था। इसी तरह जीरा, सोंठ, छोटी इलायची और सौंफ के दाम में भी हुई अप्रत्याशित वृद्धि ने लोगों को खासा परेशान कर दिया है। बीते दो माह से टमाटर के साथ ही तमाम हरी सब्जियों के दाम बढ़े हुए हैं। अब इसी कड़ी में दाल और सब्जी का स्वाद बढ़ाने वाले मसाले भी रिकार्ड बनाने पर आमादा हैं। जीरे की बात करें तो एक वर्ष में इसका दाम 500 रुपये प्रति किलो तक बढ़ गया है। इसी तरह सोंठ के दाम में भी 150 से 200 रुपये प्रति किलो की वृद्धि हो गई है। बताया जा रहा है कि हल्दी की आवक इन दिनों कम हो गई है। बेमौसम बारिश की वजह से इसकी फसल को काफी नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा महाराष्ट्र, तमिलनाडु और तेलंगाना में इसकी बुआई भी किसानों ने कम की है। फुटकर कारोबारी प्रमिल केसरवानी ने बताया कि हल्दी के दाम पिछले वर्ष की तुलना में 50 फीसदी तक बढ़े हैं। छह माह पूर्व हल्दी का दाम 110 रुपये किलो था जो अब बढ़कर 150 रुपये हो गया है। वहीं, दूसरी ओर जीरे की उपज में कमी के चलते इसके दाम लगातार बढ़ रहे हैं। इसी प्रकार अदरक की किल्लत ने सोंठ को महंगा कर दिया है। सौंफ के दाम भी आम उपभोक्ताओं की पहुंच से बाहर हो गए हैं। थोक कारोबारी दीपक केसरवानी ने कहा कि मसालों के दाम में इन दिनों तेजी से वृद्धि हुई है। अजवाइन, लौंग, हल्दी, जीरा, मिर्च, पिसी धनिया, मेथी आदि सभी के दाम बढ़े हुए हैं। जीरे का दाम काफी दिनों से बढ़ रहा है। हल्दी भी उसकी राह पर चल दी है।

ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की वर्ष 2009 के छूटे हुए इंक्रीमेंट को दिलाने हेतु उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से मिला संगठन

गोण्डा। जनपद के ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की वर्ष 2009 में छूटे हुए इंक्रीमेंट की समस्या को लेकर प्रदेश अध्यक्ष क्रांति सिंह के नेतृत्व में जिलाध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी ने उत्तर प्रदेश के माननीय उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या जी से मिलकर पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि गोंडा जनपद में वर्ष 2009 में 12 फरवरी को 1800 ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति हुई थी जुलाई 2009 में हम लोगों को इंक्रीमेंट मिलना था जो विभाग की लापरवाही के चलते हम लोगों को नहीं दिया गया प्रकरण को गंभीरता से उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जी ने निदान कराने का आश्वासन दिया

इलियाना डिक्रूज ने बेटे को दिया जन्म, सोशल मीडिया पर तस्वीर की शेयर

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेत्री इलियाना डिक्रूज ने बेटे को जन्म दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीर भी शेयर की है। उनके फैंस के लिए यह बड़ी खुशखबरी है। इलियाना ने सोशल मीडिया पर बेबी की एक तस्वीर शेयर कर बच्चे की डेट ऑफ बर्थ भी बताई है। इस गुड न्यूज के बाद फैंस लगातार उन्हें मां बनने की बधाइयां दे रहे हैं। जानकारी के अनुसार इलियाना ने 1 अगस्त, 2023 को बेटे को जन्म दिया, जिसका खुलासा उन्होंने अब किया है। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर बेबी की एक झलक शेयर की, जिसमें वह सोता हुआ बेहद क्यूट लग रहा है। साथ ही उन्होंने अपने बेटे का यूनिक नाम भी रिवील किया है। एक्ट्रेस ने अपने बेटे की जो फोटो शेयर की है उसके कैप्शन में लिखा- 'कोई भी शब्द ये नहीं बता सकता कि हम अपने प्यारे बेटे का दुनिया में स्वागत करते हुए कितने खुश हैं। दिल भरा हुआ है'। यानी इलियाना ने अपने बेटे का नाम कोआ फीनिक्स डोलन रखा है। बता दें कि कोआ नाम का अर्थ योद्धा या बहादुर, बहादुर साहसी और निडर होता है।

इलियाना के मिस्ट्री मैन की पहचान का भी खुलासा हो गया है। इसके साथ ही रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि दोनों पहले से ही शादीशुदा हैं। मिली विवाह रजिस्ट्री विवरण के अनुसार, इलियाना ने इस साल 13 मई को माइकल डोलन के साथ शादी रचाई थी। साथ ही यह भी खुलासा किया कि भले ही शादी की जगह और अन्य चीजों की कोई जानकारी नही हैं। माइकल के बारे में यह दावा किया कि एक्ट्रेस अपने बॉयफ्रेंड के साथ पिछले एक साल से रह रही हैं। गौरतलब है कि इससे पहले इलियाना डिक्रूज ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपने बॉयफ्रेंड के साथ तस्वीरें भी शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा डेट नाइट और एक दिल वाला इमोजी भी बनाकर शेयर किया था।

एजेंसी ने जांच पूरी की, सीमा हैदर पर बड़ी रिपोर्ट आने का इंतजार

नोएडा (ईएमएस)। पाकिस्तान से ग्रेटर नोएडा पहुंची सीमा हैदर के मामले में जांच एजेंसियों ने अपनी जांच पूरी कर ली है। अब बस बड़ी रिपोर्ट आने का इंतजार हो रहा है। हालांकि सूत्रों के हवाले से बताया गया कि सीमा का पाकिस्तानी जासूस होने का कोई सबूत नहीं मिला है। सीमा को डिपोर्ट भी किया जा सकता है। फिर भी सीमा हैदर की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सीमा के खिलाफ नोएडा पुलिस की जांच लगभग पूरी हो चुकी है। जल्द ही सीमा हैदर के पाकिस्तान से भारत अवैध तरीके से आने के मामले में नोएडा पुलिस कोर्ट में चार्जशीट दायर कर सकती है। नोएडा पुलिस की ओर से पाकिस्तान से ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा तक पहुंची सीमा हैदर को लेकर कई एंगल से जांच की गई है। उस पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़ाव का शक बनता दिखा। हालांकि, जांच में अभी तक उसके पाकिस्तानी आईएसआई जासूस होने का मामला सामने नहीं आया है। पुलिस ने इस जांच के क्रम में केंद्रीय एजेंसियों की मदद ली है। उसके कॉल डिटेल और सोशल मीडिया डिटेल तक को खंगाला गया है। तमाम पहलुओं पर हुई जांच के बाद नोएडा पुलिस की ओर से पेश की जाने वाली चार्जशीट पर हर किसी की नजर टिक गई है।

बता दें कि सीमा हैदर का भारत में भविष्य भी काफी हद तक इस चार्जशीट पर टिका हुआ है। अगर उस पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़ाव का कोई भी शक बनता दिखता है तो उसे एक बार फिर जेल जाना पड़ सकता है। सीमा के अलावा उसकी मदद करने वाले और उसे पनाह देने वाले सचिन मीणा की भी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। साथ ही, सीमा को पाकिस्तान भी डिपोर्ट किया जा सकता है। पिछले दिनों सीमा हैदर को लेकर कई प्रकार की चर्चाएं चल रही है। कभी उसे राजनीतिक दल में शामिल होने का ऑफर मिल रहा है। कभी उसके एक्टर बनने की चर्चा शुरू हो जाती है। एक फिल्म में सीमा को रॉ एजेंट की भूमिका भी दिए जाने की चर्चा चल रही है। इन तमाम चर्चाओं के बीच नोएडा पुलिस की जांच पर हर किसी की नजर टिकी दिख रही है। बता दें कि सीमा हैदर और सचिन मीणा की मुलाकात पबजी गेम के दौरान ऑनलाइन 2019 में हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई। दोनों की दोस्ती हो गई। बातचीत का सिलसिला आगे बढ़ा तो सीमा और सचिन एक-दूसरे के करीब आ गए। दोनों ने मुलाकात का फैसला लिया। नेपाल के काठमांडु में दोनों की मुलाकात हुई। इस मुलाकात में दोनों ने साथ रहने का फैसला लिया। मई माह में पाकिस्तान के करांची से यूएई होते हुए सीमा हैदर अपने चार बच्चों के साथ नेपाल के रास्ते ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा पहुंच गई। बाद में उसे गिरफ्तार किया गया। अभी वह जमानत पर बाहर है।

देश में 12 साल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची चावल की कीमत

मुंबई (ईएमएस)। भारत ने हाल ही में गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। देश में चावल की बढ़ती कीमत को थामने के लिए सरकार ने यह फैसला किया था लेकिन इससे दुनियाभर में चावल की कीमत में भारी तेजी आई है। यूएन की फूड एजेंसी एफएओ के मुताबिक जुलाई में राइस प्राइस इंडेक्स 2.8 फीसदी की तेजी के साथ करीब 12 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। इसमें पिछले साल जुलाई के मुकाबले 20 फीसदी तेजी आई है और यह सितंबर 2011 के बाद उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। मजबूत मांग और भारत के प्रतिबंध से चावल की कीमत बढ़ी है। भारत दुनिया में चावल का सबसे बड़ा निर्यातक है। ग्लोबल एक्सपोर्ट में भारत की 40 फीसदी हिस्सेदारी है। भारत ने पिछले महीने गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। देश से निर्यात होने वाले कुल चावल में गैर बासमती सफेद चावल की हिस्सेदारी करीब 25 फीसदी है। भारत के अलावा थाईलैंड, वियतनाम, कंबोडिया और पाकिस्तान चावल के प्रमुख ?निर्यातक हैं। चावल आयात करने वाले देशों में चीन, फिलीपींस, बेनिन, सेनेगल, नाइजीरिया और मलेशिया प्रमुख हैं। भारत के चावल पर प्रतिबंध लगाने से अमेरिका में हड़कंप मच गया था। वहां बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं और प्रतिबंध की खबर सुनते ही वे स्टॉक जमा करने के लिए दुकानों पर टूट पड़े। इधर भारत ने चावल के निर्यात पर प्रतिबंध तो उधर रूस ने यूक्रेन के बंदरगाहों से अनाज ले जाने वाले जहाजों को सुरक्षित रास्ता देने वाले डील से किनारा कर लिया। इससे जुलाई में खाने पीने की चीजों की कीमत में बढ़ोतरी हुई।

अघोषित विद्युत कटौती के विरुद्ध लोकतंत्र सेनानी चौधरी इरशाद अहमद गद्दी ने ज्ञापन सौंपा

अरविंद कसौधन

उतरौला(बलरामपुर)। अघोषित विद्युत कटौती के विरुद्ध रविवार को लोकतंत्र सेनानी चौधरी इरशाद अहमद गद्दी ने जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी अवधेश कुमार को सौंपा। श्री चौधरी ने कहा कि विद्युत उपखंड उतरौला के देहात, टाउन व आईपीडीएस बदलपुर फीडर की विद्युत व्यवस्था चरमरा गई है। उतरौला उप केंद्र से संचालित देहात फीडर महुआधनी के ग्राम अहिरौला का फ्यूज एवं ट्रांसफार्मर का एलटी जलने की जानकारी लाइनमैन अतीक व अन्य लाइनमैन को होने पर भी ठीक नहीं किया जा रहा है। महुआ, मिश्रौलिया, श्रीदत्तगंज, चमरूपुर के अवर अभियंता रविंद्र राम के लापरवाही का आलम यह है कि वह अपने मातहतों से काम नहीं ले पा रहे हैं। महुआ फीडर के लाइनमैन मोहम्मद अतीक व अनिल कुमार कसौधन उर्फ कोदई अपने निजी स्वार्थ के लिए बिजली को चोरी से बेच रहे हैं और सरकार को चूना लगा रहे हैं। संबंधित फीडरों एसएसओ फोन रिसीव नहीं करते रिसीव कर भी लेते हैं तो गैर जिम्मेदाराना जवाब देते हैं। मोहल्ला रफी नगर स्थित हर्षा हॉस्पिटल के सामने लगे लोहे के पोल पर भयंकर करंट उतर रहा है। इसी पोल के चलते पास में सटे घरों में भी करंट आ रहा है। जिससे कभी भी कोई अनहोनी घटना घटित हो सकती है। आईपीडीएस बदलपुर से आच्छादित नगर क्षेत्र के सुभाष नगर, पटेल नगर व उतरौला ग्रामीण के विद्युत व्यवस्था दयनीय है।

ब्रेकडाउन, सिडडाउन, फॉल्ट के नाम पर घंटे विद्युत कटौती की जा रही है। 24 घंटे में मात्र दो से ढाई घंटा बिजली मिल पा रहा है। जबकि प्रदेश सरकार की मंशा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटा व नगर क्षेत्र में 22 घंटा विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित किया जाए। दूषित मानसिक के जेई व लाइनमैन सरकार को बदनाम करने की नीयत से ऐसा कार्य कर रहे हैं।

जयंत पाटिल जा सकते हैं अजित के खेमे में, मंत्री बनने की अटकलें तेज

शरद पवार को एक और झटका देने की तैयारी, फडणवीस के साथ हो चुकी है बातचीत

मुंबई (ईएमएस)। शरद पवार गुट को एक बार फिर झटका देने की तैयारी हो रही है। इस बार जयंत पाटिल के अजित पवार के साथ जाने की अटकलें तेज हो रही हैं। बताया जा रहा है कि उनको मंत्री पद भी ऑफर हो सकता है। बता दें कि अजित पवार के सत्तारूढ़ भाजपा-शिंदे सेना सरकार में शामिल होने के लगभग एक महीने बाद, अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के विधायक दल के नेता और राज्य इकाई के प्रमुख जयंत पाटिल के भी शरद पावर का साथ छोड़ने की चर्चाएं आम हो गई हैं। सूत्रों ने कहा कि जयंत पाटिल ने अजित पवार और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ संभावित कदम के बारे में बैठकें की हैं। हालांकि, पाटिल ने इस बारे में कहा कि ऐसा कोई कदम फिलहाल नहीं उठाएंगे। अजित पवार ने जब से एनसीपी में विद्रोह का नेतृत्व किया है और उनके समूह ने पार्टी के नाम के साथ-साथ चुनाव चिन्ह पर दावा ठोका है, तब से विधायक दल पर पूर्ण नियंत्रण हासिल करने के लिए विधायक दल के नेता पद को महत्व मिल गया है। गौरतलब है कि जयंत पाटिल पहले ही महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर को पत्र लिखकर अजित पवार और एनसीपी के 8 अन्य बागी विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग कर चुके हैं। एक कारण यह भी है कि अयोग्य ठहराए जाने का खतरा सिर पर मंडराने और अजित समूह की वास्तविक विधायी ताकत पर कोई स्पष्टता नहीं होने के कारण, एनसीपी के अधिकांश विधायकों ने एनसीपी के किसी भी गुट के प्रति वफादारी दिखाने से बचने का विकल्प चुना है। यही वजह है कि पूरे मानसून सत्र के दौरान सदन में उपस्थित नहीं होने का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि भाजपा-शिंदे सेना गठबंधन की सरकार में अगर जयंत पाटिल शामिल होते हैं, तो यह न केवल इसकी पुष्टि करने के लिए महत्वपूर्ण होगा कि अधिकांश एनसीपी विधायक अजित पवार का समर्थन करते हैं, बल्कि पार्टी पर दावा उनका दावा भी मजबूत होगा। हालांकि राकांपा पर अजित पवार की पकड़ सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए महत्वपूर्ण कारकों में से एक है। घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों के अनुसार, जयंत पाटिल को अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस के साथ बैठक के लिए बुलाया गया था, जहां उन्हें आगामी कैबिनेट विस्तार में मंत्री पद की पेशकश की गई।

उस दौरान विधानसभा के भीतर हल्के-फुल्के अंदाज में अजित पवार ने जयंत पाटिल के अपने साथ आने का संकेत भी दिया था। उन्होंने कहा था कि वह और देवेंद्र फडणवीस उनका इंतजार कर रहे हैं। अजित पवार को समर्थन देने का वादा करने वाले वरिष्ठ नेता सुनील तटकरे के साथ और बाद में सार्वजनिक तौर पर अजित पवार के साथ जयंत पाटिल की बातचीत ने सबका ध्यान खींचा है।

जेआरएफ व नेट में विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त कर विश्वविद्यालय का बढ़ाया मान

अवध विवि के पांच विद्यार्थियों ने क्वालिफाई किया जेआरएफ व नेट

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग तथा शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योग विज्ञान संस्थान के विद्यार्थियों ने यूजीसी की परीक्षा नेट में सफलता प्राप्त की। विभागों के विद्यार्थियों ने जेआरएफ और नेट परीक्षा में सफलता प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। विश्वविद्यालय परिसर के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के आनंद प्रियदर्शी एवं राज कपूर ने यूजीसी जेआरएफ तथा पूजा यादव एवं श्रीजीता मिश्रा ने यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण की। वही शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योग विज्ञान संस्थान के अनिल यादव ने यूजीसी नेट परीक्षा क्वालिफाई की। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनकी लगन और लक्ष्य के प्रति सजग रहने का परिणाम है। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के छात्रों की इस उपलब्धि पर विभाग के समन्वयक प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ला सहित विभागीय शिक्षकों में डॉ0 सुधीर सिंह, डॉ0 शिव कुमार, डॉ0 अनिल कुमार सिंह और डॉ0 देवेश प्रकाश व अन्य शिक्षकों, विद्यार्थियों ने हर्ष प्रकट किया। दूसरी ओर शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योग विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो0 संत शरण मिश्र, डॉ0 अनिल कुमार मिश्र, डॉ0 कपिल राना, डॉ0 अर्जुन सिंह, डॉ0 अनुराग पाण्डेय, डॉ0 त्रिलोकी यादव, डॉ0 मुकेश वर्मा, डॉ0 मोहिनी पाण्डेय सहित अन्य सहयोगियों ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विवि के मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि विश्वविद्यालय शिक्षकों के दिशा-निर्देशन एवं छात्रों के अथक मेहनत का परिणाम है कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा यूजीसी नेट परीक्षा क्वालिफाई की है। इस वर्ष एमएससी बायोकेमेस्ट्री, बायोटेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रानिक एवं एमबीए विभाग से छः छात्रों ने जूनियर रिसर्च फेलोशिप एवं नेट क्वालिफाई किया है।

RNI No. 46071/85
स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक **टी.रजा रिज़वी** ने विकास प्रिन्टिंग प्रेस, मालवीयनगर, गोण्डा से मुद्रण करवाकर 568, मालवीयनगर गोण्डा (उ0प्र0) 271001 से प्रकाशित किया।
गोण्डा कार्यालय
फोन/फैक्स–05262–230683
मो0– 09415120085
लखनऊ कार्यालय–
फोन– 0522–4028445
मो0– 09415249085
:- E-mail :-
trigutdainik@gmail.com